रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 29 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 111 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	26.9
जमशेदपुर	34.4	26.0
डालटनगंज	34.4	26.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से खुला भारत का खाता, पीएम मोदी ने दी बधाई, बोले- ये सफलता बेहद खास

मनु भाकर ने दिलाया पहला मेडल, खुशी से झूमा देश, बधाइयों का तांता

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में भारत ने मेडल का खाता खोल दिया है. भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है. उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीता और इस तरह वह ओलंपिक में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गई हैं. महज 22 साल की शूटर मनु भाकर 221.7 पॉइंट के साथ वह सिल्वर मेडल से बेहद करीबी अंतर से चूक गईं. गोल्ड और सिल्वर मेडल कोरियाई शूटर्स को मिला.

यह मनु का दूसरा ओलिंपिक है. तोक्यो ओलिंपिक में मनु भाकर मेडल की सबसे बड़ी उम्मीद थीं, लेकिन इवेंट के दौरान पिस्टल में आई खराबी के कारण उनका सफर क्वॉलिफिकेशन से आगे नहीं बढ़ पाया था. भारत का मौजूदा पेरिस ओलंपिक में यह पहला मेडल रहा. साथ ही ओलंपिक के इतिहास में भारत का यह शूटिंग में पांचवां मेडल रहा. कोरियाई खिलाड़ियों ओह ये जिन ने गोल्ड (243.2 अंक) और किम येजी (241.3) ने सिल्वर मेडल जीता. मनु भाकर ने जैसे ही मेडल पर निशाना लगाया, देश खुशी से झूम उठा. निशानेबाज मनु भाकर को चारों ओर से बधाइयां मिल रही हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनु को बधाई देते हुए कहा, मुझे आप पर गर्व है. पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी है और उनकी इस जीत को ऐतिहासिक बताया है. पीएम मोदी ने मनु भाकर की सफलता को अविश्वसनीय उपलब्धि बताया है.

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, बहुत अच्छा, पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का पहला पदक जीतने के लिए! कांस्य पदक के लिए बधाई. यह सफलता इसलिए और भी खास है क्योंकि वह भारत के लिए शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं. एक अविश्वसनीय उपलब्धि!

कांटे के फाइनल में जब तीसरे स्थान के लिए उनके नाम का ऐलान हुआ, तो उनके चेहरे पर सुकून की एक मुस्कान थी और एक कसक भी कि 0 . 1 अंक और होते तो पदक का रंग कुछ और होता. लेकिन ओलंपिक पदक तो ओलंपिक पदक है. इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले 12 साल से भारतीय निशानेबाज ओलंपिक से खाली हाथ लौट रहे थे. अपनी गर्दन के पीछे स्टिल आई राइज का टैटू बनवाने वाली मनु की इस कामयाबी की दास्तान उनके गुरु पिस्टल किंग जसपाल राणा के जिक्र के बिना अधूरी रहेगी. राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में दर्जनों पदक जीत चुके पिस्टल निशानेबाजी के लीजैंड राणा के साथ मनु का खट्टा मीठा रिश्ता रहा है. वह 2018 एशियाई खेलों से पहले मनु के कोच बने और उनके मार्गदर्शन में मनु ने सीनियर विश्व कप के दस पदक (2018 से 2021) जीते. तोक्यो ओलंपिक से पहले मार्च 2021 में मनमुटाव के कारण दोनों अलग हो गए थे. पिछले साल मनु ने एक बार फिर द्रोणाचार्य सम्मानित कोच राणा के साथ जुड़ने का फैसला किया और नतीजा सामने है.

बता नहीं सकती कैसा लग रहा है

मनु ने कहा, तोक्यो के बाद मैं बहुत निराश थी और मुझे इससे उबरने में बहुत लंबा समय लगा. सच कहूं तो मैं यह नहीं बता सकती कि आज मैं कितना अच्छा महसूस कर रही हूं. मनु का तोक्यो ओलंपिक में इसी स्पर्धा के क्वालिफिकेशन के दौरान पिस्टल में खराबी के कारण आंसुओं के साथ अभियान समाप्त हो गया था, लेकिन आज उनके चेहरे पर मुस्कान थी. उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी ऊर्जा के साथ लड़ रही थी. मैं आभारी हूं कि कांस्य पदक जीत सकी. मैंने भगवद गीता पढ़ी है और हमेशा वही करने की कोशिश की जो मुझे करना चाहिए, बाकी सब भगवान पर छोड़ दिया. 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन निशानेबाज ने कहा, हम भाग्य से नहीं लड़ सकते. मनु ने कहा, चिंता नहीं करनी है. भारत इस ओलंपिक में बहुत सारे पदक जीतने वाला है.

ऐसा करनेवाली पांचवीं भारतीय

मनु ओलंपिक में मेडल जीतनेवाली पांचवीं भारतीय निशानेबाज हैं. भारत ने ओलंपिक में सबसे पहला मेडल 2004 में एथेंस ओलंपिक में जीता था. तब राजवर्धन सिंह राठौर ने डबल ट्रैप इवेंट में सिल्वर हासिल किया था. अभिनव बिंद्रा ने 2008 में बीजिंग में 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड पर निशाना लगाया था. यह भारत के लिए किसी व्यक्तिगत खेल में पहला स्वर्ण था. विजय कुमार ने 2012 में लंदन में 25 मीटर पुरुष पिस्टल इवेंट में सिल्वर जीता था. गगन नारंग ने लंदन ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज अपने नाम किया था.

क्वॉलिफाइंग राउंड में मनु का प्रदर्शन

मनु ने क्वॉलिफाइंग राउंड में दमदार प्रदर्शन किया. उन्होंने अपनी छह श्रृंखलाओं में सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 580 अंक प्राप्त किए. उनके 97, 97, 98, 96, 96 और 96 के स्कोर ने उन्हें लगातार शीर्ष पर बनाए रखा, लेकिन वह आखिर में टॉप-3 में रहीं. बता दें कि मनु टोक्यो ओलंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थीं. वह टोक्यो में पिस्टल में खराबी के कारण फाइनल में एंट्री करने में विफल रही थीं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,700
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

जज जमानत मामलों में अपना विवेक लगाएं

बेंगलुरु। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आपराधिक मामलों में, संदेह की गुंजाइश रहने की स्थिति में अधीनस्थ अदालत के जज जमानत देकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं. उन्होंने प्रत्येक मामले की बारीकियों पर गौर करने के लिए सामान्य समझ और विवेक का इस्तेमाल करने पर बल दिया. चीफ जस्टिस ने कहा, जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिल रही, जिससे उन्हें उच्च न्यायालयों का रुख करना पड़ता है. यह देरी उन लोगों की समस्या को और बढ़ा देती है, जो मनमाने तरीके से गिरफ्तारियों का सामना कर रहे हैं.

भोजपुरी को आधिकारिक दर्जा के लिए निजी बिल

नयी दिल्ली। भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा सांसद रवि किशन ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लोकसभा में एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया है, ताकि इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया जा सके. रवि किशन ने संविधान (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और कहा कि वह इस बात को रेखांकित करना चाहते हैं कि भोजपुरी भाषा बकवास गीतों के बारे में नहीं है, बल्कि इसका एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और साहित्य है जिसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है.

खादी का कारोबार डेढ़ लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि खादी ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है तथा खादी एवं हथकरघा की बढ़ती बिक्री बड़ी संख्या में रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है.

माता प्रसाद पांडेय यूपी विस में नेता प्रतिपक्ष

लखनऊ। यूपी विधानसभा में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय नेता प्रतिपक्ष होंगे. यह पद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सांसद चुने जाने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की वजह से रिक्त हुआ था.

महात्मा गांधी का संदेश आज भी प्रासंगिक है

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी का यह शाश्वत संदेश संघर्ष, ध्रुवीकरण और रक्तपात देख रही दुनिया पर आज भी लागू होता है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए.

बड़ी खबरः झारखंड की 23 बड़ी खदानें नीलामी के लिए तैयार

सर्वे का काम पूरा

- पांच बॉक्साइट, एक तांबा और आठ आयरन ओर की हैं खदानें
- छह ग्रेफाइट, दो डोलोमाइट और एक मैग्नेटाइट की खदान का सर्वे पूरा
- झारखंड की मस्कानिया-गरेरियाटोला-बारवारी पोटाश ब्लॉक की नीलामी रद्द

रवि भारती। रांची

झारखंड की 23 बड़ी खदानें नीलामी के लिए तैयार हैं. इनके सर्वे का काम पूरा हो गया है. ये खदानें गुमला, लोहरदगा, गिरिडीह, चाईबासा, प. सिंहभूम और पलामू में स्थित हैं. इनमें 5 बॉक्साइट, 1 तांबा, 8 आयरन ओर, 6 ग्रेफाइट, 2 डोलामाइट व 1 मैग्नेटाइट की खदान शामिल हैं. गिरिडीह के अंबाडीह में 47 हेक्टेयर में तांबे की खदान है. वहीं लोहरदगा और गुमला में 6 बॉक्साइट खदानें हैं. चाईबासा में 8 आयरन ओर, पलामू में 6 ग्रेफाइट की खदाने हैं. वहीं पलामू में ही 2 डोलामाइट-लाइम स्टोन खदानें हैं.

राज्य में फिलहाल 12 अधिक बड़ी खदानों की भी नीलामी होगी. इसकी भी प्रक्रिया पूरी की जा रही है. इनमें दो ग्रेफाइड, 3 बॉक्साइट खदानें शामिल हैं. इसके अलावा हरिपुर लेम में 5 चूना पत्थर की खदानों की नीलामी की जानी है. आयरन ओर की दो खदान घाटकुरी वन और टू की भी नीलामी की जाएगी. इसके अलावा मैगनीज की खदान की नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है. जानकारी के अनुसार राज्य में 20 लघु खनिज खदानों की नीलामी की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है. बताते चलें कि राज्य में मौजूद 79 लघु खनिज खदानों में अब तक 49 लघु खनिज खदानों की बोली लग चुकी है.

झारखंड सहित तीन राज्यों की तीन खदानों की नीलामी रद्द

झारखंड सहित तीन राज्यों की तीन खनिज खदानों की नीलामी रद्द कर दी गई है. इसकी वजह यह रही कि नीलामी के नियमों के अनुसार जरूरत की संख्या के अनुसार बोली नहीं लग पाई. बताते चलें कि कोल मंत्रालय ने 14 मार्च को नीलामी के तीसरे चरण में सात खनिज खदानों की बिक्री शुरू की थी. जिस खदानों की नीलामी रद्द की गई, उनमें जम्मू-कश्मीर का सलाल-हैमना लिथियम, टाइटेनियम और बॉक्साइट (एल्युमिनस लेटराइट) खदान, झारखंड की मस्कानिया-गरेरियाटोला-बारवारी पोटाश खदान और तमिलनाडु का कुरुंजाकुलम ग्रेफाइट खदान शामिल हैं.

चाईबासा में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
बंधबुरू	आयरन ओर	19.331
नोवामुंडी वन	आयरन ओर	141.64
नोवामुंडी टू	आयरन ओर	31.97
करमपदा	आयरन ओर	233.99
बोकना	आयरन ओर	202.35
मीठा झरना	मैग्नेटाइट	1608.90
मेरालगारा	आयरन ओर	66.78
ठाकुरानी	आयरन ओर	84.68
खासजमदा	आयरन ओर	265.88

लोहरदगा में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
मनहिपत	बॉक्साइट	23
डुबंरटोली वन	बॉक्साइट	50
डुंबरटोली टू	बॉक्साइट	15

पलामू में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
पुरनाडीह	ग्रेफाइट	37
गुटूआ	ग्रेफाइट	35.8
चंपी	ग्रेफाइट	100
सोकरा	ग्रेफाइट	700
भागपरसिया	ग्रेफाइट	45
सिकट	ग्रेफाइट	100
चामाकालन	डोलोमाइट	191
हेसलदाग	डोलोमाइट	180

गुमला में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
उडनी वन	बॉक्साइट	300
उडनी टू	बॉक्साइट	100

गिरिडीह में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
अंबाडीह	तांबा	47

नरसिंह इस्पात की जांच में ढिलाई से ग्रामीण मायूस

दिलीप कुमार। चांडिल

- लोगों को अंदेशा प्रशासन मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगा
- जमीन की जांच के लिए गठित टीम ने 10 दिन बाद भी नहीं शुरू किया काम
- वन और प्रदूषण विभाग एसडीओ की चिट्ठी के बाद सो गया है

नरसिंह इस्पात कंपनी मामले में प्रशासनिक हलचल के बाद ग्रामीणों में जो आस जगी थी, अब वह धीरे-धीरे धूमिल हो रही है. कंपनी पर ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोप की जांच के लिए चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा वन और पर्यावरण विभाग को भेजी गई चिट्ठी का जवाब नहीं आने और सरायकेला-खरसांवा के उपायुक्त द्वारा आरोपों की जांच के लिए गठित टीम द्वारा अबतक जांच नहीं किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश भी व्याप्त है. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन इस मामले में शिथिलता बरतते हुए अब इसे ठंडे बस्ते में डाल देगी.

उनके अनुसार इसका एकमात्र कारण कंपनी के कमियों पर पर्दा नहीं डाल पाना है. ग्रामीणों का कहना है कि जांच होने पर गैर कानूनी रूप से चलाई जा रही इस कंपनी पर गाज गिरना तय है. कंपनी प्रबंधन अपनी पहुंच और पैसे के बल पर जांच को रुकवाने का प्रयास कर रही है. इसी का नतीजा है कि जांच के लिए तय तिथि बार-बार बदल दिया जा रहा है. उपायुक्त द्वारा गठित जांच टीम को सबसे पहले 16 जुलाई तक जांच रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन जांच नहीं हुई और टीम ने 16 जुलाई को जांच रिपोर्ट नहीं सौंपा. इसके बाद जांच के लिए दूसरी तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई थी. इस तिथि तक भी कंपनी पर लगे आरोपों की जांच नहीं की जा सकी है. लंबे समय के बाद भी जांच नहीं होने से ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चा हो रही है. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन वास्तविकता उजागर नहीं कर कंपनी का सहयोग कर रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार ने विधानसभा के पटल पर यह स्वीकार किया है कि कंपनी प्रबंधन ने सरकारी जमीन को अतिक्रमण किया है, तो अब जांच किसकी होनी है. क्या अब जांच में उसे निराधार बताया जाएगा. खूंटी ग्राम सभा और ग्रामीणों का कहना है कि अब वह अपनी समस्या लेकर कहां जाएंगे. जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक पदाधिकारी ग्रामीणों की समस्या पर अगर इस प्रकार का उदासीन रवैया अपनाएंगे, तो समाधान कैसे होगा.

वन- प्रदूषण विभाग ने अब तक नहीं किया सत्यापन

हिंदी दैनिक अखबार शुभम संदेश में छपी खबर के आधार पर चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने नरसिंह इस्पात कंपनी को नोटिस जारी कर तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा था. एसडीओ ने कंपनी प्रबंधन को नोटिस जारी कर सरकारी जमीन हस्तांतरण का दस्तावेज, वन एवं पर्यावरण विभाग का क्लीयरेंस और झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा करने का निर्देश दिया था. नोटिस का जवाब देते हुए कंपनी प्रबंधन ने कहा है कि कंपनी के नाम पर सरकारी जमीन का हस्तांतरण नहीं किया गया है. वहीं कंपनी प्रबंधन ने 26 जून 2024 को निर्गत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रमाण पत्र और वर्ष 2018 का एमओईएफ जमा किया था. कंपनी प्रबंधन ने वन विभाग से मिले किसी भी प्रकार का अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं किया था. अनुमंडल पदाधिकारी ने एमओईएफ और प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र को सत्यापन के लिए संबंधित विभाग के पास भेजा था. दोनों प्रमाण पत्रों का सत्यापन अब तक नहीं किया जा सका है.

खुशखबरी: एनटीए ने जारी किया सीयूईटी यूजी का रिजल्ट

रांची। सीयूईटी यूजी रिजल्ट का इंतजार कर रहे छात्रों के लिए बड़ी खबर आई है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट - अंडरग्रेजुएट 2024 का परिणाम रविवार को घोषित कर दिया.

एनटीए ने सीयूईटी यूजी परीक्षा हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन और ऑफलाइन) में 15, 16, 17, 18, 21, 22, 24 व 29 मई को 26 अंतरराष्ट्रीय स्थानों सहित 379 शहरों के कई परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की थी. सीयूईटी यूजी की पुनः परीक्षा 19 जुलाई को हुई थी. परीक्षा के लिए लगभग 13.48 लाख उम्मीदवार शामिल हुए. सीयूईटी अनंतिम उत्तर कुंजी 7 जुलाई को जारी हुई थी, और उम्मीदवार 9 जुलाई तक आपत्तियां उठा सकते थे.

खराब शहरी नियोजन की कीमत चुका रहे लोग: राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव में मृत तीन बच्चों की मौत पर शोक जताया. राहुल ने कहा कि लोग असुरक्षित निर्माण, खराब शहरी नियोजन और संस्थानों की गैर जिम्मेदारी की कीमत चुका रहे हैं.

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली में इमारत के बेसमेंट में जलभराव के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का झटका लगने से एक छात्र की मौत हो गई थी. उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई. साथ ही कहा कि बुनियादी ढांचे का यह पतन सिस्टम की विफलता है. लोग असुरक्षित निर्माण, खराब टाउन प्लानिंग और हर स्तर पर संस्थानों की गैरजिम्मेदारी की कीमत अपनी जान गंवा कर चुका रहे हैं. राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षित और आरामदायक जीवन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है. सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनको सुरक्षित जीवन जीने का माहौल दे.

चिंताजनक नए अध्ययन में हुआ खुलासा, गिद्धों का इंसानों से कैसे है सीधा कनेक्शन

गिद्धों की संख्या में होती कमी से बढ़ी इंसानी मौत

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक नई स्टडी में पता चला है कि भारत में गिद्धों की संख्या में आई तेज गिरावट का संबंध इंसानों की मौतों में हुई बढ़ोतरी से है. 2000 से 2005 के आंकड़ों के आधार पर अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन जर्नल में ये स्टडी सामने आई है. इसमें बताया गया है कि जिन जिलों में गिद्धों की संख्या घटी है, वहां इंसानों की मौत के मामलों में कम से कम 4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. स्टडी में इस बढ़ोतरी के पीछे आवारा कुत्तों और चूहों से रेबीज के बढ़ते मामलों को वजह बताया गया है, जो मरे हुए जानवरों को खाते हैं. इसके अलावा, वॉटर पॉल्यूशन और सतह पर बहने वाले दूषित पानी को भी इसकी वजह माना गया है.

गिद्धों का मानव मौत से क्या कनेक्शन

अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन (एईए) जर्नल में छपी इस स्टडी के मुताबिक, 2000 से 2005 के बीच जिन जिलों में गिद्धों की संख्या घटी है, वहां इंसानों की मौत के मामलों में कम से कम 4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कुछ जानवर मरे हुए जानवरों को खाते हैं. लेकिन गिद्धों के लिए यही खाने का एकमात्र स्रोत होता है. इसलिए, गिद्धों को बहुत ही कुशल सफाईकर्मी माना जाता है. कुत्तों और चूहों जैसी प्रजातियों के विपरीत, गिद्ध मांस को पीछे नहीं छोड़ते हैं और उनसे बीमारियों के फैलने का खतरा कम होता है.

स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन की स्टडी में बताया गया है कि कैसे गिद्धों के न रहने पर सड़ता हुआ मांस और उसकी गंध कुत्तों को आकर्षित करती है. कुत्ते और चूहे जब मांस को खाते हैं, तो पूरा साफ नहीं करते, जिससे बीमारियां फैलती हैं. ये जानवर कम कुशल सफाईकर्मी होते हैं, जिससे शव बीमारियों का अड्डा बन जाते हैं. चूहों और कुत्तों की आबादी में वृद्धि से रेबीज के मामले बढ़ते हैं. एंथ्रेक्स जैसी बीमारियां दूसरे जानवरों और इंसानों में तेजी से फैलती हैं.

तेजी से लुप्त हो रहे गिद्ध, क्यों है टेंशन की बात

दिल्ली का गाजीपुर लैंडफिल साइट उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां अब भी गिद्ध देखे जा सकते हैं. 1990 के दशक तक भारत में अक्सर दिखने वाले ये पक्षी अब तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं. पांच करोड़ की आबादी वाला ये पक्षी अब देश में सबसे ज्यादा खतरे में हैं. गिद्धों की घटती संख्या गंभीर चिंता का विषय है और उनकी आबादी को फिर से बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं. इस बीच, एक नई स्टडी से पहली बार खुलासा हुआ कि कैसे इस प्रजाति की संख्या में तेज गिरावट का संबंध इंसानों की मौतों में बढ़ोतरी से है.

इसलिए बढ़ रही इंसानों की मौत: वहीं बात करें गिद्ध की तो वो हमेशा मांस को पूरा खत्म करते हैं. पीछे कुछ भी नहीं छोड़ते. ऐसे में उनसे बीमारियों के फैलने का खतरा कम हो जाता है. स्टडी के मुताबिक, शवों को नदियों में फेंकने से इसका भी पानी प्रदूषित होता है. खास तौर पर सतह पर बहने वाला दूषित पानी भी बीमारियों को बढ़ाते हैं. अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन की स्टडी के अनुसार, इन सभी कारणों से इंसानों की मौतों में बढ़ोतरी हुई है.

झारखंड के नए राज्यपाल ने मोदी का जताया आभार

मुझे जो नई जिम्मेदारी मिली है, उस पर खरा उतरूंगा

एजेंसी। बरेली (यूपी)

झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने पीएम मोदी का आभार जताया और कहा कि पीएम ने उन्हें जो नयी जिम्मेदारी दी है, वह उस पर खरा उतरेंगे. वह आठ बार सांसद रह चुके हैं. उनको राज्यपाल नियुक्त किए जाने की घोषणा होते ही बीती रात में उनके आवास पर कार्यकर्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया और मिठाई खिला कर खुशी जाहिर की.

गंगवार ने कहा, जो जिम्मेदारी मिली है, उस पर खरा उतरूंगा. नई भूमिका मिलने से अभिभूत गंगवार ने कहा, पार्टी ने हमेशा बिना मांगे मुझे सब कुछ दिया. -शेष पेज 7 पर

झारखंड हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा

रांची। निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र का राज्यपाल बनने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी का आभार जताया है.

राधाकृष्णन महाराष्ट्र में रमेश बैस का स्थान लेंगे. राधाकृष्णन के पास तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार भी था. राज्यपाल राधाकृष्णन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे बहुत गर्व है और मेरे लिए यह सम्मान की बात है कि मुझे तीन राज्यों-झारखंड, तेलंगाना और पुडुचेरी की सेवा करने का अद्भुत अवसर मिला. ये राज्य हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगे. मैं इन तीन राज्यों को शुभकामनाएं देता हूं. उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल के तौर पर नयी जिम्मेदारी सौंपने के लिए गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार व्यक्त किया.

मुख्यमंत्री ने दी नए राज्यपाल को बधाई

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को बधाई दी है. सोरेन ने एक्स पर कहा, झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार जी को बधाई, शुभकामनाएं और जोहार. झारखंड की महान और वीर भूमि पर आपका स्वागत है. सोरन ने महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के लिए राधाकृष्णन को भी बधाई दी है.

तेजी से बदल रही है संतालपरगना की डेमोग्राफी : आशा लकड़ा

आदिवासी युवतियों से शादी कर हड़प रहे जमीन

प्रमुख संवाददाता। रांची

रांची की पूर्व मेयर, सह राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने कहा है कि संताल परगना प्रमंडल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है. बांग्लादेशी मुसलमान वहां की आदिवासी युवतियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प रहे हैं. स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि बांग्लादेशी मुसलमानों के करण वहां के आदिवासी समुदाय उनके खिलाफ कुछ भी नहीं बोल पा रहे हैं. ना ही उनके खिलाफ थाना में एसटी केस दर्ज करा पा रहे हैं. आशा लकड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई उदाहरणों को भी सामने रखा. कहा कि इन उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा कि बांग्लादेशी मुसलमान कैसे संथाल परगना की भोली-भाली आदिवासी युवतियों से शादी कर डेमोग्राफी को चेंज कर रहे हैं.

संतालपरगना ऐसे हो रही डेमोग्राफी चेंज : लकड़ा

- साहिबगंज के बरहेट प्रखंड स्थित कदमा पंचायत के संथाली उत्तर की मुखिया सोनाली हांसदा है, उनके पति मोहम्मद आजाद है.
- कदमा पंचायत की मुखिया एंजेलना हांसदा हैं और उनके पति का नाम जैनुल शेख है.
- गोपालडीह पंचायत की मुखिया सुनीता टुडू हैं और उनके पति का नाम समनु शेख है.
- उदवा प्रखंड स्थित दक्षिण बेगमगंज पंचायत की मुखिया ललिता टुडू हैं और उनके पति का नाम उस्मान शेख है.
- राजमहल प्रखंड स्थित लखीपुर पंचायत की मुखिया सुहागिनी सोरेन हैं और उनके पति का नाम सनाउल शेख है.
- बरहरवा प्रखंड स्थित सालगाड़ी पंचायत की मुखिया मार्था मालतो हैं और उनके पति का नाम मोहम्मद रहमान विश्वास है.
- मधुवापाड़ा पंचायत की मुखिया मरंगबिरि हांसदा हैं और उनके पति का नाम समीरुल इस्लाम है.
- म्यूरकोला पंचायत की मुखिया सोना किस्कू हैं और उनके पति का नाम वकील अंसारी है.
- बरहेट प्रखंड स्थित फुलभंग की पंचायत सदस्य सुनीता हांसदा हैं और उनके पति भी मुसलमान हैं.
- साहिबगंज की जिला अध्यक्ष मोनिका किस्कू हैं व उनके दिवंगत पति का नाम एजाज शेख था.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा पर किया पलटवार

झारखंड के टुकड़े-टुकड़े करना चाहती है भाजपा

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड के टुकड़े-टुकड़े करना चाहती है भाजपा, झारखंडियों के भावनाओं से खेल रही है. भाजपा हमेशा झारखंडवासियों में अलगाववाद पैदा करने की कोशिश करती है. यह बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कही. उन्होंने सांसद निशिकांत दुबे द्वारा संसद में संथालपरगना, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ भागों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा का असली चरित्र धीरे-धीरे उजागर हो रहा है. झारखंड में आदिवासी समुदाय का भाजपा से दूर होना उन्हें पच नहीं रहा है.

विरंची जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं : उन्होंने विधानसभा में भाजपा के सचेतक विरंची नारायण द्वारा केंद्र शासित प्रदेश का समर्थन करने पर कहां की भाजपा नेताओं की पुरानी आदत है कि वह जिस थाली में खाते हैं, उसी थाली में छेद करते हैं. अपने केंद्रीय आकाओं को खुश करने के लिए बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में झारखंड का विभाजन करने को तैयार बैठे हैं.

भाजपा की कई महिला नेत्रियों ने ही गैर आदिवासियों से विवाह किया है : हेमलाल

रांची/बरहेट। झामुमो प्रवक्ता व पूर्व सांसद हेमलाल मुर्मू ने भी घुसपैठ मामले पर भाजपा को घेरा है. उन्होंने ने कहा कि भाजपा में कई ऐसी महिला नेत्री हैं जिन्होंने गैर आदिवासियों से विवाह किया. एक नेत्री तो बाबूलाल मरांडी के बगल में बैठा करती हैं. क्या भाजपा इसकी सूची जारी कर सकती है. भाजपा विस चुनाव निकट देखकर बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठा रही है. यह बातें मुर्मू ने बरहेट में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. मुर्मू ने कहा कि झारखंड में लोकसभा चुनाव में पांचों आरक्षित आदिवासी सीटें हारने के बाद भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों नाम पर राजनीतिक कर रही है. गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ पार्लियामेंट में आवाज उठाई. भाजपा इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रही है. झारखंड लोकसभा चुनाव में आदिवासी व मुसलमानों ने मिलकर बीजेपी को हराया है. अब भाजपा को बांग्लादेशी घुसपैठियों का याद आ रही है,

ब्रीफ खबरें

राज्य सरकार ने सिर्फ धोखा दिया : सुदेश

रांची/चंदनकियारी। आजसू पार्टी की चंदनकियारी विधानसभा स्तरीय चूल्हा का सम्मेलन चंडीपुर फुटबॉल मैदान में आयोजित किया गया. सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा जनता ने सरकार को अपना बहुमूल्य मत देकर जनसेवा का मौका दिया था. लेकिन सरकार ने जनता से वादाखिलाफी कर उन्हें धोखा दिया है. पिछले चुनाव में बड़े बड़े वादों की पोटली लेकर जनता के समक्ष जाने वाली सरकार पांच सालों में एक भी वादे को धरातल पर नहीं उतर पाई. झामुमो के लिए विकास का अर्थ परिवार का विकास है. आजसू पार्टी का समाज के सभी वर्गों का विकास हमारी प्राथमिकता है.

जमशेदपुर-सरायकेला जेल आधुनिक बनेगा

रांची। जमशेपुर और सरायकेला जेल के आधुनिकीकरण का कार्य होगा. इसको लेकर विकार एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 2.36 करोड़ की राशि स्वीकृति की है. राशि की निकासी और खर्च का जिम्मा जेल आईजी की होगी. इसके अलावा राशि की निकासी संबंधित जिले के जिला कोषागार से की जायेगी और राशि की निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के खाते में ट्रांसफर किया जायेगी. जमशेदपुर जेल में होमगार्ड बैरक, जैप बैरक, एक्स आर्मी बैरक, बाउंड्री वॉल, प्रोवेशन ऑफिस की मरम्मत का कार्य 2.16 करोड़ की लागत से होगा. जबकि सरायकेला जेल में 20.38 लाख से डॉक्टर का वार्ड और लाइब्रेरी की मरम्मत होगी.

सचिवालय स्वयंसेवक संघ का घेराव आज

रांची। पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ का जो कैबिनेट से घोषणा 12 मार्च को की गई, उसे लागू करवाने के लिए 29 जुलाई से 2 अगस्त तक विधानसभा का घेराव किया जाएगा. प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया सोमवार को सभी लोग पुराना विधानसभा के मैदान में जुटेंगे और वहां से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा घेराव करने के लिए दोपहर एक बजे निकलेंगे. पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ, झारखंड प्रदेश की ओर से पिछले बार 253 दिन आंदोलन करने के बाद 12 मार्च को कैबिनेट से घोषणा की गई थी पर अभी तक उसे जमीनी स्तर पर लागू नहीं किया गया है. पंचायती राज विभाग के द्वारा एक लेटर निकाल कर 9 जुलाई को रोक भी दिया गया. इसके कारण स्वयंसेवकों में काफी आक्रोश है.

विस चुनाव में सीट शेयरिंग नहीं होगा आसान, मासस तीन सीटों पर करेगी दावेदारी

मासस का माले में विलय होने से बढ़ेगा इंडिया गठबंधन का टेंशन

कौशल आनंद। रांची

मार्क्सवादी समन्वय समिति का भाकपा माले में विलय अब महज औपरचारिकता ही रह गयी है. बहुत जल्द एक तिथि निर्धारित करके मासस का माले में आधिकारिक तौर पर विलय हो जायेगा. लेकिन इस विलय के बाद इंडिया गठबंधन का टेंशन बढ़ेगा, यह तय है. क्योंकि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर माले इंडिया गठबंधन का प्री-पोल एलायंस पार्टनर है. ऐसे में माले की ओर से अपने हिस्से के तीन और मासस के हिस्से के तीन यानी कुल छह सीटों पर दावेदारी होगी. अगर ऐसा हुआ तो इंडिया गठबंधन के लिए सीट शेयरिंग की राह बहुत मुश्किल हो सकती है. अब इंडिया गठबंधन सीट शेयरिंग कैसे करेगा, यह देखना काफी दिलचस्प होगा.

माले इन छह सीटों पर करेगा दावेदारी : माले अपनी तरफ से बगोदर, राजधनवार और जमुआ सीट, वहीं मासस की ओर से निरसा, सिंदरी और चंदनक्यारी सीट पर दावेदारी करेगा. यानी माले कुल छह सीट पर दावेदारी करेगा. माले को छह सीट देना गठबंधन के लिए इतना आसान नहीं होगा.

झामुमो, कांग्रेस और राजद की इतनी सीट पर दावेदारी : पिछली बार झामुमो 43 सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था, मगर इस बार पार्टी का दावा 50 सीट पर है. वहीं कांग्रेस पिछली बार 31 सीट पर चुनाव लड़ी थी. इस बार इसका दावा 33 सीट पर है.

अरूप चटर्जी

खास बातें

- मासस और माले मिलकर छह सीटों पर करेंगे दावेदारी
- सीट शेयरिंग में गठबंधन के छूटेंगे पसीने, मंथन जारी

2019 में झामुमो, कांग्रेस, राजद ने इन सीटों पर लड़ा था चुनाव

झामुमो : गुमला, सिसई, घाटशिला, गांडेय, बरहेट, दुमका, चाईबासा, चक्रधरपुर, मनोहरपुर, गिरिडीह, बोरिया, महेशपुर, टुन्डी, शिकारीपाड़ा, सरायकेला, सिल्ली, जामा, डुमरी, बहरागोड़ा, लिट्टीपाड़ा, बिशुनपुर, लातेहार, गढ़वा.

कांग्रेस : बरही, धनबाद, पाकुड़, बेरमो, जमशेदपुर दोनों, रामगढ़, मनिका, बोकारो, डाल्टनगंज, खिजरी, कांके, पांकी, विश्रामपुर, लोहरदगा.

राजद : देवघर, चतरा, छतरपुर, गोड्डा, हुसैनाबाद, कोडरमा, और बरकट्ठा

मासस पुरानी तीन सीटों पर करेगी दावेदारी : अरूप

मासस राज्य प्रमुख और निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि माले में विलय की सहमति बन चुकी है. मगर अभी आधिकारिक रूप से विलय की तिथि तय नहीं हुई है. बहुत जल्द सब कुछ तय करके विलय की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी. सीट दावेदारी को लेकर उन्होंने कहा कि मासस अपनी पुरानी तीन सीट सिंदरी, निरसा और चंनक्यारी की मांग करेगी. वहीं माले की ओर से भी तीन सीट की दावेदारी होगी. इस तरह कुल मिलाकर छह सीट की दावेदारी गठबंधन से होगी.

सरकार के कामकाज का प्रचार-प्रसार करें : विनोद

विशेष संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झामुमो का जिला और प्रमंडलवार बैठक जारी रहा. रविवार को रांची एवं गढ़वा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन के सभागार में हुई. बैठक में वर्तमान राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया. पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आए कार्यकर्ताओं के मन में राज्य की लोककल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उठ रहे जिज्ञासाओं को शांत किया तथा संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही.बैठक में रांची व गढ़वा जिला के जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष व सचिव, नगर, महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी तथा पंचायत समिति के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए.।

आज धनबाद और बोकारो जिला की बैठक : 29 जुलाई को रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में बोकारो एवं धनबाद जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक होगी.

माओवादी शहीदी सप्ताह को लेकर तैयारी

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सुरक्षा बल किए गए तैनात

संवाददाता। रांची

डीजीपी के निर्देश पर सुरक्षाबलों द्वारा भाकपा माओवादी नक्सली संगठनों पर चौतरफा कार्रवाई जारी है. संयुक्त सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव के कारण अब नक्सली संगठन राज्य के कुछ भागों में सिमट कर रह गये हैं. भाकपा माओवादी नक्सली संगठनों द्वारा कामरेड चारु मजूमदार और कन्हाई चटर्जी के शहादत दिवस के अवसर पर 28 जुलाई से तीन अगस्त तक शहीदी सप्ताह मना रहे हैं. इसे लेकर नक्सलियों द्वारा पोस्टर और पंपलेट के माध्यम दहशत फैलाने का प्रयास किया गया है. इस दौरान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है. ताकि नक्सलियों द्वारा सरकारी संपत्ति, सड़क और रेल की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास को विफल किया जा सके.

नक्सली अब सिमट कर कुछ इलाकों में ही हैं

नक्सली अब सिमट कर कुछ इलाकों में रह गये हैं, जिसमें चाईबासा के सारंडा, कोल्हान, सरायकेला, लातेहार, चतरा-गया बॉर्डर और पारसनाथ शामिल हैं. इन इलाकों में संयुक्त सुरक्षा बलों द्वारा लगातार अभियान चलाये जा रहे हैं. नक्सलियों द्वारा विशेष कर रेल मार्ग और सड़कों पर जहां छोटी-मोटी घटनाएं घटित कर अपना अस्तित्व बचाने का प्रयास किया जा रहा है. इसी क्रम में चाईबासा के कोल्हान सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए आईईडी, नक्सली पोस्टर बरामद किये गये हैं.

क्लासिफाइड

अनुकंपा समिति ने 56 मामलों की समीक्षा की

52 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को मिली नौकरी

संवाददाता। रांची

52 मृतक पुलिसकर्मियों के आश्रितों को नौकरी मिली. गौरतलब है कि बीते दिनों झारखंड पुलिस मुख्यालय की अनुकंपा समिति ने 56 मृतक पुलिसकर्मियों आश्रितों को नौकरी देने के मामलों का समीक्षा की थी. इनमें 52 आवेदनों पर नियुक्ति की मंजूरी दे दी गई. वैसे पुलिसकर्मी के आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी मिलती है, जिनकी मृत्यु नौकरी के दौरान हो जाती है. तो उनके आश्रित के आवेदन पर अनुकंपा समिति विचार कर निर्णय लेती है. अनुकंपा समिति द्वारा स्वीकृत आवेदनों में बाल सिपाही के 19, जबकि अन्य में आरक्षी और महिला आरक्षी की नियुक्ति की अनुशंसा की गई है. सभी को नियुक्ति पत्र निर्गत कर दिया गया है.

इन 56 मृतक पुलिसकर्मियों के आश्रितों को नौकरी देने की हुई की थी समीक्षा : डीएसपी राम अवध सिंह, अजीत कुमार, राहुल मिश्रा, इंद्रदेव राम, सोमनाथ मुर्मू, प्रदीप तिर्की, अजय उरांव, मनोधन हांसदा, विजय भगत, प्रमोद कुमार सिंह, मो. शाहनवाज, हिंदू हेंब्रम, आरिफ अंसारी, अजय खलखो, शिवशंकर कुमार सिंह, शशि भूषण पासवान, बिरजू केवट, जय विजय शर्मा, संजय कुमार उपाध्याय, विकास कुमार, बंधु उरांव, जीवेश कुमार, सुकराम टुडू, जगई मांझी, पुरोषतम सरदार, अमित कुमार, जितेंद्र लोहरा, अलविस लुगुन, राधागोविंद उरांव, अमित कुमार सिंह, उमराव राय, जनार्दन प्रसाद, दारोगी सिंह, सोना राम गोप, मंटू कुमार, राम अयोध्या प्रसाद, अहिल्या देवी, कृष्णा तामसोय, सलीम होरो, अनिल कुमार पांडेय, सुरेंद्र भगत, बाबूलाल किस्कू, लालबहादुर सिंह, बाबूजन मरांडी, गोविंद महतो, धूवा सुंडी, राम सागर मुरारी, अमीन कुमार बेसरा, दिलीप कुमार झा, जसमन कुजूर, योगेंद्र प्रसाद, जगमोहन मिस्त्री, सुनील कुमार, अनूप लकड़ा और मो. उस्मान अंसारी.

चिंतनीय

झारखंड में नक्सली-उग्रवादी वारदातों में नहीं हो रही कमी

199 दिनों में 35 वाहन जलाए, दो की हत्या

सौरभ सिंह। रांची

लेवी नहीं तो विकास नहीं, झारखंड में नक्सलियों का यह कथन समय-समय पर चरितार्थ होता रहा है. बीते 199 दिनों में (आठ जनवरी से 27 जुलाई) नक्सलियों और अपराधियों ने 35 वाहनों को आग के हवाले कर दिया. अपराधियों और नक्सलियों ने लेवी के लिए विकास कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की है. इतना ही नहीं उनलोगों ने दो लोगों की हत्या भी की है. गौरतलब है कि लेवी नहीं मिलने पर अपराधी और नक्सली संगठन हत्या और आगजनी की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं. हर बार पुलिस घटना का अनुसंधान करने और विकास योजना को पूरा कराने के लिए ठेकेदारों को भरोसा दिलाती है. निर्माण स्थल पर पुलिस भी कभी-कभी कैंप करती है. लेकिन मौका पाकर नक्सली और अपराधी घटना को अंजाम देते हैं.

जानें कब-कब घटना को दिया गया अंजाम

- **27 जुलाई 2024 :** हजारीबाग में तिवारी गिरोह के अपराधियों ने कोल परियोजना कार्य में लगी कंपनी के हाइवा और ग्रेडर मशीन में आगजनी की थी.
- **27 जुलाई 2024 :** लातेहार में टीएसपीसी उग्रवादियों ने कोयला ढुलाई में लगे दो हाइवा में की आगजनी की थी.
- **18 जुलाई 2024 :** रांची के मैक्लुस्कीगंज में कंस्ट्रक्शन साइट पर उग्रवादियों ने हमला कर मुंशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी.
- **12 जून 2024 :** चतरा जिले में नक्सलियों ने सड़क निर्माण में लगी मिक्सर मशीन को जंगल में फूंक दिया था.
- **28 जून 2024 :** पलामू के हैदरनगर में भाकपा माओवादी के नक्सलियों ने तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया था.
- **29 मई 2024 :** रांची के मैकलुस्कीगंज-चामा रोड पर अपराधियों ने कंटेनर गाड़ी के साथ-साथ एक व्यक्ति को जिंदा जला दिया था.
- **25 मई 2024 :** हजारीबाग के बड़कागांव में अपराधियों ने पांच ट्रैक्टरों को आग के हवाले कर दिया था. इसके अलावा 15 मई को तीन और 18 मई को चार ट्रैक्टरों में आग लगा दी थी.
- **02 मार्च 2024 :** रांची के पिठोरिया में एक स्टोन माइंस प्लांट में नक्सलियों ने दो गाड़ियों में आग लगा दी थी.
- **08 जनवरी 2024 :** गुमला में नक्सलियों ने एक दर्जन वाहनों में आगजनी कर दिया था. पर्चा छोड़कर खनन व परिवहन का काम बंद करने का सुनाया फरमान था.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 29 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 111 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

फंदे से लटका मिला नौवीं की छात्रा का शव

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र के सलगा पंचायत के एक गांव में नौवीं कक्षा की छात्रा का शव उसके घर के एक कमरे से दुपट्टा के सहारे लटकता मिला. परिजनों की सूचना पर रविवार की सुबह पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया. मृतका की मां ने बताया कि मेरे पति मजदूरी करने के लिए पिछले महीने से ही दूसरे प्रदेश में गए हुए हैं. घर में पुत्री और दो पुत्र के साथ रहते हैं. दोनों पुत्र दूसरे कमरे में सोए हुए थे. सुबह बेटी ने दरवाजा नहीं खोला, तो खपरैल हटा कर देखा, तो बच्ची फंदे से लटक रही थी. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

पत्नी की हत्या कर शव को जंगल में फेंका

मेदिनीनगर। रामगढ़ थाना क्षेत्र के लुकमान जंगल में महिला का शव बरामद हुआ. हत्या का आरोप मृतका के पति देवनाथ कोरवा पर लग रहा है. उसने अपनी पुत्री को भी मारने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई. घायल बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद से आरोपी फरार है. ग्रामीणों के अनुसार देवनाथ कोरवा कुछ दिनों तक बेंगलुरु में मजदूरी करता था, जहां से उसने एक बच्ची को गोद लिया था. सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है. देवनाथ पंजाब में एक हत्याकांड का भी आरोपी है.

शराब नहीं मिलने पर गोलीबारी, तीन धराए

मेदिनीनगर। सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 75 स्थित कंचन ढाबा में शनिवार की देर शाम शराब नहीं मिलने पर उपद्रवियों ने गोलीबारी कर दी. इस घटना में कई लोग बाल-बाल बच गए. सूचना के बाद मौके पर पहुंची सतबरवा थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में गढ़वा जिला के मेराल थाना क्षेत्र अंतर्गत गोंदा गांव निवासी सुरेन्द्र विश्वकर्मा (50), गढ़वा निवासी जितेन्द्र कुमार पांडेय (44) व राहुल कुमार (38) शामिल है. पुलिस ने इनके पास से एक स्कॉर्पियो, एक एक्सयूवी वाहन, दो रायफल, नौ गोली, एक खोखा तथा चार मोबाइल जब्त किया है. तीनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

भाजपा अजजा मोर्चा ने पुतला दहन किया

लातेहार। पाकुड़ जिला में आदिवासी छात्रावास में घुस आदिवासी छात्रों का पिटाई की घटना की भाजपा अनुसूचित जाति जनजाति मोर्चा ने भर्त्सना की है. इस घटना के विरोध में रविवार को जिला मुख्यालय लातेहार में मोर्चा द्वारा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया. मौके पर मुख्य रूप से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश सिंह चेरो, पिंटू कुमार रजक, हरमोहन सिंह, शत्रुघ्न सिंह, आलोक कुमार अकेला, आकाश कुमार सावन समेत भाजपा के कई कार्यकर्ता शामिल थे.

झारखंड में चार साल में राजभवन ने वित्त विधेयक, आरक्षण और स्थानीयता संबंधी विधेयक लौटाया

चार साल में चार राज्यपाल, राजभवन व सरकार के बीच रही तकरार की स्थिति

रवि भारती। रांची

झारखंड ने पिछले चार साल में चार राज्यपाल देखे.. इन चार साल के दौरान राजभवन और सरकार के बीच तकरार भी देखने को मिलती रही. निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का कार्यकाल एक साल पांच महीने का रहा. उन्होंने 18 फरवरी 2023 को झारखंड के राज्यपाल का पदभार संभाला था. इन एक साल पांच महीनों के दौरान राजभवन और सरकार के बीच तकरार बनी रही. कभी सत्ता पक्ष ने राजभवन पर निशाना साधा, तो कभी राज्यपाल के बयानों ने चौंकाया.

सत्ता पक्ष ने राजभवन पर लगाये थे आरोप : सत्ता पक्ष ने राजभवन पर गंभीर आरोप लगाये थे. हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आरोप लगाया था कि इस पूरे मामले में राज्यपाल की भूमिका संदिग्ध है. हेमंत सोरेन ने बाद में विधानसभा में भी राज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा था कि उनकी गिरफ्तारी में राज्यपाल ने अहम भूमिका निभाई है.

पिछले चार साल में कितने राज्यपाल

द्रौपदी मुर्मू

▪ 18 मई 2015 से 13 जुलाई 2021 तक

रमेश बैस

▪ 14 जुलाई 2021 से 17 फरवरी 2023

राधाकृष्णन

▪ 18 फरवरी 2023 से 27 जुलाई 2024

संतोष गंगवार

▪ 28 जुलाई 2024 से अगले आदेश तक

राज्य के 12वें राज्यपाल होंगे संतोष गंगवार

बरेली के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार को झारखंड का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है. वहीं निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है. संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल होंगे. वे आठ बार बरेली के सांसद रह चुके हैं. केंद्र में मंत्री भी रह चुके हैं. इस बार लोकसभा चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया था. इसके बाद उनके समर्थकों ने विरोध जताया था, लेकिन संतोष गंगवार ने पार्टी के प्रति अपना समर्पण बरकरार रखा. संतोष गंगवार को उनकी वफादारी का इनाम राज्यपाल के पद के रूप में दिया गया है.

विधेयकों को वापस लौटाने पर सत्ता पक्ष ने जताई थी नाराजगी

राज्यपाल द्वारा तीन विधेयकों को लौटाने के बाद सत्ता पक्ष ने राजभवन के प्रति नाराजगी जाहिर की. राजभवन ने झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए अधिनियम, 2022, झारखंड वित्त विधेयक, 2022 और झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022 को भी वापस लौटा दिया था. वहीं पिछले दिनों राज्यपाल ने झारखंड विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2024, झारखंड विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2024, झारखंड जमाकर्ताओं के संरक्षण विधेयक, 2024, झारखंड माल एवं सेवा संशोधन विधेयक, 2024, झारखंड विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, 2024 तथा झारखंड लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम न्यायाधिकरण विधेयक, 2024 को स्वीकृति भी दी थी.

राज्यपाल ने भी कई मौकों पर जाहिर की नाराजगी

निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कई मौकों पर राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई. रांची विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि ईडी की पूछताछ के दौरान एक तय रणनीति के तहत गैर जरूरी भीड़ जमा हुई थी. इसलिए सीआरपीएफ को आना पड़ा. यह साफ तौर से सरकार और पार्टी की गलती है. ऐसी परंपराएं बंद होनी चाहिए. इसके पहले राज्यपाल ने कहा था कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है और ये पूरी तरह से चरमरा गई है. इसके बाद हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा भेजे गए समन पर राज्यपाल ने एक बड़ा बयान देकर चौंका दिया था. कहा था कि अगर सीएम आज जवाब नहीं दे रहे हैं, तो उन्हें कल जवाब देना होगा. एक सच्चे नागरिक के रूप में, हमें इसका पालन करना चाहिए. कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है.

पाकुड़ में पुलिस-छात्र हिंसक झड़प : राष्ट्रीय एसटी-एससी आयोग ने लिया संज्ञान

मुख्य सचिव व डीजीपी से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी

- शुक्रवार की देर रात पुलिस और छात्रों के बीच हुई थी झड़प
- पुलिस के बल प्रयोग में 11 आदिवासी छात्रों को लगी थी गंभीर चोट

संवाददाता। रांची

पाकुड़ में पुलिस और छात्रों के बीच हिंसक झड़प को लेकर राष्ट्रीय एसटी-एससी ने आयोग ने संज्ञान लिया है. इसे लेकर आयोग ने रविवार को झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी, पाकुड़ डीसी और एसपी को नोटिस भेजा है. नोटिस में कहा गया है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है कि झारखंड में पुलिस के साथ झड़प में 11 आदिवासी छात्र घायल हो गये. आयोग ने इसके तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में मामले की जांच करने का निर्णय लिया है.

आयोग ने राज्य एवं जिले के उच्च अधिकारियों से सहयोग की आशा करते हुए लिखा है कि उक्त आरोपों और मामले पर की गई कार्रवाई के तथ्य और जानकारी नोटिस प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर प्रस्तुत करें. यदि आयोग को निर्धारित समय के भीतर उत्तर नहीं मिलता है, तो भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 ए के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है. साथ ही आपकी व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए समन जारी किया जा सकता है.

क्या है मामला

विगत 27 जुलाई को आदिवासी छात्र संगठनों ने आक्रोश रैली निकालने का ऐलान किया था. उनका कहना था कि महेशपुर थाना क्षेत्र के गायबथान में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आदिवासियों की जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया है. इसका विरोध करने पर आदिवासी परिवारों के साथ मारपीट भी की गई. इसके विरोध में आदिवासी छात्र संगठन आक्रोश रैली निकालने वाले थे. लेकिन, देर रात बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान केकेएम कॉलेज के आदिवासी छात्रावास पहुंच गए. इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई.

छात्रों ने पुलिस पर लगाया दबाव बनाने का आरोप : छात्रों का आरोप है कि पुलिस आक्रोश रैली रोकने के लिए दबाव बना रही थी. मना करने पर उनके साथ मारपीट की गई. इसमें करीब 12 छात्र घायल हो गए. वहीं पुलिस का कहना है कि पहले कुछ छात्रों ने पुलिस के साथ मारपीट शुरू की, जिसमें एक सब इंस्पेक्टर, ड्राइवर और एक कांस्टेबल घायल हो गए. इसके बाद कॉलेज में अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया. इस दौरान आक्रोशित छात्रों को रोकने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा.

दोषी पुलिस कर्मियों पर अविलंब कार्रवाई हो, नहीं तो झारखंड बंद

केंद्रीय सरना समिति ने सरकार को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया

अपनी बातों को रखते अजय तिर्की, प्रकाश टोप्पो व गायना कच्छप.

रांची। झारखंड के पाकुड़ जिले में आदिवासी छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज का मामला तूल पकड़ रहा है. आदिवासी संगठनों ने केकेएम छात्रावास में पुलिस की की कार्रवाई को बर्बर बताते हुए घटना की कड़ी निंदा की है. इस मामले को लेकर रविवार को केंद्रीय सरना समिति की ओर से राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित चिड्रेन पार्क में प्रेस वार्ता की गयी.

अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार, पाकुड़ की घटना पर अविलंब संज्ञान ले ओर निर्दोष आदिवासी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की उच्च स्तरीय जांच करायी जाए. सरकार तीन दिन के भीतर दोषी पुलिस कर्मियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करें, अन्यथा झारखंड बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा. इसके लिए सरकार और पुलिस प्रशासन पूरी तरह जवाबदेह होंगे.

आदिवासी पर अत्याचार बढ़ रहा : गायना कच्छप

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के गायना कच्छप ने कहा कि आदिवासी पर अत्याचार बढ़ रहा है. इसे रोकने का प्रयास करना होगा. इसके लिए आदिवासी समुदाय को एकजुट होना होगा. सभी को मिलकर लड़ाई लड़नी होगा, तभी हम सुरक्षित रह पाएंगे.

षड्यंत्र के तहत घटना को अंजाम दिया : अजय

तिर्की ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए. कहा, इस घटना को षड्यंत्र के तहत अंजाम दिया गया है. यह राज्य सरकार को बदनाम करने का एक प्रयास भी है. पुलिस को छात्रावास के भीतर घुसने के लिए वार्डन से अनुमति लेनी चाहिए थी. लेकिन, पुलिस ने ऐसा नहीं किया. सीधे सोये हुए छात्रों के कमरा में घुस गये ओर उन पर लाठियां बरसाने लगे. इससे छात्रों का सिर, पैर, हाथ में गंभीर चोट लगी है.

घटना की सीबीआई जांच कराए सरकार : प्रकाश

आदिवासी अधिकार मंच के संयोजक प्रकाश टोप्पो ने कहा कि राज्य सरकार, घटना की सीबीआई जांच कराए, ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी सीएम है. इसके बाद भी आदिवासियों के साथ लगातार मारपीट और अत्याचार की घटनाएं रुक नहीं रही हैं. यह विंडबना ही है कि झारखंड में भी अब आदिवासी समुदाय सुरक्षित नहीं हैं.

निशिकांत दुबे के बयान पर झामुमो बिफरा

झारखंड का विभाजन करना चाहती है भाजपा : सुप्रियो

अपनी बातों को रखते झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य.

- मुद्दाविहीन भाजपा, बिहार झारखंड और बंगाल को विभाजन की ओर बढ़ा रही
- सांसद ने संसद में झारखंड और झारखंडियों के पहचान समाप्त करने का ऐलान किया

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा संसद में दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देश और समाज में विभाजनकारी राजनीति की नयी बुनियाद भाजपा ने रखी. उसका प्रतिफल बहुत विकट होने वाला है. भाजपा ने जब विधानसभा के लिए अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की, तो प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और दूसरे सह प्रभारी असम के सीएम हिमंत बिश्व सरमा बनाए गए.

सुप्रियो रविवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जिस दिन से हिमंत बिश्व सरमा का यहां प्रवेश हुआ, उस दिन से समाज में धर्म और जाति के नाम पर एक जहर घोला जा रहा है. उस जहर का असर यह है कि पिछले दिनों गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के संसद में दिये एक बयान में दिखा. निशिकांत ने कहा कि झारखंड का संथाल परगना प्रमंडल, बिहार का कोशी प्रमंडल और बंगाल के मालदा और मुर्शीबाद जिले को अलग करके यूनियन टेरेटरी बनाया जाए. ये अचानक से दिया गया बयान नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत न केवल झारखंड को, बल्कि बिहार और पश्चिम बंगाल को विखंडित करने के लिए भाजपा की एक दूरगामी सोच है.

झारखंड की शहादत और पहचान को मिटाना चाहती है भाजपा : भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा के लोग चाहते हैं कि संथालपरगना को झारखंड से अलग करके सिदो-कान्हू के नाम को मिटा दें. तेलंगा-खड़िया का नाम मिटाने के लिए कोल्हान को उड़ीसा के साथ मिलवा दें. निलांबर-पीतांबर, शेख विभारी, जतरा भगत, बुधु भगत का नाम मिटाने के लिए दक्षिणी छोटानागपुर को छतीसगढ़ में मिला दिया जाए. मालभूम, सिंहभूम, ढालभूम को पश्चिम पश्चिम बंगाल में मिला दिया जाए. हजारों की शहादत, कुर्बानी और त्याग के बाद हमे जो झारखंड मिला, जो पहचान मिली, उसे मिटा दिया जाए.

असम के सीएम ने खुद स्वीकारा घुसपैठ उनके राज्य से : झामुमो महासचिव ने यह भी कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि घुसपैठ असम और बंगाल से होता है. यदि आपके यहां हो रहा है, तो केंद्र सरकार से आपके क्या रिश्ते हैं?

झारखंड का कोई भी हिस्सा अंतरराष्ट्रीय सीमा को शेयर नहीं करता है

सुप्रियो ने कहा कि मुद्दाविहीन भाजपा जम्मू-कश्मीर की तरह अब एक और राज्य के विभाजन की तैयारी में है. एक राष्ट्रीय चैनल को निशिकांत दुबे टैब पर दिखा रहे थे कि कौन-कौन जिले हैं. अरे महामानव जी, वो गंगा जो बंग्लादेश में जाकर पद्मा बन जाती है, उसपर बीएसफ, एसएसबी, कोष्ट गार्ड का पहरा है. वह पूरी तरह से प्रोजेक्टेट वाटर लैंड है और उसका जिम्मा भारत के गृह मंत्रालय का है. उन्हें इतना भी नहीं पता कि झारखंड कोई भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा शेयर नहीं करता है.

झारखंड विधानसभा में राज्य विभाजन और सरना धर्म कोड पर चर्चा हो

सुप्रियो ने कहा कि झारखंड विधानसभा में इस बात को लेकर चर्चा होनी चाहिए कि भाजपा के लोग बताएं कि वे झारखंड का विभाजन चाहते हैं या नहीं. भाजपा यह बताए कि वे इस राज्य में सरना धर्म कोड को लागू करना चाहते है या नहीं. असम के सीएम बताएं कि असम के चाय बगानों में वर्षों से काम करने वाले यहां के मूलवासी, आदिवासी को एसटी का दर्जा देंगे या नहीं.

सीसीएल ने खान सुरक्षा में जीते दो पुरस्कार

रांची। सीसीएल ने रविवार को कोलकाता में आयोजित खान सुरक्षा पुरस्कार 2024 समारोह में दो पुरस्कार जीते. खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सयाल डी ओपनकास्ट खदान को लघु ओपनकास्ट खदान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला. वहीं अशोक ओपनकास्ट खदान को मध्यम ओपनकास्ट खदान श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि खान सुरक्षा महानिदेशक प्रभात कुमार उपस्थित थे. कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पीएम प्रसाद ने समारोह की अध्यक्षता की.

झारखंड तैराकी प्रतियोगिता में टाटा स्टील चैंपियन

रांची। 14वीं जूनियर सब जूनियर तैराकी प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गयी. रांची के खेलगांव में आयोजित प्रतियोगिता में 489 अंक के साथ टाटा स्टील ओवरऑल चैंपियन बना. प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड तैराकी संघ की अध्यक्ष बरखा सिन्हा, विशिष्ट अतिथि भूटानी ग्रुप के निर्मल कुमार जैन, जेएसएसपीएस के खेल प्रशासक मुकुल टोप्पो समेत खेल संघ के अधिकारी, सदस्य एवं कई खेल प्रशंसक मौजूद थे.

सेना भर्ती कैंप | खेलगांव में चल रही अग्निवीर कैंडेट्स के चयन की प्रक्रिया

दूसरे दिन 645 उम्मीदवारों ने दिखाया दम

संवाददाता। रांची

खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है. रविवार को राज्य के 645 अग्निवीर कैंडेट्स (आठवीं व दसवीं पास) शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए. तड़के साढ़े तीन बजे युवा उम्मीदवारों की दौड़ शुरू. भर्ती कैंप स्थल पर अभ्यर्थियों का वेरिफिकेशन बारकोड व बायोमेट्रिक प्रणाली की मदद से किया गया. अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ज को स्कैन करने के बाद उन्हें बैचिंग एरिया में बैच संख्या आवंटित की गयी. रन वेटिंग एरिया में जाने के बाद, बैच की क्रम संख्या के अनुसार,

खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की भर्ती रैली में दौड़ लगाते अभ्यर्थी.

अभ्यर्थियों ने 1.6 किलो मीटर दौड़ में हिस्सा लिया. इस पड़ाव को सफलतापूर्वक पार करने के बाद सफल अभ्यर्थियों का वेरिफिकेशन कर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत संपूर्ण डेटा कंप्यूटर में दर्ज किया गया.

चिकित्सीय जांच के लिए उम्मीदवारों को हिदायतें : सफल और योग्य उम्मीवारों के लिए शाम में मेडिकल जांच लिए मेडिकल स्लिप जारी की गयी. निर्धारित समय पर सफल अभ्यर्थियों की सैन्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा मेडिकल जांच की जाएगी. सभी उम्मीदवारों को मेडिकल जांच मानदंड के अनुसार तैयार होकर आने को कहा गया है.

अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सीय सुविधा की व्यवस्था : जिला प्रशासन के सहयोग से सेना भर्ती कार्यालय द्वारा भर्ती कैंप स्थल पर अभ्यर्थियों की हर सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है. अभ्यर्थियों के लिए पानी की सुविधा का खास तौर पर ध्यान रखा गया है. इसके साथ ही साथ उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था है.

आदिवासी छात्र संघ ने सीएम का पुतला फूंका

रांची। आदिवासी छात्र संघ के बैनर तले सैकड़ों विद्यार्थियों ने जेल चौक पर रविवार को सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंका. छात्रों ने कहा कि मणिपुर में दो समुदायों के बीच हिंसा, उपद्रव की आग बुझी नहीं थी कि अब झारखंड के पाकुड़ जिले में आदिवासी छात्रों पर लाठीचार्ज का मामला उजागर हो गया. इससे पहले विभिन्न छात्रावास के विद्यार्थियों ने करमटोली छात्रावास से पैदल मार्च करते हुए जेल चौक पहुंचे, जहां रैली सभा में तब्दील हो गई. केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि केकेएम आदिवासी छात्रावास, पाकुड़ में सो रहे छात्रों के ऊपर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है. दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो राज्य में उग्र आंदोलन किया जाएगा.

चाईबासा के पंचपहिया में नक्सलियों ने की पोस्टरबाजी

ग्रामीणों से की शहीदी सप्ताह मनाने की अपील

खास बातें

- नक्सलियों ने जनजातीय भाषाओं में कई नारे लिखे
- सभी पोस्टरों को जब्त कर जांच में जुट गयी है पुलिस

संवाददाता। रांची/चाईबासा

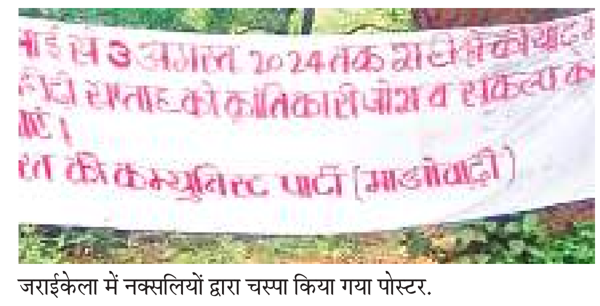

जराईकेला में नक्सलियों द्वारा चस्पा किया गया पोस्टर.

जराईकेला ओपी क्षेत्र अंतर्गत पंचपहिया में नक्सलियों ने पोस्टरबाजी की है. घटना शनिवार की देर रात की बताई जा रही है. पोस्टर में शहीदी सप्ताह मनाने की लोगों से अपील की गयी है. इधर, पोस्टरबाजी की सूचना मिलने पर रविवार की सुबह पुलिस सभी पोस्टरों को जब्त कर जांच में जुट गयी है.

तीन अगस्त तक नक्सलियों का शहीदी सप्ताह : भाकपा माओवादियों का शहीदी सप्ताह रविवार से शुरू हो गया है. इसी को लेकर नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दिखाने की कोशिश की है. पंचपहिया गांव के स्कूल से लेकर डोमलाई गांव और जराईकेला के विभिन्न जगहों पर भारी संख्या में पोस्टरबाजी की गयी है. जनजातीय भाषाओं में कई नारे लिखे हैं. बैनर में 28 जुलाई से तीन अगस्त तक क्रांतिकारी जोश और संकल्प के साथ शहीदी सप्ताह मनाने की बात लिखी गयी है.

ब्रीफ खबरें

कांवरियों का जत्था बाबाधाम रवाना

नौडीहा प्रखंड(पलामू)। नौडीहा बाजार से आज बाबा धाम देवघर के लिए कांवरियों का एक जत्था आज सुबह रवाना हुआ. सांसद प्रतिनिधि मुन्ना श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर कांवारिया के जत्था के रवाना किया. उन्होंने कहा कि हर साल कि तरह इस बार भी कावारिया के जत्था बाबा धाम देवघर के लिए रवाना किया गया. सबसे पहले हनुमान मंदिर में सुबह सभी कामवालियां पूजा अर्चना किया . उसके बाद देवघर के लिए रवाना हुआ इस मौके पर डबू श्रीवास्तव, अभीषेक कुमार, गटु गुप्ता, नरेश सिंह, विकास गुप्त, उदल सिंह, संडल गुप्त सहित कई लोग रवाना हुआ.

नौडीहा थाना परिसर में हुआ पौधरोपण

नौडीहा (पलामू)। थाना प्रभारी अमित द्विवेदी ने आज नौडीहा थाना परिसर में करीब 20पौधा लगाया. जिसमें अमरूद, आम, पपीता सहित कई किस्में के फलदार पौधा रोपण किया.इस मौके पर थाना प्रभारी ने बताया कि आज के समय लौगों के अपने क्षेत्र में पौधरोपण करना चाहिए. पर्यावरण को देखते हुए सभी लोगों को पौधारोपण करना चाहिए .वहीं जो लोग पौधरोपण नहीं कर रहे हैं . उन लोग को भी पौधरोपण करना चाहिए. इसलिए सभी आम जनता को कम से कम 5 से 10 पौधे लगाना जरूरी है.

एकल अभियान की बैठक संपन्न, योजना पर चर्चा

लातेहार। एकल अभियान, अंचल लातेहार के संच मुरूप का मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग रविवार को आयोजित किया गया. बैठक में अंचल अभियान प्रमुख अवध किशोर यादव व संच प्रशिक्षक राजेश उरांव ने भाग लिया. इस वर्ग में गत माह के गतिविधियों की समीक्षा की गयी और आगामी माह के कार्यों की योजना बनाई गई है. बैठक में गांव में भ्रमण कर पंचमुखी आयाम के तहत बच्चों को प्राथमिक शिक्षा, अरोग शिक्षा, ग्राम विकास शिक्षा, स्वाभिमान, जागरण शिक्षा संस्कार शिक्षा देने बच्चों को बेहतर बनाने पर विस्तृत चर्चा की गयी.

रंजन बने पूरनचंद विचार मंच के अध्यक्ष

मेदिनीनगर। पूरनचंद विचार मंच की बैठक अधिवक्ता रंजन कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई. बैठक में 30 जुलाई को स्व पुरन चंद की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में मंच की नई कमेटी का गठन किया गया. रंजन कुमार सिंह अधिवक्ता को अध्यक्ष, सीटू गुप्ता को महासचिव, सतीश कुमार सुमन को जिला प्रवक्ता, महेश राम को कोषाध्यक्ष, शशि भूषण, रामनाथ गणेश रवि, पिंटू बाबू को उपाध्यक्ष बनाया गया है. संयोजक दुर्गा प्रसाद, सचिव रविंद्र प्रसाद चैनपुर, दिलीप प्रसाद, दीपक चंद्रवंशी, विश्वनाथ राम घुरा, बिहारी साहू, राजदेव साहू, संतोष प्रसाद को बनाया गया है.

बीपी डीएवी में दो दिनी प्रतियोगिता संपन्न

गढ़वा। शहर के बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स अंतर्गत कलस्टर लेबर दो दिवसीय प्रतियोगिता का समापन हो गया. इस दौरान खो-खो, एरोबिक्स एवं चेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि बाबू दिनेश सिंह विश्विद्यालय के चान्सलर दिनेश सिंह, डीएवी गढ़वा के प्राचार्य अजय कुमार चौबे एवं बीएन्टी सन्त मैरी स्कूल के प्राचार्य अमित तिवारी ने सभी विजेता दलों, खिलाड़ियों को मेडल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया. मौके पर बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री चौबे ने कहा कि कलस्टर लेबल के सभी विजेता दल, खिलाड़ी स्टेट लेबल खेलने जायेंगे .

पटना सेंट्रल स्कूल में आयोजित पहली इंटर डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता 2024 में 400 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

स्केटिंग में संत मरियम के पुष्कर राज ने जीता कांस्य

संवाददाता । मेदिनीनगर

हर कला में निपुण व विभिन्न विधाओं पारंगत संत मरियम स्कूल के एक और विद्यार्थी पुष्कर राज ने स्केटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता है. उसने 27 जुलाई को बिहार स्केट एसोसिएशन के सहयोग से पटना डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन द्वारा पटना सेंट्रल स्कूल में आयोजित पहला इंटर डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता 2024 मे 400 से अधिक खिलाडियों के बीच यह पदक जीता.

इस प्रतियोगिता मे संत मरियम स्कूल से 3 स्केटिंग खिलाड़ियों 9-11 वर्ष ग्रुप में पुष्कर राज, 11 से 14 वर्ष ग्रुप में प्रियांशु कुमार व राधाकिशन साव ने भाग लिया था. पुष्कर राज की इस सफलता पर विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने उसे व

प्रतियोगिता में पदक जीतनेवाले खिलाड़ी

खास बातें
- सैकड़ों खिलाड़ियों के बीच पदक जीतना गर्व की बात
- बच्चों की इस सफलता से पूरा विद्यालय परिवार खुश है

स्केटिंग कोच चंदन कुमार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि हमारे विद्यालय के कम उम्र के बच्चे भी लगातार मेहनत और ऊंची सोच की वजह से विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं. उन्होंने असफलता हाथ लगे खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि आपके लिए निराशा नहीं बल्कि खुशी की बात कि देश भर से आए सैकड़ो खिलाड़ियों का डटकर सामना करने के लिए आप उस स्तर तक पहुंच चुके हैं. स्क `टिंग कोच चन्दन कुमार ने कहा कि सैकड़ो खिलाड़ियों के बीच पदक जितना अपने आप मे गर्व कि बात है हमारे सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया साथ ही एक कांस्य पदक जीत कर अपने स्कूल का मान बढ़ाया.वहीं बच्चों की इस सफलता से पूरा विद्यालय परिवार खुश है. भविष्य में बच्चों को और बेहतर परिणाम लाने के लिए उत्साहबर्धन किया. आगे की तैयारी को लेकर बच्चों को जुट जाने के लिए कहा गया.

राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक संपन्न

पलामू के धरोहर किले का होगा जीर्णोद्धार : रामचंद्र

संवाददाता । मेदिनीनगर

राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक वं झारखंड प्रदेश के चेरो जनजातीय कार्यकर्ता सम्मेलन नगर भवन में आयोजित की गई. जिसका उदघाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष सह यूपी दूधी के पूर्व विधायक हरेराम सिंह चेरो, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव सह मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, राष्ट्रीय संयोजक अवधेश सिंह चेरो, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह व अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया. सम्मेलन में आदिवासियों की गिरती हुई अर्थव्यवस्था , घटती हुई जनसंख्या , उनके सामाजिक व आर्थिक उत्थान तथा हक व अधिकार समेत कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया. हरेराम सिंह चेरो ने कहा कि आदिवासी समाज का देश स्तर पर गौरवमयी इतिहास रहा है.

देश आजादी के पूर्व विभिन्न प्रांतों में आदिवासी की राज स्थापित रहा है. जिन्होंने अपना अमिट छाप छोड़ा है. आज राज्य या देश स्तर पर आदिवासी समाज का जो हक अधिकार व सम्मान मिलना चाहिए था वह नहीं मिल रहा है. विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि पलामू प्रमंडल का एक मात्र धरोहर पलामू किला जिसे राजा मेदिनीराय के द्वारा स्थापित किया गया था. आज उसे देखने के लिए पर्यटक के रूप में भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न देश के लोग आते हैं. जो खंडहर में देखकर अफसोस जाहिर करते हैं. केंद्र सरकार व राज्य सरकार इस पर अभी तक कोई ध्यान नहीं दे रही है.

भारत सरकार से मांग करता हूं कि इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाये. अवधेश सिंह चेरो ने कहा कि मेरा समाज जंगल व पहाड़ की तलहटियों में बसता है इसके बावजूद जल जंगल व जमीन का अधिकार हमसे छिना जा रहा है. राज्य सरकार आदिवासी के नाम पर ढोंग करती है. मौके पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ह्रदया सिंह चेरो, प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह, प्रदेश संयोजक प्रदीप सिंह, प्रदेश सचिव मृत्युंजय सिंह व अन्य ने अपने विचार व्यक्त किये.

मौके पर अरुण कुमार सिंह , श्याम नंदन सिंह , कौड़िया मुखिया कुमारी अंजना सिंह, सुआ मुखिया दुलारी देवी, प्रमोद कुमार सिंह, अजय सिंह चेरो, भरदुल सिंह, विंध्याचल सिंह बिहार, डॉ मीना सिंह , शीतल सिंह चेरो ,कबूतरी देवी, प्रेम सिंह, पंसस अजीत सिंह, उपाध्याय सिंह,शिक्षक रविंद्र सिंह, अनुप सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे.

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में शामिल लोग.

खास बातें
- आदिवासी समाज का देश स्तर पर गौरवमयी इतिहास रहा है
- जल, जंगल और जमीन का अधिकार हमसे छीना जा रहा है

तिरिया नाला के पास कट रही है मिट्टी दुर्घटनाओं की आशंका

गारू(लातेहार)। मेदिनीनगर-महुआडांड़ मुख्य पथ पर बारेसांढ़ थाना क्षेत्र के के तिरिया नाला जंगल के पास सड़क किनारे बने बरसाती गड्ढा दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है. बारिश की पानी से सड़क एवं सड़क के किनारे मिट्टी का कटाव लगातार जारी है. कई जगहों पर सड़क के किनारे बड़े गड्ढा हो गया है. सड़क से सटे ही मिट्टी का कटाव हो रहा है. इस कारण यहां सड़क संकीर्ण हो गयी है. ऐसे में घाटी में दोनों तरफ आने वाले वाहनों को गुजरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वाहन चालक डर के कारण सड़क से नीचे नहीं उतर रहे हैं. जगह कम होने से वाहनों को साइड नहीं मिलता और कई बार जाम की स्थिति बन जाती है.

ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ का स्वागत

कांडी। प्रखंड के शिवपुर पंचायत अंतर्गत अधौरा गांव में शनिवार को देर शाम ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ पहुंचा. जिसका लोगों ने भव्य स्वागत किया. उप स्वास्थ्य केन्द्र के नजदीक एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया. सभा को संबोधित करते हुए अधिकार मंच के वरिष्ठ कार्यकर्ता पिंटू यादव ने कहा कि अपना हक व अधिकार लेने के लिए यह यात्रा शुरू हुआ है, जो पूरे झारखंड में घूम घूम कर लोगों को जगाने का काम कर रहे हैं. ओबीसी में 52 विभिन्न जातियां हैं जिसे मात्र 14 प्रतिशत ही आरक्षण सरकार दे रही है.

हुसैनाबाद से चोरी की तीन बाइक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता । हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद पुलिस ने बाइक चोरों पर कार्रवाई करते हुए दो लोगों को दबोचा है. इस संबंध में एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने बताया कि लगातार क्षेत्र में हो रही बाइक चोरी की घटनाओ को लेकर विभाग चौकन्नी हुई. एक छापामार दल का गठन किया गया. अनुसंधान के दौरान में छापामारी दल को गुप्त सूचना मिली की चोरी गया मोटरसाईकिल टैक्सी स्टैंड जपला हैदर नगर रोड में एक व्यक्ति लेकर खड़ा है. इस सूचना पर छापामारी दल ने छापामारी के क्रम में उक्त कांड में चोरी गई मोटरसाईकिल बिना नम्बर का पाया गया. जिस पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था. नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम अजय कुमार बताया. जिसके स्वीकारोक्ति बयान में माह जून से अबतक हुसैनाबाद थाना से 08 (आठ) बाइक चोरी करने की बात स्वीकार किया है.इसकी निशानदेही पर छापामारी दल ने जीवा बिगहा मोड, अम्बा औरंगाबाद (बिहार) स्थित सोहन कुमार के मोटर साईकिल गैरेज से दो मोटर साईकिल बरामद किया. तथा एक मोटर साईकिल शराब बेचने में कुटुम्बा थाना एवं एक मोटर साईकिल अम्बा थाना में जप्त किया जा चुका है. आराथमिकी अभियुक्त अजय कुमार के अलावा अप्राथमिकी अभियुक्त सोहन कुमार उर्फ छोटू दोनो ग्राम सारा-चोरहा थाना- सिमरी जिला औरंगाबाद, बिहार के निवासी हैं.इनके पास से चोरी का तीन मोटरसाईकिल बरामद किया गया है. अन्य चोरी की बाइक के संबंध में पूछ ताछ की जा रही है.छापामारी दल में मुकेश कुमार, महतो,डीएसपीओ हुसैनाबाद, थाना प्रभारी हुसैनाबाद संजय कुमार यादव, एसआई नर्वदेश्वर सिंह हुसैनाबाद थाना (अनुसंधानकर्ता), अनन्त कुमार सिंह हुसैनाबाद थाना, बबलु कुमार, देवरी ओपी प्रभारी, चौकीदार अमित पासवान के अलावा सशस्त्र बल शामिल था.

आपसू की जेएस कॉलेज इकाई गठित

मेदिनीनगर। आपसू पलामू की बैठक जिला कार्यालय आबादगंज में हुई. बैठक की अध्यक्षता जेएस कॉलेज प्रभारी कुणाल किशोर व संचालन जीएलए प्रभारी साहिल गुप्ता ने किया. बैठक में जनता शिवरात्रि इकाई का पुनर्गठन किया गया सर्वसम्मति से छात्रा ईकाई अध्यक्ष अश्विनी कुमारी व आपसू अध्यक्ष हिमांशु तिवारी को चुना गया. कॉलेज उपाध्यक्ष दिव्यांशु शर्मा, अभिषेक कुमार व प्रशांत कुमार, महासचिव निशिकांत दुबे, सचिव आयुष राज, सह-सचिव रोहित वर्मा मीडिया सेल प्रभारी आयुष तिवारी व मनीष वर्मन तथा कार्यकारिणी सदस्यों में तुषार वर्मा, समीर विश्वकर्मा, गुलशन तिवारी, गोलू दुबे, प्रिंस गुप्ता, पियुष गुप्ता, रौशन तिवारी, विकास गुप्ता शामिल किया गया है. बैठक में पांच प्रस्ताव पारित कर छात्रहित में संघर्ष का संकल्प लिया गया. पारित प्रस्ताव में संगठन द्वारा नामांकन, पढ़ाई व परिणाम पर ध्यान केंद्रित करना, किल करप्शन व क्लिन कैंपस अभियान को आगे बढ़ाना, वर्तमान सत्र में 3000 विद्यार्थियों को संगठन से जोड़ने, एनपीयू के निरंकुश परीक्षा विभाग पर अंकुश लगाना तथा महाविद्यालय में सभी वर्गों और विषयों की कक्षा संचालित हो और शिक्षकों के मान सम्मान पर आंच न आए इस पर कार्य करना शामिल है.

ऑटो से गिर कर दादी की मौत, पोता चला रहा था ऑटो

संवाददाता । महुआडांड़ (लातेहार)

थाना क्षेत्र के ग्राम चेतमा के समीप डाल्टनगंज मुख्य सड़क पर सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार वृद्ध महिला क्रिस्टीना कुजूर पति स्व मारकुश किंडो छिपादोहर में अपने पुत्र के पास रहती थी. वह अपने अन्य तीन पुत्रों के गांव चेतमा आयी थी और अपने पोते नेम्हा किंडो के साथ महुआडांड़ प्रखंड के टीमकीताड़.ग्राम अपने ननद के घर मिलने गई थी. पोते के साथ टेंपो में सवार होकर रात्रि करीब आठ बजे लौट रही थी. टेंपो उनका पोता नेम्हा किंडो चला रहा था. वह काफी नशे की हालत में था. अचानक टेंपो अनियंत्रित होने पर बुजुर्ग महिला टेंपो से गिर पड़ी. इसके बाद नेम्हा किंडो नशे की हालत में घबरा गया और वहां से फरार हो गया. घर आकर किसी को भी घटना की जानकारी नहीं दी. घर वालों को बताया की दादी को बांसकरचा में छोड़ कर आया है. सुबह बुजुर्ग महिला की शव सड़क पर मिली. घटना की जानकारी मिलने के बाद अक्सी पंचायत की मुखिया रोजलिया कुजूर घटनास्थल पर पहुंची और नेम्हा किंडो से पूछताछ करने लगी. उसके बाद घटना का खुलासा हुआ. मुखिया ने बताया की घटना के तुरंत बाद महिला को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया जाता तो मौत नहीं होती. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस सुबह घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया.

ओम प्रकाश बने दुर्गा मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष

हरिहरगंज(पलामू)। दुर्गा पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाने को लेकर शहर के दुर्गा मंदिर प्रांगण में शहरवासियों ने बैठक की. बैठक में सर्वसम्मति से ओमप्रकाश अकेला को फिर से अध्यक्ष,विकास कुमार विश्वकर्मा को सचिव और भोला प्रसाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष ,रिंकू शौंडिक और राजेश प्रसाद गुप्ता को व्यवस्थापक तथा बिनु जायसवाल को सांस्कृतिक मंत्री बनाया गया है जबकि रामप्यारे विश्वकर्मा,भोला गुप्ता, मोतीलाल गुप्ता,संजीव स्वर्णकार,गोपाल प्रसाद गुप्ता,सुनील शौंडीक,विजय जायसवाल,संजय प्रसाद गुप्ता,निरंजन प्रसाद,संतोष प्रजापति को समिति के संरक्षक बनाए गए हैं. अलावे इसके उपाध्यक्ष शशि कुमार,संतोष प्रजापति,गोपाल गुप्ता,तुषार कुमार,उपसचिव उदय कुमार,सतीश गुप्ता, दिलीप कुमार पीएनबी,उप सांस्कृतिक मंत्री अजय कुमार स्वर्णकार,साकेत शौंडिक बनाए गए.

न्यूज अपडेट

डीडीसी ने बूथों का निरीक्षण किया, लोगों से मिले

लातेहार। रविवार को उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने नगर पंचायत क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. जिला मुख्यमंत्री उत्क्रष्ट बालिका विद्यालय मतदान केंद्र संख्या 197 का निरीक्षण करते हुए पन्ना सत्यापन स्टीकर पर हस्ताक्षर कयया. इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्र के सामने अविस्थत नारायण पुस्तक भंडार के संचालक सह मतदाता अमीत कुमार से मतदाता सूची संबंधी कई जानकारी ली. इस पर कुमार ने बताया कि उनके घर के सभी सदस्यों का रंगीन पहचान पत्र है. इसके बाद डीडीसी ने मतदान केंद्र संख्या 171, 172, 173, 176, 177, 180, 182, 183 व 184 का निरीक्षण किया.

बिहारियों को घुसपैठिया बतानेवाली विधायक माफी मांगें

हुसैनाबाद(पलामू)। भाजपा सैन्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सह किसान ब्रिगेड के संरक्षक कर्नल संजय सिंह ने कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के उस बयान को झारखंड को खंडित करने वाला तथा तुष्टिकरण से प्रेरित बताया है. जिसमें विधायक ने बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों की तुलना बिहारियों से किया और उन्हें बाहर से आकर झारखंड में बसने वाला बताया. कर्नल संजय ने कहा कि विधायक नेहा तिर्की को संविधान की पूर्ण जानकारी नहीं है क्योंकि भारत देश में अभी तक दोहरी नागरिकता का कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है.विधायक को समझना चाहिए कि बांग्लादेश के रोहंगिया तथा अन्य घुसपैठिया दूसरे देश से अवैध तरीके से संथाल एवं झारखंड के अन्य क्षेत्र में आकर बसे हैं . जिनका आर्थिक बोझ सरकार को उठाना पड़ रहा. जिससे हमारे मूल निवासियों का हक़ मारा जा रहा है.

सुभाष सिंह ने टिकट के लिए दावेदारी प्रस्तुत की

लातेहार। लातेहार जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष सह मानस मणि दीप सेवा संस्थान के सचिव सुभाष सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव में मनिका विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है. शनिवार को श्री सिंह ने भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह को अपना आवेदन सौंपा. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए सुभाष सिंह ने कहा कि वे क्षेत्र में हमेशा से सक्रिय रहे हैं. उनका हमेशा सामाजिक कार्यो से सरोकार रहा है. अगर भाजपा संगठन उन्हें मौका देती है तो वे संगठन को निराश नहीं करेगें. क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें आम लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है. लोग भी उनसे चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं. अगर उन्हें मौका मिला तो वे आम लोगों के भरोसे को टूटने नहीं देगें.

भाजपा जिलाध्यक्ष को आवेदन सौंपते सुभाष.

विश्व आदिवासी दिवस मनाने के लिए हुई बैठक

चंदवा (लातेहार)। रविवार को कृषि परिसर, चंदवा में विश्व आदिवासी दिवस मनाने एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता हरिकुमार भगत ने किया. बैठक में आगामी नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. आयोजन की सफलता के लिए कमेटी का विस्तार व पुर्नगठन किया गया. कमेटी का मुख्य संरक्षक हरिकुमार भगत को बनाया गया. जबकि अध्यक्ष चंद्रदेव उरांव, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह खरवार, ससचिव सुरेश उरांव, कोषाध्यक्ष सचिव, राजीव कुमार उरांव व उप कोषाध्यक्ष सुरेंद्र भगत बनाये गये हैं. मौके पर राजनाथ भगत व करण भगत आदि शामिल थे.

पीएम के मन की बात सुनकर प्रेरणा मिलती है

सतबरवा (पलामू)। जब मुझे मौका मिला तो नगर निगम क्षेत्र में विकास के जो कार्य हुए ,वह आज खुली आंखों से देखा जा सकता है, अगर मुझे मेदिनीनगर - भंडरिया विधानसभा क्षेत्र का नेतृत्व करने का मौका मिला तो विकास के नये आयाम गढ़े जायेंगे. उक्त बातें मेदिनीनगर के पूर्व मेयर अरूणा शंकर ने रविवार को सदर प्रखंड के पोलपोल, लहलहे व सतबरवा प्रखंड के बारी,पोंची, सतबरवा, दुलसुलमा का दौरा के बाद कंचन ढाबा सतबरवा में पत्रकारों से बातचीत में कही. पूर्व मेयर अरूणा शंकर ने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान बारी में भाजपा कार्यकर्ता महेश्वर सिंह के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनी. प्रधानमंत्री जी के मन की बात सुनी, उनकी बातों को सुनकर जनता की सेवा करने की हमेशा प्रेरणा मिलती है.

पांकी विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे

गढ़वा। झारखंड कुम्हार समन्वय समिति जिला इकाई गढ़वा के जिलाध्यक्ष योगेंद्र प्रजापति ने कहा है कि पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता गत तीन जुलाई को मेदिनीनगर टीवी टावर निवासी रविन्द्र प्रजापति के दुकान सह मकान में अपने सैन्य दल बल के साथ जबरन घुस कर चोरी का आरोप लगाते हुए घर की महिला सदस्यों से मारपीट एवं दुर्व्यवहार करते पुरुष सदस्य को बेरहमी से पीटते हुए थाना ले गये. इस मामले का पलामू जिले के थानों में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ, तब वे अपने प्रभाव वाले थाना रांची जिला के ओरमांझी थाना में अपनी बेटी सिम्मी मेहता से मुकदमा दर्ज करवा कर हवालात में भेज दिया. होटवार जेल में रविन्द्र प्रजापति का बेटा बंद है. इस घटना की झारखंड कुम्हार समन्वय समिति जिला इकाई गढ़वा कड़ी निंदा करती है.

वन विभाग ने लगाया स्वास्थ्य शिविर, कपड़े बांटे

लातेहार। गारू प्रखंड के हेनार ग्राम में रविवार को वन विभाग ने स्वास्थ्य शिविर लगाया. उदघाटन पूर्वी वन क्षेत्र के वनरक्षी रोहित कुमार, डॉ सुनील कुमार और अमृत लकड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया. वनरक्षी रोहित कुमार ने कहा कि वन विभाग का उद्देश्य वन्य जीवों के साथ-साथ आम इंसान की भी जरूरतों का ध्यान रखा है. ऐसे कार्यक्रमों से एक- दूसरे के साथ मधुर संबंध बनते हैं. उन्होने वन व वन्य जीवों की रक्षा करने की अपील की. कहा कि पर्यावरण से ही मानव जीवन है. पर्यावरण की रक्षा करना हम सबों का दायित्व है. शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और 150 मरीजों के बीच निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया. इसके अलावा 90 ग्रामीणों की आंखों की जांच कर उनके बीच चश्मा का वितरण किया गया. कई ग्रामीणों को अगले स्वास्थ्य शिविर में चश्मा उपलब्ध कराने की बात कही गयी. शिविर में गांव के गरीब, असहाय, विधवा महिलाओं के बीच अंग वस्त्र और साड़ी का भी वितरण किया गया. मौके पर अनिकेत कुमार, विशाल सिंह व भरत मिश्रा समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

आयोजन लातेहार के 12 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तरीय की प्रतियोगिता के लिए चयन

पीएमश्री जेएनवी लातेहार बना कुश्ती प्रतियोगिता का चैंपियन

संवाददाता । लातेहार

तीन दिवसीय 15वीं संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता प्रधानमंत्री श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, लातेहार के सांस्कृतिक कला केंद्र में आयोजित की गयी थी. रविवार को इस प्रतियोगिता का समापन हुआ. प्रतियोगिता में पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, लातेहार चैंपियन घोषित की गयी.

इस प्रतियोगिता में झारखंड, बिहार व बंगाल के 11 नवोदय विद्यालयों के 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया था. प्रतियोगिता में कुल 25 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया. इनमें से 12 खिलाड़ी जवाहर नवोदय विद्यालय, लातेहार के हैं. इससे पहले समापन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने भाग लिया. अतिथियों का विद्यालय की छात्राओं के द्वारा पारंपरिक आदिवासी लोकगीत व नृत्य से स्वागत किया गया. विद्यालय की असम की छात्राओं ने मनमोहन बिहू नृत्य प्रस्तुत किया. स्वागत भाषण देते हुए विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार सिंह ने विजयी प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की. जबकि मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि वे भी जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र रह चुके हैं. वे यूपी के जौनपुर में जवाहर नवोदय विद्यालय में अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की थी. कार्यक्रम में विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को मेडल से पुरस्कृत किया गया. मंच का संचालन सुमंत कुमार साव व धन्यवाद ज्ञापन वरीय शिक्षक सुखराम भगत ने किया. मौके पर विद्यालय के शिक्षक कमलेश कुमार मिश्र, बीके दुबे, संदीप ओझा, एस अंसारी, राम व्यास पटेल, सुकेश कुमार, पूनम खलखो, तरूण कुमार, बरखा बारला समेत निर्णायक दल के सदस्य तथा विभिन्न विद्यालयों से आए स्काट शिक्षक आदि मौजूद थे.

प्रतियोगिता के आयोजन में खेल शिक्षक एसएस यादव और करण कुमार राउत व गढ़वा के कुश्ती प्रशिक्षक का सहरानीय योगदान रहा. बता कि प्रतियोगिता का उदघाटन उपायुक्त गरिमा सिंह ने गत शुक्रवार को किया था.

कुश्ती प्रतियोगिता में अपने खेल का प्रदर्शन करते खिलाड़ी.

दुर्घटनाओं में पुलिस अनुसंधान तय सीमा के अंदर हो : उपाध्याय

संवाददाता । लातेहार

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस मुख्यालय के सभागार में रविवार को मोटर दुर्घटना दावा अधिकारण (एमएसीटी) की एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन सिविल जज-तीन स्वाति विजय उपाध्याय, प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक व मुख्यालय डीएसपी संजीव कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्रीमति उपाध्याय ने कहा कि जब भी कोई दुर्घटना घटित होती है तो पहली प्राथमिकता दुर्घटना में प्रभावित व्यक्ति की जान बचाने का प्रयास होना चाहिए.

उन्होने कहा कि दुर्घटना से प्रभावित पीड़ित परिवार की स्थिति काफी दयनीय हो जाती है, उसे तत्काल राहत की जरूरत होती है. ऐसे मे पुलिस को तय सीमा के अंदर अनुसंधान कर सारे दस्तावेज संबंधित न्यायालय को सौंप देना चाहिए. इससे आगे की न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में सहायता मिलेगी. इसके अलावा समुचित मुआवजा की राशि का आंकलन भी एमएसीटी कर सकता है. एमएसीटी में पुलिस अधिकारियों की भूमिका अहम होती है. सबंधित पुलिस अधिकारियों को जिम्मेवार व संवेदनशील होकर जांच प्रतिवेदन समर्पित करना चाहिए. कार्यशाला में बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर हिट एंड रन के मामलों के निष्पादन के लिए समिति राज्य के हर जिले में स्थापित है. कार्यशाला में मोटर दुर्घटना में पीड़ित परिवार को समय पर व उचित मुआवजा दिलवाने की प्रक्रिया और सरलीकरण पर चर्चा की गयी. बैठक में को सुरक्षित तौर पर वाहन चलाने की अपील की गयी.

जिले में सरकारी विद्यालयों की स्थिति काफी दयनीय है, शिक्षा व्यवस्था की पोल खोलती मध्य विद्यालय जुरिया की टूटी हुई छत

विद्यालय में पढ़ रहे नौनिहालों की जान खतरे में

हुसैन अंसारी । लोहरदगा

जिले में सरकारी विद्यालयों की स्थिति काफी दयनीय है. विभागीय अधिकारियों की लालफीता शाही के कारण बच्चों को बेहतर भवन में शिक्षा ग्रहण करने से वंचित होना पड़ रहा है. ऐसा ही एक विद्यालय जुरिया में है: जहां विद्यालय भवन जर्जर होने के कारण बच्चों को खुले आसमान में शिक्षा ग्रहण करना पड़ रहा है.

मालूम हो कि स्कूल में पदस्थापित महिला शिक्षिका सुजाता खलखो विगत दिनों क्लासरूम में बच्चों को पढ़ा रही थी. इसी दौरान बिल्डिंग का प्लास्टर टूटकर गिर जाने से घायल हो गयी थी. जिससे उनके सिर और हाथ पर गहरी चोट आई थी. इससे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों को हर दम मौत से

खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करते बच्चे.

मुलाकात होने की चिंता सताते रहती है. इस पूरे मामले को लेकर शुभम संदेश की टीम मध्य विद्यालय जुरिया का पड़ताल किया. स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों से मिलकर उनकी पीड़ा को जानने की कोशिश की .बच्चों ने डरे सहमें अंदाज में बताया कि मजबूरी है कि खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करते हैं. बच्चों ने बताया कि स्कूल का क्लासरूम का छत टूट गया है. जिससे हमारे समक्ष जान-माल का खतरा मंडराता रहता है इसलिए स्कूल के बाहर प्रांगण में अपना भविष्य संवारने का प्रयास कर रहे हैं. वहीं विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक-शिक्षिकाओं का कहना है कि स्कूल के स्थिति वस्तु से विभाग को बार-बार अवगत कराया गया है फिर भी स्कूल की स्थिति जस का तस स्थिति में खड़ा है.

नये बिल्डिंग का निर्माण कार्य कराने में परेशानी : डीएसई

शुभम संदेश की टीम राजकीय कृत मध्य विद्यालय जुरिया के मामले को लेकर लोहरदगा जिला शिक्षा अधीक्षक नीलम आईलीन टोप्पो से जब बात की तो उन्होंने कहा कि विद्यालय की स्थिति वस्तु से अवगत हैं, वैकल्पिक व्यवस्था के तहत फिलहाल पास में स्थित पंचायत भवन में विद्यालय संचालित करने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने कहा कि स्कूल का जमीन बहुत कम है और उतनी जमीन पर विद्यालय भवन बना हुआ है, इसलिए नये बिल्डिंग का निर्माण कार्य कराए जाने में परेशानी हो रही है.

यहां स्मार्ट क्लास भी है, पर हो रहा बेकार साबित : लोहरदगा जिला मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर दूर पर संचालित राजकीय कृत मध्य विद्यालय जुरिया में स्मार्ट क्लास की भी व्यवस्था सरकार की ओर से की गई है. लेकिन स्कूल भवन की जर्जरावस्था स्थिति को देखते हुए नौनिहालों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. यहां पर बच्चे स्मार्ट क्लास का लाभ लेने से वंचित रह जा रहे हैं.

लाल फीता का बैरिकेटिंग खतरे की घंटी : मध्य विद्यालय जुरिया के प्रवेश करने पर विद्यालय के क्लासरूम में बच्चों को जाने से पहले एक लाल रंग का फीता से पूरे क्लासरूम को बैरिकेटिंग किया गया है जो खतरे की घंटी है. उक्त फीता से पार कर क्लासरूम में प्रवेश करने पर कभी भी नौनिहालों को अपनी जान गंवानी पड़ सकती है, इसलिए बच्चों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल प्रबंधन की ओर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लाल फीता से पूरे क्लासरूम को बैरिकेटिंग कर दिया गया है, जिससे बच्चों को कोई क्षति न हो सके.

बारिश शुरू होते ही बच्चों की जाती है छुट्टी : मध्य विद्यालय जुरिया के क्लासरूम जर्जर रहने के कारण विगत दो महीने से बच्चे खुले आसमान में पढ़ाई-लिखाई करने को विवश हैं, स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों का कहना है कि बरसात का महीना है, जब भी बारिश शुरू होती है तो विद्यालय संचालन अवधि पर ही मजबूरन बच्चों को छुट्टी देना पड़ता है. उल्लेखनीय है कि मध्य विद्यालय जुरिया में 342 बच्चे नामांकित हैं, शनिवार को 243 नौनिहाल उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

शिक्षकों की सेवानिवृत्ति उम्र 62 वर्ष हो

लोहरदगा में झापस की रणनीति बैठक में शामिल संघ के सदस्य.

लोहरदगा। प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न मांगो को लेकर झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सुमन की अध्यक्षता में हुई. परियोजना निदेशक के द्वारा शिक्षा में कमी पाए जाने पर सिर्फ शिक्षकों को ही जिम्मेदार मानने पर चिंता प्रकट किया गया.मौखिक निदेश के तहत एसएमसी खाते में राशि नहीं रहने की स्थिति पर शिक्षक स्वयं के पैसे से विद्यालय के लंबित कार्यो को पूरा करें और नहीं तो विद्यालय के विकास में बाधक माने जाएंगे. मौखिक आदेश पर आपत्ति जताई गई. बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सुमन ने कहा कि शिक्षा में सुधार और विकास के लिए अलग ही मंत्रालय है, निरीक्षण के नाम पर छोटी मोटी चूक पर निलंबित, दंडित नहीं करने, मंत्रियों और पदाधिकारियों की ही तरह शिक्षकों एवं कर्मियों को भी मोबाइल अथवा लैपटॉप उपलब्ध कराने तथा सेवानिवृत्त की उम्र 62 वर्ष करने की मांग सरकार से की गई.

चंदा कर बिजली की मरम्मत करा रहे हैं ग्रामीण

बांसजोर(सिमडेगा)। भाजपा नेता सुजान मुंडा ने प्रखंड के नवाटोली, ब्राह्मणटोली, मंदिर टोली, मंझापड़ा टोली आदि गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्या सुनी. मौके पर ग्रामीणों ने बिजली संबंधी शिकायत की. ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 15 वर्ष पूर्व 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया है. जहां से चार गांव के कुल 220 घरों में बिजली आपूर्ति की जाती है. लोड अधिक रहने के कारण ट्रांस्फार्मर में बार बार परेशानी आते रहती है. कभी लॉ वोल्टेज रहता है, तो कभी फ्यूज उड़ जाता है. ग्रामीण बार बार बार चंदा एकट्ठा कर बिजली बनवाते हैं.ग्रामीणों ने बताया कि वे लोग लगभग 15 वर्षों से ट्रांस्फार्मर को चंदा कर बनवा रहेहैं. मौके पर सुजान मुंडा ने तरगा नवाटोली, ब्राह्मणटोली के 120 परिवारों के लिए 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर और तरगा मंदिरटोली और मझा पड़ाटोली मेंअलग अलग 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की. मौके पर ग्रामीणों ने विभाग के ईई के नाम सुजान मुंडा को एक ज्ञापन सौंपा.

हेलमेट घर की खुशियां भी बरकरार रखता है

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा थाना पुलिस के द्वारा चट्टी पिकेट,मसमानो मोड़ एवं नौडीहा मोड़ पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया . थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व मे एंटी क्राइम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर मसमानो मोड़ भंडरा के पास दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन तथा चार पहिया वाहनों को रोककर आवश्यक कागजात एवं डिक्की खुलवाकर उसकी जांच की गई. वहीं हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक चालकों को फटकार लगाते हुए हेलमेट लगाकर सड़क पर चलने को निर्देश दिया गया. साथ ही चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट नहीं लगाए जाने पर कड़ी फटकार लगाया गया तथा ओवर लोड वालों को भी हिदायत देते हुए थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा तथा एंटी क्राइम को लेकर लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलता रहेगा.

नवनिर्मित मॉडल स्कूल भवन का नहीं हुआ हैंडओवर

कामडारा। करोड़ों रुपये की लागत से मॉडल स्कूल कामडारा के लिये बनी नवनिर्मित भवन के इर्द-गिर्द अब झाड़ियां उग रही हैं. वहीं अब तक हैंड ओवर नहीं किये जाने के कारण मॉडल स्कूल कामडारा के स्कूली बच्चों का पढ़ाई फिलहाल राजकीयकृत मध्य विद्यालय कुदा के लिये बने भवन पर हो रही है. जानकारी के मुताबिक मॉडल स्कूल कामडारा के लिये भवन का निर्माण प्रखंड मुख्यालय से लगभग तीन किमी दूर लोयंगा पेट्रोल पंप के पास बनाया गया है. ठेकेदार की लापरवाही से उक्त भवन का निर्माण कार्य पूरा होने में लगभग सात वर्ष लग गया है. उक्त स्कूल भवन के निर्माण कार्य के लिये वर्ष 2016 में तत्कालीन पूर्व स्पीकर दिनेश उरांव और सांसद सुदर्शन भगत द्वारा शिलान्यास किया गया था. इधर मॉडल स्कूल के लिये भवन निर्माण कार्य पूरा हो चुका है,परंतु ठेकेदार द्वारा विभाग को अब तक हैंड ओवर नहीं किये जाने कारण स्कूली बच्चों को विवशता फिलहाल रामवि कुदा के भवन पढ़ाई करना पढ़ रहा है.

कोई भी क्षेत्र विकास कार्य से अछूता न रहे : जिप अध्यक्ष

कुड़ू/लोहरदगा। विकास योजनाओं को धरातल पर उतारकर जनता को शत- प्रतिशत लाभ मुहैया कराए जाने हेतु जिप अध्यक्ष रीना कुमारी भगत ने कुडू प्रखंड के पश्चिमी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगी पंचायत का दौरा किया एवं क्षेत्र के लोगों से मुलाकात किया. इस बीच क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी ने सलगी पंचायत भवन का निरीक्षण किया और भवन का निर्माण हुआ काफी वर्ष होने के कारण भवन की स्थिति बहुत ही ज्यादा जर्जर पाई. जिसे यथाशीघ्र मरम्मत कराए जाने की बात कही. जिप अध्यक्ष रीना कुमारी अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान रोच्चो गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का भी मुआयना किया.

मड़ुवा पाठ हिल पर होगी फिल्म की शूटिंग

लोहरदगा। फ्रांस के मशहूर कांस फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म प्रदर्शित करने का अवसर पा चुके लोहरदगा निवासी, बॉलीवुड, नागपुरी, भोजपुरी फिल्म, शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और सीरियल निर्माता निर्देशक लाल विजय शाहदेव लोहरदगा के मड़ुवा पाट हिल पर अपनी अगली फिल्म शूट करेंगे. अपने गृह जिला के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पाखर पठारी क्षेत्र के मडुवा पाठ हिल पर अलग-अलग लोकेशन को देखने के बाद उन्होंने कहा कि पर्यटकों और फिल्म की शूटिंग के लिए यह जगह बहुत खूबसूरत है. फिलहाल वह झारखंड बिहार के पारंपरिक गीत संगीत वाले म्यूजिक चैनल लॉन्च करने के साथ-साथ वेब सीरीज और कई फिल्मों के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं. भोजपुरी नागपुरी गीत संगीत को इसके मूल स्वरूप में प्रतिष्ठापित करना इनका मकसद है. हाल में रिलीज हुई निरहुआ अभिनीत इनकी भोजपुरी फिल्म नाच बैजू नाच को काफी सराहा गया.

ब्रीफ खबरें

प्रतियोगिता में झारसुगड़ा की टीम 3-2 से विजयी

सिमडेगा। 25 वां वीर शहीद थोमस सोरेंग फुटबॉल प्रतियोगिता में एक मैच खेला गया. शिव शंकर क्लब झारसुगड़ा बनाम जेएफसी फुटबॉल क्लब बिरमित्रापुर के बीच खेले गए मैच में झारसुगड़ा की टीम ने 3-2 से जीत हासिल की. इससे पूर्व मैच का उदघाटन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रसन्न सिन्हा उर्फ पिंटू, विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित फा ब्रुनो,पतरस एक्का, महावीर बड़ाईक, अजीत नवरंगी, प्रिंस सिन्हा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया. आयोजक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को चिड़िया माईंस मनोहरपुर बनाम सोलंकी क्लब रांची के बीच खेला जाएगा.

ज्योति देवी बनीं स्कूल प्रबंधन समिति की अध्यक्ष

बानो(सिमडेगा)। एसएस प्लस प्लस टू हाई स्कूल सभागार में अभिभावक एवं शिक्षकों की बैठक हुई. मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य आंनद ने विद्यालय के विकास संबंधी जानकारी देते हुए कई सुझाव को भी साझा किया. बैठक में नए विद्यालय प्रबंधन कमेटी का पुनर्गठन किया गया. जिसमे ज्योति देवी को अध्यक्ष, महेश सिंह को उपाध्यक्ष चुना गया. बैठक में पंचायत के मुखिया चूड़ामणि यादव सहित सभी अभिभावक उपस्थित थे.

प्रथम स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जलडेगा(सिमडेगा)। प्रखंड सभागार में प्रथम स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. जिसमें डॉ पंकज कुमार ने प्रशिक्षण शिविर में फस्ट एड बॉक्स साथ रखने की सलाह दी. मौक़े पर सोनू कुमार, किशोर महतो सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

2500 सीएफटी अवैध बालू और ट्रैक्टर जब्त

धुरकी(गढ़वा)। धुरकी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम रक्सी से एक अवैध बालू लोड ट्रैक्टर एवं रक्सी कदवा सिमाना के समीप करीब 2500 सीएफटी अवैध बालू को जप्त कर किया है. साथ ही घघरी निवासी बब्लू बैठा उर्फ बिशुनदेव बैठा पिता रामकुमार बैठा तथा ट्रैक्टर के मालिक एवं चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है. इस संबंध में जानकारी देते हुए धुरकी थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि रात्रि में कनहर नदी से बबलू बैठा के द्वारा बालू चोरी कर ग्राम रक्सी कदवा के सिमाना के पास रखा जाता है. जहां अभी करीब 2500 सीएफटी बालू रखा हुआ है.

लापता फूलचंद का सुराग नहीं, परिजन हो रहे परेशान

भंडरा/लोहरदगा। जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदरंगी निवासी फूलचंद महली 41 वर्षीय जो बिशाखापटनम से घर आने के क्रम में लापता हो गया है. परिजनों ने फूलचंद की काफी तलाश की लेकिन जब कहीं सुराग नहीं मिला तो परिजनों की बेचैनी बढ़ गई. लापता युवक के बड़े भाई ग्राम पंचायत उदरंगी के मुखिया परमेश्वर महली ने बताया कि गांव के ही राजेंद्र उरांव ऊर्फ चरका पिता शनिचरवा उरांव इसी महीने की 2 जुलाई को कोई कंपनी में काम करने के लिए गया था, लेकिन काम पसंद नहीं आया बोलकर फूलचंद घर आ रहा था, लेकिन तब से लेकर अब तक घर वाले परेशान हैं.

सती रूपन कुंवर के नाम पर ट्रस्ट बनाने का प्रस्ताव

उदय शिखर सर्वसम्मति से चुने गए क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष

संवाददाता । लोहरदगा

लोहरदगा जिला क्षत्रिय महासभा की बैठक पुराने जिला परिषद सभागार में पूर्व एमएलसी प्रवीण कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई. इसमें महासभा जिला इकाई का पुनर्गठन करते हुए उदय शिखर को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया. पूर्व एमएलसी प्रवीण कुमार सिंह, डॉ अजय शाहदेव और सत्यजीत सिंह संरक्षक चुने गए. अजय चौहान कार्यकारी अध्यक्ष, पप्पू सिंह, लाल जितेंद्र नाथ शाहदेव मंटू और जयंत सिंह उपाध्यक्ष चुने गए. अमित सिंह, मुकेश देव, लाल जितेंद्र नाथ शाहदेव, दिलीप सिंह और अमित कुमार सिंह सचिव चुने गए.कन्हैया सिंह कोषाध्यक्ष बनाए गए. कार्यकारिणी के सदस्यों का भी चुनाव हुआ. नवनिर्वाचित अध्यक्ष उदय शेखर ने कहा कि समाज ने जो दायित्व उन्हें सौंपा है उसे निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूरा करते हुए क्षत्रिय समाज का गौरव बढ़ाना और मजबूती देना ही उनका लक्ष्य है. समाज द्वारा रक्तदान शिविर के आयोजन की बात कही. बैठक में सामाजिक जनगणना का निर्णय लिया गया. क्षत्रिय महासभा का ट्रस्ट सती रूपन कुंवर के नाम पर बनाने का प्रस्ताव रखा गया. रूपन कुंवर स्वतंत्रता सेनानी बाबू कुंवर सिंह

क्षत्रिय महासभा की बैठक को संबोधित करते प्रवीण सिंह.

खास बातें

- समाज में समन्वय व सहयोग बढ़ने पर दिया गया बल
- महापुरुषों-शहीदों को उचित सम्मान दिलाने पर हुई चर्चा

की बहन थीं और लोहरदगा के क्रांतिकारी शहीद ठाकुर जगन्नाथ शाहदेव की धर्मपत्नी थीं. ठाकुर जगन्नाथ शाहदेव जब अंग्रेजों से लड़ते हुए केकरांग घाटी में जब शहीद हो गए थे, तो रूपन कुंवर आज मौजूद ठकुराइन तालाब के पास सती हो गई थी. उनकी स्मृति में मौजूद सती मंदिर को धरोहर के रूप में संरक्षित करने का निर्णय लिया गया. पूर्व एमएलसी प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज ने हमेशा से दूसरे समाज के लोगों को छतरी की तरह बचाया. इस भाव को कायम रखना है. बलवीर देव ने कहा कि समाज का सदस्य कोई परेशानी में हो तो मिलकर उसकी मदद करने की सोच के साथ काम हो.

अमित कुमार सिंह ने कहा कि महापुरुषों एवं शहीदों को उचित सम्मान मिले. प्रशासनिक अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने संगठन को सशक्त बनाने, एकजुटता की भावना मजबूत करने और संगठन के कार्य में पारदर्शिता व समर्पण पर जोर दिया. अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे. इसके पूर्व सभी ने महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित और पुष्प अर्पित किया. मौके पर त्रिलोकी सिंह, विवेक चौहान, लाल प्रकाश शाहदेव, अमरेंद्र सिंह, शिव सिंह, लाल मनीष नाथ शाहदेव, मुरारी सिंह, भोला सिंह, दिनेश कुमार सिंह, वीके बालन्जिनप्पा, मृत्युंजय चौहान, लाल विकास शाहदेव, सतीश शाहदेव, रोशन शाहदेव, सचिन शाहदेव, लाल अविनाश शाहदेव, पहलवान सिंह, लाल अनूप नाथ शाहदेव, अशोक सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अजय सिंह, मनीष सिंह, अनिल देव, प्रकाश चौहान, नवनीत चौहान, शुभम शाहदेव सहित बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद थे.

गंगवार के झारखंड के गवर्नर नियुक्त होने पर भाजपाइयों ने दी बधाई

लोहरदगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड सहित कई राज्यों राज्यपाल नियुक्ति की गई है. इसी क्रम में संतोष कुमार गंगवार को झारखंड के नए राज्यपाल नियुक्त किया है. वहीं महामहिम राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को महाराष्ट्र के नये राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी संगठन के द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई है. झारखंड के नए महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार पूर्व में लगातार आठ बार सांसद रह चुके हैं, उन्होंने सरकार में केंद्रीय मंत्री एवं संगठन में कई दायित्वों का निर्वहन किया है. उनके अनुभवों का पूरा लाभ झारखंड प्रदेश को मिलेगा. इधर बधाई देने वालों में एसटी मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ,पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, जिला अध्यक्ष मनीर उरांव,पूर्व विधायक सधनु भगत, विधान पार्षद प्रवीण सिंह, पूर्व विधायक रमेश उरांव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओम प्रकाश सिंह, पूर्व माटी कला बोर्ड अध्यक्ष श्रीचंद प्रजापति, पूर्व अध्यक्ष बृज बिहारी प्रसाद, राजकिशोर महतो, मदन मोहन पाठक , राकेश प्रसाद, राजमोहन राम, जनजाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव, प्रदेश मंत्री अजातशत्रु, बजरंग उरांव, नवीन कुमार टिंकू, नीरज कुमार नलिन, सामेला भगत, सूरजमोहन साहू, हर्षनाथ महतो, राजकुमार वर्मा, बालकृष्णा सिंह अनिल उरांव, जगनंदन पौराणिक, छेदी राम, सरोज प्रजापति, विमलकांत सिंह, सुरेश बैठा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने दी.

किसानों के हित में होगा सेमरडीह नाली का जीर्णोद्धार : विनोद उरांव

सेमरडीह नाली का निरीक्षण करते जिप उपाध्यक्ष व समाजसेवी.

संवाददाता । किस्को/लोहरदगा

किस्को प्रखंड के ग्राम पंचायत खरकी के सेमरडीह गांव का में स्थित नाली का जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव व समाजसेवी कलिंदर भगत ने निरीक्षण किया. इस बीच नाली का निरीक्षण करने के पश्चात जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव ने कहा कि सेमरडीह नाली का जीर्णोद्धार हो जाने से सेमरडीह, परहेपाट, किस्को , हृदय टोली, अम्बा टोली, बिटलांग, बाला टोली, खरकी, जनवल, होंदगा, गोसाईं टोली समेत दर्जन भर गांवों के किसानों को खेती कार्य को मूर्त रूप देने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि नाली की भराई हो जाने से हजारों एकड़ भूमि सिंचित होने से वंचित रह जा रहा है. जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव ने कहा कि उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण से सेमरडीह नाली का जीर्णोद्धार कराए जाने हेतु मिलकर बात की जाएगी और फौरी तौर पर नाली का जीर्णोद्धार कराए जाने का प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा कि उक्त नाली का जीर्णोद्धार हो जाने से हजारों किसानों को खरीफ फसल पैदावारी करने में काफी मददगार साबित होगा. जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव ने कहा कि नाली की भराई हो जाने से दर्जनों गांवों तक पानी की उपलब्धता नहीं हो पा रही है.

औषधीय पौधों से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मिलता है बल :भारती

संवाददाता । लोहरदगा

पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास लोहरदगा के तत्वावधान में रविवार को कृषि बाजार स्थित शिव मंदिर प्रांगण में जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई. बैठक जिला के मुख्य योग प्रशिक्षक एवं जिला प्रभारी प्रवीण भारती की अध्यक्षता में हुई . जिसमें आगामी चार अगस्त को श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर जड़ी बूटी दिवस एवं औषधीय पौधों के गुणधर्म लाभ बताने सहित उनका वितरण एवं आगामी आगामी 20 अगस्त को मण्डल स्तरीय सम्मेलन को सफलतापूर्वक आयोजित करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया. जिला प्रभारी प्रवीण कुमार भारती ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जड़ी बूटी दिवस व्यापक तरीके आयोजित की जाय क्योंकि जड़ी बूटियों में रोग निवारण की अद्भुत क्षमता है, पर जानकारी के अभाव में हम उसका समुचित उपयोग

मंदिर परिसर की साफ-सफाई करते पतंजलि योग पीठ के लोग.

खास बातें

- जड़ी बूटी दिवस एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर बैठक
- औषधीय पौधों को लगाने पर जोर दिया व महत्व को बताया

नहीं कर पाते. बैठक को संबोधित करते हुए वनवासी कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृपा प्रसाद सिंह ने औषधीय पौधों को लगाने पर जोर दिया एवं इसके महत्व को बताया. समिति के राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं संरक्षक शिवशंकर सिंह एवं जिला पतंजलि योग समिति प्रभारी अभय भारती ने भी बैठक को संबोधित करते हुए जड़ी बूटी दिवस मनाने एवं संगठन के आगामी कार्यों को योजनाओं को सफलतापूर्वक संपन्न करने पर चर्चा किया. बैठक में मुख्य रूप से कृपा प्रसाद सिंह, दिनेश प्रजापति, राम कुमार वर्मा, दिनेश कुमार, रघुनंदन शर्मा, शम्भू कुमार, बसंत जी सहित अन्य लोग मौजूद रहे.

दुरूपयोग रख- रखाव के अभाव में खंडहर में तब्दील हो रही बिल्डिंग, पेशरार प्रखंड के लोगों को स्वास्थ्य उपकेंद्र जल्द चालू होने की उम्मीद

किस्को का पतरातू स्वास्थ्य उपकेंद्र बना भैंसों का तबेला

नेहाल अहमद । किस्को/ लोहरदगा

जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बगड़ू के पतरातू पावर हाउस पर स्थित स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 3 करोड़ रूपये की लागत से वर्ष 2018 में निर्मित स्वास्थ्य उप केन्द्र देख-रेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो रही है. उक्त स्वास्थ्य उपकेंद्र भैंसों के लिए चारागाह बना हुआ है, स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया, लेकिन स्वास्थ्य उपकेंद्र खुद बीमार हो रही है. लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई स्वास्थ्य उप स्वास्थ्य केंद्र में लोग

किस्को के पतरातू स्वास्थ्य उपकेन्द्र में भैंसों का बसेरा.

भैंस बांध रहे हैं. ज्ञात हो कि पतरातू उपकेंद्र के खिड़की दरवाजे सभी उखड़ रहे हैं, भवन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं.उक्त भवन का उद्घाटन तो कर दिया गया. लेकिन उपयोग नहीं होने से बेकार पड़ी हुई है, जिसमें सैकड़ों की संख्या में भैस विचरण करते रहते हैं, भवन के आस-पास झाड़ियां भी भर चुकी है. बता दें कि स्वास्थ्य उपकेंद्र बनने से किस्को प्रखंड के हिसरी,बगड़ू और पेशरार क्षेत्र के दर्जनों गांव को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकती थी, परंतु संचालन के अभाव में खंडहर में तब्दील उपकेंद्र ग्रामीणों को छोड़ ठेकेदारों का आमदनी के लिए निर्माण किया गया. यहां के लोग आज भी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण इधर-उधर भटकने को विवश हैं, सुविधाओं के अभाव में इलाज के लिए लोग दर-दर भटकने को विवश हैं,फिर भी उपकेंद्र का संचालन को लेकर प्रशासन निष्क्रिय है. ग्रामीणों का कहना है कि जब उपकेंद्र निर्माण हो रही थी तो ग्रामीणों में खुशी थी, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है. उक्त भवन का हैंडओवर तो कर दिया गया, परंतु कभी भी लोगो को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिला. यहां पर क्षेत्र के लोग उपकेंद्र संचालन की बाट जोह रहे हैं, लेकिन लोगों की उम्मीद सफल नहीं हो पा रही है, ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे भवन निर्माण कर सिर्फ सरकारी राशी का बंदरबांट करने का कार्य किया जाता है. मालूम हो कि किस्को प्रखंड अंतर्गत ग्राम पतरातू के अलावा मेरले,चरहु,कसियाडीह के व अन्य जगहों पर भी बनाए गए स्वास्थ्य उपकेंद्र देख-रेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो चुका है, विभाग द्वारा बड़े-बड़े भवन तो बना दिया गया है, परंतु देख-रेख के अभाव में सभी भवन खंडहर में तब्दील हो गये हैं.

14 साल पूर्व बना उप स्वास्थ्य केन्द्र खंडहर में तब्दील

किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत हिसरी पंचायत के ग्राम मेरले में लगभग 26 लाख की लागत से 14 वर्ष पूर्व स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कार्य कराया गया था, जो उद्घाटन के बाद एक माह भी सही तरीके से उपयोग नहीं हुआ . नया भवन बगैर उपयोग के खंडहर में तब्दील हो गए . यहां पर खिड़की दरवाजा चोरों द्वारा चोरी कर ली गई, लोग स्वास्थ्य उपकेंद्र का उपयोग मवेशी बांधने के लिए कर रहे हैं . सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस स्थान पर लाखों का स्वास्थ्य उपकेंद्र उपयोग के अभाव में खंडहर में तब्दील हो गई है . उक्त स्थान पर लगभग 100 मीटर की दूरी पर फिर से एक स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कराई गई . इस संदर्भ में ग्रामीणों का कहना है कि पहले से निर्मित भवन खंडहर में जिस प्रकार तब्दील हो गई . उसी प्रकार नया भवन भी सिर्फ सरकारी राशि का दुरूपयोग के लिए निर्माण हुआ है . बता दें कि सुनसान स्थान पर उपकेंद्र निर्मित होने के कारण उपयोग नहीं हो पाता है .

> स्टाफ की कमी के कारण क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन में थोड़ी परेशानी हो रही है . उन्होंने कहा कि उद्घाटन के बाद जरूरत के हिसाब से स्टाफ उपलब्ध नहीं हो पाया है . जिससे यह समस्या उत्पन्न हो रही है .
>
> **डॉ अशोक कुमार ओड़ेया**, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी .

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले हुए सेमिनार में आपराधिक कानून व हिट एंड रन मामलों में पुलिस की भूमिका पर चर्चा

नए आपराधिक कानूनों को पढ़ें और समझें : जिला उपायुक्त

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग के बैनर तले रविवार को सेमिनार का आयोजन किया गया. समाहरणालय परिसर स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपराधिक कानून, 2023 और हिट एंड रन मामलों में पुलिस की भूमिका को लेकर जागरूकता फैलाना था. इसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्य प्रकाश सिन्हा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम एसपी सिंह, कुटुंब न्यायाधीश संजीव दास, जिला उपायुक्त नैंसी सहाय और जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह उपस्थित हुए. वहीं मुख्य ट्रेनर के तौर पर हजारीबाग बार संघ के वरीय अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार ओझा, नवनीश चंद्र प्रसाद और शंकर बनर्जी भी मौजूद थे. सभी अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया. उपायुक्त ने सभी से नए आपराधिक कानूनों को पढ़ने और समझने की बात कही और इससे जुड़े सभी वर्गों से साथ मिलकर चलने की सलाह दी. कार्यक्रम में मंच संचालन न्यायिक पदाधिकारी अनुष्का जैन कर रही थी, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमय ने दिया. पूरे कार्यक्रम की देखरेख जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना और सिविल कोर्ट निबंधक दिव्यम चौधरी कर रहे थे.

समाहरणालय परिसर में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते वक्ता.

हिट एंड रन मामले पर प्रकाश डाला

जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम एसपी सिंह ने हिट एंड रन मामले पर प्रकाश डालते हुए पुलिस को उनके कर्तव्यों से अवगत कराया और पीड़ित को आर्थिक व कानूनी मदद पहुंचाने की प्रक्रिया के बारे में बताया. कहा कि नए कानून में दंड की नहीं न्याय की बात कही गई है. वहीं बतौर प्रमुख वक्ता वरीय अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 पर चर्चा करते हुए बताया कि इस नए कानून में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यमों को प्राथमिक साक्ष्य के रूप में अपनाया गया है, जिसके लिए गवाहों के बयानों और घटनास्थल की फोटोग्राफी को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में मान्यता मिल जाने की बात बताई. वरीय अधिवक्ता नवनीश चंद्र प्रसाद ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की विस्तार पूर्वक जानकारी स्लाइड शो के माध्यम से दी. उन्होंने एफआईआर, रिमांड, जमानत और जब्ती प्रक्रिया में किस प्रकार के बदलाव लाए गए हैं, पर चर्चा की. साथ ही विचारण व अनुसंधान में समय सीमा व उसके कार्य प्रणाली पर भी अपनी बात रखी.

परिवाद पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

वहीं वरीय अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार ओझा ने कोर्ट में परिवाद पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पर जानकारी देते हुए बताया कि परिवाद दायर के तुरंत बाद ही अभियुक्तों को नोटिस कर उन्हें कोर्ट बुलाया जाएगा, जहां उनके पक्ष को सुनने के बाद ही परिवाद की अग्रतर कार्यवाही की जाएगी. उन्होंने कहा कि इससे परिवादी और अभियुक्तों के बीच अगर सुलह की संभावना बनती है, तो यह सभी के लाभकारी सिद्ध हो सकता है. विचारों के आदान-प्रदान के दौरान प्रश्नावली सत्र भी चलाया गया, जहां कई लोगों ने अपने प्रश्नों से अपना और सभी के संदेह को दूर किया. कार्यक्रम के अंत में प्रधान जिला जज सत्य प्रकाश सिन्हा ने कहा कि इस परिचर्चा से सभी लाभान्वित हुए होंगे. उन्होंने कहा कि सभी लोग वर्तमान में सीखने की प्रक्रिया में हैं और साथ ही सभी से इसे सीखने व जानने की बात कही. कार्यक्रम में एमवीएसीटी के पीठासीन पदाधिकारी दीपक मल्लिक, कुटुंब न्यायाधीश संजीव दास और लोक अभियोजक मनोजझा ने भी अहम जानकारियां दी.

सड़क हादसे में महिला का हाथ कटा, इलाज के दौरान हुई मौत

संवाददाता। हजारीबाग

चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत चरही-घाटों मुख्यमार्ग के बहेरा पूल के समीप शनिवार रात करीब आठ बजे ऑटो की एक वाहन के साथ टक्कर हो गयी. इस हादसे में एक महिला यात्री का दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया था. गंभीर रूप से घायल महिला को मांडू अस्पताल में भर्ती किया गया. हालांकि महिला की नाजुक स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. महिला की पहचान संजू देवी (40 वर्षीय) के रूप में हुई है. संजू देवी तिरला के घाटों की ओर जा रही थी. तभी बहेरा पुल के समीप एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से यह हादसा हो गया.

ब्रीफ खबरें

भाजपा जिला अध्यक्ष हादसे में बाल-बाल बच्चे

कटकमसांडी। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर हेदलाग गोविंदपुर होते हुए अपने आवास लोट रहे हजारीबाग भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह की गाड़ी अनियंत्रित होकर चहारदीवारी में टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गई. गनीमत रहीं कि इस घटना में जिला अध्यक्ष को मामूली चोट ही आई. स्थानीय युवाओं ने लोगों को सूचना दी. इसके बाद हेदलाग और गोविंदपुर के लोग तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और गाड़ी से अध्यक्ष को बाहर निकाल कर इलाज के लिए हजारीबाग अस्पताल भेजा गया. जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा व प्रखंड के दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे. विवेकानंद खतरे से बाहर हैं.

पिपराकोनी में बनेगा करोड़ों रुपये का पुल

चौपारण। बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला प्रखंड के चहुंमुखी विकास की गाथा लगातार लिख रहे हैं, जिसमें कई ऐसी योजनाओं के भी कार्य हुए हैं जो आजादी के बाद भी नहीं हो पाये थे. ऐसी ही एक और योजना का कार्य विधायक के अथक प्रयास से होने जा रहा है. विधायक के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार यादव ने बताया कि चौपारण प्रखंड के सुदूवर्ती गांव ग्राम पिपराकोनी आज़ादी के बाद भी मुख्यालय से कटा हुआ है. बरसात के दिनों में नदी में पानी भरने के बाद गांव के लोगों को मुख्यालय आने के लिए भी सोचना पड़ता है.

स्क्रैप व्यवसायियों ने अपनाया नया हथकंडा, बच्चों का कर रहे इस्तेमाल

शहर से गांव तक विद्यालय छोड़ कचरा उठा रहे नौनिहाल

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

हजारीबाग की सड़कों पर इन दिनों छोटे-छोटे बच्चों को कबाड़ चुनते हुए शायद आपने देखा होगा, लेकिन इसके पीछे का खेल क्या है यह नहीं जानते होंगे. शुभम संदेश अपनी इस रिपोर्ट में इसके पीछे के खेल का पर्दा उठा रहा है. जिले के शहरी इलाकों में नौनिहाल पढ़ने लिखने की उम्र में कबाड़ चुनने का काम कर रहे हैं. इसके पीछे एक बहुत बड़ा रैकेट काम कर रहा है. स्क्रैप के व्यापारी स्कूल के बच्चों को ठेला गाड़ी मुहैया करा कर उनसे कबाड़ चुनवाने का काम करा रहे हैं. इसके एवज में उन्हें प्रतिदिन महज 70 से 80 रुपये दिये जा रहे हैं, जबकि उनके द्वारा दिया गया कबाड़ लगभग 15 सो रुपये का होता है. ये बच्चे घरों व मोहल्लों के अलावा दुकानों के आसपास भी ठेला गाड़ी में रद्दी उठाते हुए नजर आ जाएंगे. खासकर, प्लास्टिक और शीशे की बोतल ये चुनते हैं. एक ठेला गाड़ी में तीन बच्चे रहते हैं. हजारीबाग में सैकड़ों की संख्या में ऐसी ठेला गाड़ी देखी जा रही है. लगभग 500 से अधिक बच्चे कूड़ा उठाते हुए शहरी इलाकों के अलावा गांवों में भी दिख जाएंगे. दिनभर बच्चे स्कूल जाने के बजाय ठेला गाड़ी से कबाड़ चुनते हैं और शाम 6 बजे ठेला गाड़ी मालिकों को वापस कर देते हैं. जब तक ठेला गाड़ी पूरी तरह से भर नहीं जाए, बच्चों को काम करने के लिए कहा जाता है. कबाड़ चुनने वाले बच्चों ने खुद इस गोरखधंधे की सच्चाई बताई है. शुभम संदेश ने बच्चों से बात की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. इससे पहले शायद ही किसी ने इस सच्चाई जानने की कोशिश की हो. अब ऐसे में समाज को सामने आना होगा और बच्चों एवं अभिभावकों को जागरूक करना होगा. साथ ही सरकार को भी शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत इसे मामले को संज्ञान में लेना होगा. वरना आने वाले कुछ समय में ये बच्चे अनपढ़ होकर नशा और अपराध के दल-दल में फंस जाएंगे.

कागज तक सिमट गया है शिक्षा अधिकार अधिनियम

सड़क पर ठेला गाड़ी पर कचरा लेकर जाते बच्चे.

करोड़ों रुपये में होता है स्क्रैप का बिजनेस : बता दें कि स्क्रैप का बिजनेस करोड़ों रुपये में होता है. हजारीबाग में लगभग 7 से 8 स्क्रैप के बड़े व्यवसाई हैं. मंडई, खीरगांव, चिश्तिया, मोहल्ला, पेलावल, इचाक, नगवां में इनका व्यापार देखा जा सकता है. सभी स्क्रैप के व्यवसायियों की दुकानों के सामने ठेला गाड़ी जरूर दिख जाएगी. पहले ये वयस्क लोगों को ठेला गाड़ी उपलब्ध कराते थे, लेकिन अब इनका काम करने का तरीका बदल गया है और ये छोटे-छोटे बच्चों को लालच देकर काम करवा रहे हैं. हजारीबाग के स्थानीय ई रिक्शा चालक राजेश कुमार, गोविंद कुमार बताते हैं कि हजारीबाग का शायद ही ऐसा कोई मोहल्ला हो जहां बच्चे ठेला गाड़ी के साथ देखने को नहीं मिले. यह शिक्षा का अधिकार कानून का भी उल्लंघन है. इस पर अभिभावक, छात्र, अधिकारी और सरकार पर भी कार्रवाई हो सकती है. इसके बावजूद इन छोटे-छोटे बच्चों से सरेआम काम कराया जा रहा है और इन्हें देखने वाला कोई नहीं है. ऐसे में कहा जा सकता है कि उक्त कानून केवल कागज पर लागू है. कानून का विधिवत अनुपालन न होने के कारण क्षेत्र में छह से 14 वर्ष तक के बच्चे स्कूल जाने की जगह सुबह से कबाड़ को एकत्र करने निकल पड़ते हैं. इसके बदले मिलने वाले पैसे से बच्चे नशा भी करते देखे जा सकते हैं.

क्या कहते हैं इससे संबंधित अधिकारी

जब इस बाबत बाल कल्याण पदाधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में आपके जरिए जानकारी मिली है, अब इस पर संज्ञान लिया जाएगा. जब इस बारे में जिला श्रम अधीक्षक को जानकारी दी गई तो वह भी चौंक गए. बोले कि किस तरह से हजारीबाग में एक बड़ा नेटवर्क कम कर रहा है. उन्होंने भी कहा कि इस बाबत जानकारी नहीं मिली थी, लेकिन अब जानकारी मिली है तो कार्रवाई भी की जाएगी.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. आरसी मेहता ने सुदूरवर्ती गांव डोनडवा में कहा

जरूरतमंदों को दें अबुआ आवास

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड सरकार कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को पक्का मकान मुहैया कराने के लिए अबुआ आवास योजना चला रही है. इसके साथ यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई योजना के तहत गरीबों को पांच किलो निशुल्क चावल 20 वर्ष से दिया जा रहा है. ये बातें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. आरसी मेहता ने कटकमसांडी प्रखंड के सुदूरवर्ती जंगल में बसे गांव डोनडवा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं.

डोनडवा गांव आदिवासी एवं पिछड़ों-गरीबों का है. इस गांव में आधी आबादी कच्चे मकान में रहती है. डॉ. मेहता ने कहा कि मैं बीडीओ, जिला उपायुक्त एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूं कि ऐसे सभी जरूरतमंदों का निरीक्षण कर बिना भेदभाव उन्हें अबुआ आवास मुहैया कराया जाए. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अबुआ आवास के नाम पर जरूरतमंदों दोहन किया जा रहा है, जिसका संज्ञान लिया जाए. उन्होंने कहा कि आज मैं जिस मकान के सामने खड़ा हूं यह मकान मसोमात कोईली मुंडा का है. इनका पति मोचीराम मुंडा का लगभग एक माह पूर्व विषैले सांप के काटने से मृत्यु हो चुकी है.

पत्नी और परिवार के सदस्य बेसहारा हो चुके हैं. सांप के काटने के बाद रोगी को कटकमसांडी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था, पोस्टमार्टम नहीं कराया गया. आपदा के तहत 4-5 लाख रुपये आपदा प्रोत्साहन राशि भी नहीं मिली. प्रखंड विकास पदाधिकारी का कर्तव्य बनता है कि मृतक परिवार को प्रोत्साहन राशि एवं अबुवा आवास देने की प्रक्रिया शुरू करें. कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस कोऑपरेटिव जिला अध्यक्ष राजकुमार मेहता, बिहारी मांझी, पूर्व मुखिया रहमत अंसारी, जलाल महतो, गणेश महतो, विजय महतो, अजीत दांगी, मंगरा मुंडा, महादेव दांगी, रोशनी देवी आदि मौजूद रहे.

भाजपा नेता हजारीबाग में बनवाएगा राम मंदिर

हजारीबाग। अयोध्या की तर्ज पर हजारीबाग में भी भव्य राम मंदिर बनेगा. मंदिर का निर्माण सिंघानी फोर लेन के नजदीक होगा. भाजपा नेता सह मंदिर निर्माण कमिटी के अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि इसके लिए राम मंदिर निर्माण हेतु कमेटी का भी विस्तार किया गया है, जिसमें नीरज कुमार गुप्ता को अध्यक्ष, बसंत कुमार मेहता, कुणाल यादव, रामप्रकाश चौधरी, नितेश सिंह, राजू मेहता, छोटी मेहता को सचिव जबकि सतीश पासवान, आशीष कुमार साव, दिलीप पासवान, रतिलाल मरांडी, सचिन यादव और रवि गुप्ता को उपाध्यक्ष बनाया गया है. संरक्षण समिति में पूर्व जीप अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल, सांसद मनीष जायसवाल और हरि किशोर यादव को बनाया गया है. भूमि पूजन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित होंगे.

सुरक्षा के मामले में एनटीपीसी माइंस को मिला तीसरा स्थान

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें
- कोलकाता में हुए कार्यक्रम में दिया गया पुरस्कार
- सीआईटीयू के जिला उपाध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद दिया

कोलकाता में रविवार को संपन्न मन सेफ्टी अवार्ड 2024 में हजारीबाग के पकरी बरवाडी कोल माइंस प्रोजेक्ट एनटीपीसी को सुरक्षा के मामले में देशभर में तीसरा स्थान मिला है. यह अवार्ड डायरेक्टर जनरल माइन सेफ्टी के हाथों बकरी बरवाडी कोल माइंस के अधिकारी शिवम श्रीवास्तव, डायरेक्टर फ्यूल ने लिया है. सी आई टी यू के जिला उपाध्यक्ष गणेश कुमार सीटू ने पकरी बरवाडीह कोल माइंस के तमाम मजदूरों, कर्मचारियों और अधिकारियों को धन्यवाद दिया है और चिंता जाहिर की है कि जिस माइंस में कोई यूनियन नहीं है उस माइंस को देश का तीसरा सबसे सुरक्षित माइन मान लेना वहां कार्यरत मजदूरों के साथ अन्याय है. डायरेक्टर जनरल माइन सेफ्टी को और पकरी बरवाडीह कोल माइन के अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए. साथ ही हॉल रोड की चौड़ाई और अन्य सुरक्षा कार्यों पर भी अधिक ध्यान देना चाहिए ताकि वहां पर कार्यरत मजदूर, कर्मचारी और अधिकारी सुरक्षित रहकर देश हित में अधिक से अधिक कोयले का उत्पादन कर सके और देश उन्नति के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ते रहे.

तालाब को साफ व स्वच्छ रखने और पौधरोपण का लिया संकल्प

संवाददाता। हजारीबाग

कटकमदाग थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 कुद गांव में रविवार को गांव वालों ने तालाब को साफ व स्वच्छ रखने और पौधरोपण करने का संकल्प लिया है. गांव के विजय कुमार साहू ने बताया कि हर साल ग्लोबल वार्मिंग के कारण गर्मी बढ़ती जा रही है, जिससे निजात पाने के लिए पौधरोपण बहुत ही जरूरी है.

उन्होंने यह भी बताया कि यह एक सार्वजनिक तालाब है, जिसका सुंदरीकरण किया जा रहा है. ग्राम वासियों द्वारा तालाब में गंदगी न फैलाने और इसे स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया है. मौके पर महावीर साव, किसुन ठाकुर, कृष्ण कुमार, पंकज ठाकुर, दीपक पासवान, उमेश साव, जुगेंद्र साव, किशोरी साव, भुनेश्वर साव, रवि कुमार, मनीष कुमार, राजू साव, भोला साव, राजेश कान्दू, अजय राम, रामचंद्र प्रजापति, प्रेम प्रजापति, गुडंन साव, सूरज कुमार, प्रकाश कुमार, दिनेश साव, उपेंद्र साव, डोमन साव, महादेव साव, देवकी साव, गणेश साव, नेमिचंद साव, नरेश साव, सुरेंद्र साव, हलेश्वर साव एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद थे.

तालाब को साफ व स्वच्छ रखने और पौधरोपण करने का संकल्प लेते युवा.

रामगढ़ शहर के आठ केंद्रों पर हुई चौकीदार बहाली की परीक्षा

संवाददाता। रामगढ़

चौकीदार बहाली को लेकर रामगढ़ शहर के अलग-अलग आठ केंद्रों पर रविवार को लिखित परीक्षा संपन्न हुई. इस दौरान डीसी और एसपी अजय कुमार ने रामगढ़ उच्च विद्यालय कोयरीटोला, छावनी मध्य विद्यालय नई सराय रामगढ़, छावनी मध्य विद्यालय सुभाष चौक और गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय, रामगढ़ का निरीक्षण कर चल रही लिखित परीक्षा का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान एसपी ने सभी केंद्र अधीक्षकों सहित परीक्षा कार्य में लगे सभी संबंधित अधिकारियों को चौकीदार बहाली के तहत निर्धारित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ लिखित परीक्षा पूर्ण कराने का निर्देश दिया.

चौकीदार बहाली के एक परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते एसपी अजय कुमार.

दनुवा घाटी में हुआ भीषण हादसा, लोहे का एंगल लदा ट्रक खाई में गिरा

चालक की मौत, उप चालक गंभीर

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के दनुवा घाटी में लोहे का एंगल लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस घटना में ट्रक चालक की मौत हो गयी, जबकि उप चालक गंभीर रूप हो घायल हो गया.

घटना के संबंध में बताया जाता है कि ट्रक कोलकाता से लोहे का एंगल लोड कर पंजाब जा रहा था. इसी क्रम में जीटी रोड दानुवा घाटी के समीप अचानक टेलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरकर पलट गया और ट्रक में लदा सारा एंगल सड़क एवं खाई में बिखर गया, जिससे टेलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. ट्रक पलटने से वाहन का अगला हिस्से में लोहे का एंगल से पूरी दब गया, जिससे चालक शिवम कुमार, पिता मनीष कुमार यादव, ग्राम नगला बहोरी, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश की दबने से मौत घटना स्थल पर हो गई एवं उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गया. कांवड़ियों ने घायल उपचालक को अपने साथ ले जाकर अपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती करवाया. वहीं सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और राहत कार्य चला कर ट्रेलर में दबे चालक को वाहन से बाहर निकाला और सामुदायिक अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया.

दनुवा घाटी में खाई में गिरकर क्षतिग्रस्त हुआ लोहे का एंगल लदा ट्रक.

राजनीति | प्रखंड अध्यक्ष बोले- महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये देगी राज्य सरकार, अवश्य लाभ लें

पेटो पंचायत में कांग्रेस पार्टी की बूथ कमेटी का पुनर्गठन

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड क्षेत्र की पेटो पंचायत में कांग्रेस पार्टी की बैठक रविवार को संपन्न हुई. इसकी अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष भागीरथ साव और संचालन प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार गुप्ता ने किया. बैठक में मुख्य रूप से इंटक प्रदेश सचिव अंकित राज व मुखिया प्रतिनिधि गुरदयाल साव, पंचायत समिति सदस्य अरविंद साव मौजूद रहे. बैठक के दौरान पंचायत स्तरीय बूथ कमेटी का गठन किया गया. इस दौरान पूर्व में अनुशंसित विकास योजनाओं की समीक्षा की गई. उक्त कार्यों में तेजी लाने पर मंथन हुआ. इस दौरान बूथ कमेटी बनाकर सभी बूथ स्तर पर कार्य कर आगामी चुनाव में विधायक अंबा प्रसाद को 50 हजार मतों के अंतर से जिताने का सभी ने संकल्प लिया.

पेटो पंचायत में रविवार को आयोजित कांग्रेस पार्टी की बैठक में उपस्थित पार्टी के नेता व कार्यकर्ता.

मुखिया प्रतिनिधि गुरदयाल साव ने कहा कि पंचायत के हर हिस्से तक विकास की किरण पहुंची है. विधायक अंबा प्रसाद द्वारा हर प्रकार से मदद की जा रही है, जिससे पंचायत में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं. वहीं रविंद्र गुप्ता ने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य हो रहा है, संगठन को मजबूत करने की दिशा में बूथ कमेटी का गठन किया जा रहा है. कांग्रेस का हर एक सच्चा कार्यकर्ता चट्टान की तरह मजबूत होकर कार्य कर रहा है. आगे उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 1000 रुपये प्रतिमाह प्रदान करने हेतु योजना शुरू की है. अंकित राज ने क्षेत्र की महिलाओं से इस योजना का भरपूर लाभ लेने की अपील की. संगठन में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है. महिला विधायक होने से क्षेत्र की महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है.

मौके पर प्रखंड अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, चंदन गुप्ता मंडल अध्यक्ष ,पंचायत अध्यक्ष भागीरथ साव, मुखिया प्रतिनिधि गुरुदयाल साव, महिला नेत्री सह पंचायत सचिव शकुंती देवी, सोनिया कुमारी, विकास कुमार रजक, उमेश कुमार, गुड़िया देवी, मनोज राम,पिंकी देवी, अयूब मियां, महादेव साव, धनंजय कुमार मिश्रा, रमेश साव, हीरामन साहू, चितरंजन प्रसाद, अनिल रजक, छोटन साव, वीरेंद्र साहू, जनक साहू, राजेंद्र प्रसाद साव, आकाश गुप्ता, प्रकाश ठाकुर, विनोद राम, बलदेव रजक, गोपाल रजक, जावेद अंसारी, धनंजय मिश्रा, शत्रुघ्न साहू, उमेश प्रसाद, अजय भैया, विशेश्वर साव, विष्णु गुप्ता, गौतम गुप्ता, भुनेश्वर गुप्ता, किरण भुइयां, गुलाम भुइयां, कलेश्वर साहू, शोभा साहू, बासुदेव रजक, बबलू साव आदि उपस्थित हुए.

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर शिविर का आयोजन

100 लोगों ने कराई आंखों की जांच

संवाददाता। हजारीबाग

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सैय्यद तनवीर अहमद की अध्यक्षता में पेलावल उत्तरी पंचायत भवन में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया.

इसका उद्घाटन भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश कार्य समिति सदस्य कय्यूम अहमद ने किया. उन्होंने डॉ. कलाम को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. समारोह में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री विनीत जैन, जिला कोषाध्यक्ष अबू ताल्हा हाश्मी, कटकमसांडी पूर्वी मंडल अध्यक्ष जैनूल अंसारी, कटकमसांडी पूर्वी जिला परिषद सदस्य मंजू नंदिनी, मनीष ठाकुर, एकराम अंसारी, कुर्बान अंसारी, जैनुल अंसारी आदि उपस्थित रहे. शिविर का आयोजन एस4 आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया. शिविर में तीन डॉक्टरों और पांच स्टाफ सदस्यों ने अपनी सेवाएं दीं. इसमें लगभग सौ लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई. इस अवसर पर सैय्यद तनवीर अहमद ने कहा, "डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने देश के विकास में जो योगदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता. उनका जीवन हमें प्रेरित करता है और इस शिविर का आयोजन उनके प्रति सम्मान प्रकट करने का एक तरीका है. शिविर में उपस्थित लोगों ने इस प्रयास की सराहना की. विनीत जैन ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का धन्यवाद किया.

शिविर में लोगों की आंखों की जांच करते चिकित्सक.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से धन भाव में चंद्रमा बहुत ही अनुकूल है. रुके कार्य पूर्ण होंगे. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. अन्न दान करें.

वृषभ मानसिक शांति मिलेगी. कार्य नहीं होने से क्रोध बढ़ेगा. विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं.

मिथुन विदेश में बसे लोगों के लिए दिन उत्तम है. खर्च में वृद्धि होगी. पर समाज में या घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी. कार्यसिद्धि होगी. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें.

कर्क आय के लिए अच्छी खबरें मिलेंगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा. आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है.

सिंह लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है.

तुला किसी परिचित से कोई विवाद हो सकता है. छोटी यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा.

वृश्चिक जीवनसाथी के साथ अच्छा सामंजस्य स्थापित होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

धनु मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा.

मकर संतान के कार्य में गति मिलेगी. पर कार्य के लिए भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी.

कुंभ समय उत्तम है.गृह उपयोगी सामग्री एकत्र होगा. माता से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. काली वस्तु का दान करें.

मीन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं. बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. खर्चों में कमी करना होगी.

कुड़ू प्रखंड में चार महीने से विभिन्न गांवों के लोगों के घर और खेत में लगी फसल को पहुंचा रहा है नुकसान

झुंड से बिछड़ा हाथी बना कुड़ू वासियों की जान-माल का दुश्मन

नवाज खान।कुड़ू /लोहरदगा

जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र में विगत चार महीने से जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर तांडव मचा रखा है. यहां पर घूम-घूम कर कभी लोगों के आशियाने को ध्वस्त कर क्षति पहुंचा रहा है तो कभी किसानों के द्वारा अपने खेतों में लगाए गए फसलों को भी रौंदकर आर्थिक नुकसान पहुंचाने का कार्य कर रही है. इससे भुक्तभोगी गरीब असहाय परिवार वालों की कमर टूट गई है. यहां पर जंगली हाथियों के तबाही से कुड़ू प्रखंड क्षेत्र वासियों को सकते में डाल दिया है.

चार महीने से विचरण करते हाथियों ने पहुंचाया नुकसान : लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ू कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र में विगत चार महीने से गजराजों की टीम और एक अकेला हाथी ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है. यहां पर वन विभाग की टीम लगातार जंगली हाथियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने को लेकर रात-दिन गांव वालों से मिलकर प्रयास कर रही है लेकिन गजराजों की टोली कुड़ू कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र से जाने को तैयार नहीं है. बता दें कि विगत एक सप्ताह से गजराजों की पूरी टीम तीन हिस्सों में बंटकर गरीबों और किसानों का जमकर आर्थिक क्षति पहुंचा रही है. यहां के भुक्तभोगी ग्रामीणों ने बताया कि कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों में विगत एक सप्ताह से लगातार गजराज महाराज की टीम उत्पात मचा रखी है, जिससे लोगों को जान-माल का काफी क्षति पहुंचा है. कुड़ू प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने बताया कि जंगली हाथियों के झुंड और एक अकेला गजराज महाराज के तबाही से लगभग 20 लाख रूपये से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है. इधर रविवार को कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदलासो के हरैया पतरा होते हुए हेंजला मुस्लिम कब्रिस्तान से होकर चंदलासो पंचायत सचिवालय के बगल पर स्थित मनोज गडेरी के घर को तोड़ डाला और घर में रखे अनाज को चट कर गया. तत्पश्चात गजराज महाराज की टोली चंदलासो पंचायत के कुछ दूरी पर स्थित एक किसान का आम बागवानी को तहस-नहस करने के बाद 23 हाथियों का झुंड पुरनाडीह जंगल में जा घुसा.

कुड़ू प्रखंड के चंदलासो पतरा में विचरण झुंड से बिछड़ा हाथी.

भाजपा, कांग्रेस व झामुमो से ऑफर, लेकिन गठबंधन पर निशाना साध अलग राह तैयार करने में जुटे

विधानसभा चुनाव में किस करवट बैठेंगे जयराम महतो

कौशल आनंद।रांची

लोकसभा चुनाव मैदान में उतरकर दमदार उपस्थिति दर्ज करा चुके जयराम महतो और उनका संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाने और मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने को बेचैन दिख रहा है. लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद से ही जयराम महतो और उनके संगठन ने विधानसभा चुनाव को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है. झारखंड की राजनीति में युवा टाइगर के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके जयराम महतो को अंदर ही अंदर झारखंड के तीन प्रमुख बड़े दल से उनके गठबंधन में शामिल होने का न्योता मिल चुका है. इतना ही नहीं पूर्व विधायक, झारखंड आंदोलनकारी और झारखंड पीपुल्स पार्टी के प्रमुख सूर्य बेसरा ने भी उन्हें अपने पाले में करने के लिए आमंत्रित किया है. 29 जुलाई को रांची के विधायक क्लब हॉल में तीसरा मोर्चा के गठन के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें जयराम महतो के संगठन जेबीकेएसएस के अलावा झारखंड के 15 अन्य राजनीतिक दलों व संगठनों को बुलाया गया है. अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या जयराम महतो इस तीसरे मोर्चे का हिस्सा बनते हैं, किसी अन्य राजनीतिक दल के गठबंधन में शामिल होते हैं या फिर अपनी खुद की अलग राह पकड़ते हैं.

भाजपा, हेमंत और झामुमो पर लगातार हमले कर रहे हैं जयराम महतो, क्या है रणनीति : एक तरफ जहां झारखंड के तीन प्रमख बड़े दलों द्वारा इंटरनली अपने-अपने खेमे में शामिल होने के लिए जयराम महतो को न्योता मिल रहा है, वहीं जयराम महतो लगातार झामुमो, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा पर हमले कर रहे हैं.

पिछले शुक्रवार को जयराम महतो ने झामुमो और सीएम हेमंत पर बड़ा हमला बोला. कहा कि आदिवासियत केवल कागजों पर नहीं दिखनी चाहिए. उन्होंने हेमंत सोरेन को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वे वाकई में आदिवासी हितैषी हैं, तो नेमरा और गोला छोड़कर बाकी जहां भी उनकी जमीन है, उसे आदिवासी और मूलवासियों को वापस कर देनी चाहिए. जयराम यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि 2019 में राज्य की जनता ने जिस उम्मीद के साथ गठबंधन और उसके नेता हेमंत सोरेन को कुर्सी सौंपी थी, उसमें मुख्यमंत्री और गठबंधन विफल रहा.

जयराम महतो ने हाल में नगर विकास विभाग और आवास विभाग में हुई नियुक्तियों में बाहरियों के चयन पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए सीएम, सरकार और झामुमो को कठघरे में खड़ा किया. इतना ही नहीं जयराम महतो लोकसभा चुनाव के वक्त से ही लगातार भाजपा और आजसू को भी घेर रहे हैं. तो अब सवाल यह उठता है कि आखिकार जयराम महतो के मन में क्या चल रहा है. वे आखिरकार विधानसभा चुनाव में किस करवट बैठेंगे, इस पर सबकी नजरें टिकी होंगी और कहीं न कहीं इसका असर विधानसभा चुनाव और उसके बाद बनने वाली सरकार पर दिखेगा.

- पूर्व विधायक और आजसू के संस्थापक जेपीपी प्रमुख सूर्य सिंह बेसरा आज फिर तीसरे मोर्चा का गठन करेंगे, जयराम महतो को भी भेजा गया न्योता
- सबसे अधिक नुकसान आजसू को ही, भाजपा की ओर से ऑफर दिये जाने की बात से सुदेश महतो चल रहे हैं नाराज

बतौर कुरमी नेता जयराम महतो और जेबीकेएसएस के बढ़ते प्रभाव से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो समेत अन्य नेता टेंशन में

झारखंड की राजनीति में जयराम महतो का उदय न केवल एक युवा नेता के रूप में हुआ है, बल्कि एक बड़े कुरमी नेता के रूप में भी हुआ है. इसको लेकर सबसे अधिक टेंशन में आजसू पार्टी और उनके प्रमुख सुदेश महतो हैं. झारखंड राज्य गठन के बाद कई वर्षों तक बतौर कुरमी के युवा बड़े नेता के रूप में सुदेश की पहचान रही. लेकिन सुदेश महतो के दो विधानसभा चुनाव हारने के बाद आजसू पार्टी का ग्राफ भी काफी गिरा है. और अब जयराम के उदय के बाद कहीं न कहीं सुदेश महतो का एकक्षत्र कुरमी नेता का तमगा छिनता नजर आ रहा है. अगर जयराम का संगठन विधानसभा चुनाव में अकेले भी चुनाव में उतरता और अगर कोई दो-पांच सीट से ही जीतता है, तो निश्चित ही वे बड़ युवा कुरमी नेता और किंग मेकर की भूमिका में आ सकते हैं. इधर भाजपा के इंटरनल ऑफर से सुदेश महतो भी भाजपा से नाराज बताए जा रहे हैं.

जयराम ने ऑफर की बात स्वीकारी

मगर किसी भी गठबंधन में शामिल होने से किया इनकार

इसको लेकर जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियों के नेता पिछले दिनों उनसे संपर्क किया था, मगर वे वह किसी भी पार्टी या नेता के संपर्क में नहीं है. सरयू राय से किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना से इंकार करते हुए जयराम महतो ने कहा कि वह जहां हैं, वहां ठीक हैं. अभी मैं विधानसभा चुनाव तैयारी में और संगठन मजबूती पर में जुटे हैं

कृषि अधिकारी बता कर साइबर ठग ने किसान से ठगे साढ़े तीन हजार रुपये

गुमला। सदर अस्पताल गुमला में इलाज कराने आए मोरेंग के किसान सत्य नारायण राम को साइबर अपराधियों ने श टीवीनिवार को कृषि पदाधिकारी बनकर साढ़े तीन हजार रुपये का चूना लगाया है. ठगी का अहसास होने के बाद सत्यनारायण राम ने गुमला थाना में अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है. दर्ज शिकायत में किसान सत्यनारायण राम ने बताया कि शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में एक कॉल आया. कॉल रिसिव करने पर कहा कि वह कृषि विभाग के अधिकारी हैं. आपके नाम से सूखा राहत योजना के तहत एक ट्रैक्टर निकला है. साढ़े सात हजार रुपये सिक्युरिटी चार्ज जमा करेंगे तो ट्रैक्टर आपको भेज दिया जाएगा. किसान ने साइबर ठग के झांसे में आ गया .

घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर सर्वदलीय बैठक

धरमबहाल पंचायत मंडप में बैठक करते लोग.

संवाददाता।घाटशिला

घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर अब गोलबंदी शुरू हो गयी है. रविवार को घाटशिला प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित धरमबहाल पंचायत मंडप में अभियान फॉर ए बेटर टुमारो संस्था की ओर से घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया. पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश कुमार षड़ंगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्माति से घाटशिला को जिला बनाने की मांग की गयी. कहा गया कि घाटशिला जिला बनाने की सभी अहर्ताएं पूरी करता है. सर्वदलीय एवं सर्वपक्षीय बैठक में मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखे.

सर्वदलीय बैठक में लोगों ने अपनी-अपनी बात रखी. चर्चा हुई कि घाटशिला को जिला क्यों बनना चाहिए, अब तक जिला क्यों नहीं बना. जिला निर्माण की बाधाएं कैसे दूर करें जैसे बिंदुओं पर लोगों के विचार को सूचीबद्ध कर प्रस्ताव तैयार किया. तैयार प्रस्ताव को संबंधित विभाग के जिम्मेदार पदाधिकारी तक पहुंचाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री जानूम सिंह सोय, राकेश शर्मा, प्रो. मित्रेश्वर, साधु चरण पाल, प्रो डॉ नरेश कुमार, प्रो. इंदल पासवान, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, लखन माडी, सुरेश चौहान, मुखिया पार्वती मुर्मू, शेख अखरुद्दीन शाहिद सहित काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया.

मन की बात कार्यक्रम पर बाबूलाल मरांडी ने कहा

प्रकृति, संस्कृति के साथ विकास व विरासत का संदेश है मन की बात

संवाददाता।रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 112वां एपिसोड रविवार को संपन्न हुआ. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात सुनकर भारत दर्शन का अनुभव होता है.

प्रधानमंत्री का यह संबोधन भारत की प्रकृति, संस्कृति, विकास और विरासत से देश की जनता को परिचित कराता है. यह कार्यक्रम सभी वर्गों के लिए लाभकारी है. विशेषकर युवाओं और बच्चों को भारत की महान विरासत और प्रगति के नए आयामों से भी परिचित कराता है.

बन गया है जन जन की बातः अमर कुमार बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जन जन की बात बन गया है. इसमें राष्ट्र भक्ति है, राष्ट्र शक्ति है,परंपरा है, प्रगति है. प्रधानमंत्री का यह संबोधन जन-जन को जोड़ता है.

भाजपा सांसद के खिलाफ प्रदर्शन कल

गढ़वा। भाजपा सांसद द्वारा लोकसभा में झारखंड राज्य के अभिन्न अंग संथाल परगना प्रमंडल, बिहार एवं पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर यूनियन टेरिटरी बनाने के सम्बन्ध में दिए गए बयान का झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कड़ी निन्दा की है. इस संबंध में झामुमो जिला सचिव मनोज ठाकुर ने कहा कि यह बयान झारखंड एवं झारखंडी विरोधी मानसिकता का परिचायक है. इसके विरोध में 30 जुलाई को गढ़वा जिला झामुमो विरोध प्रदर्शन करेगा.

निजी स्कूलों के भी गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चे भी ड्रेस प्रोत्साहन राशि के हकदार

आठवीं से 12वीं तक के बच्चों को भी ड्रेस भत्ता दे सरकार : दुबे

- वित्त मंत्री सह पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ रामेश्वर उरांव को भी बच्चों की भावनाओं से अवगत कराया

संवाददाता।रांची

सरकारी स्कूल में नामांकित आठवीं, नौवीं, 10वीं, 11वीं व 12वीं के बच्चों को स्कूल ड्रेस के लिए प्रति बच्चा दी जानेवाली 600 रुपये की राशि को बढ़ाकर 2000 रु करने और स्वेटर व ब्लेजर के लिए अतिरिक्त 2000 यानि कुल 4000 रुपये प्रति बच्चा देने के सरकार के प्रस्ताव का पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने स्वागत किया है. साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से यू-डायस प्राप्त निजी विद्यालयों के भी क्लास 8, क्लास 9 और क्लास 10 के बच्चों को भी स्कूल ड्रेस के लिए भत्ता देने की मांग की है. उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों के भी लाखों गरीब,आदिवासी,दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चे सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन राशि के हकदार हैं.उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द पोशाक राशि और सरकार द्वारा दी जा रही अन्य प्रोत्साहन राशि के लिए यूआईडीएआई प्राप्त सभी स्कूलों के बच्चों को भी यह सुविधा मुहैया कराया जाए.

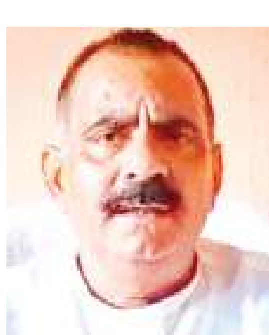

आलोक कुमार दुबे.

एक से आठ तक के बच्चों के ड्रेस की राशि में बढ़ोतरी का प्रस्ताव

पासवा अध्यक्ष आलोक दुबे ने कहा कि पोशाक राशि में बढ़ोतरी का यह प्रस्ताव पूर्व शिक्षा मंत्री स्व जगन्नाथ महतो द्वारा ही लाया गया था, किंतु उसे अमली जामा अब पहनाया जा सका है. कहा कि बहुत जल्द सरकार कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए भी पोशाक राशि में बढ़ोतरी का प्रस्ताव ला रही है, जो स्वागत योग्य है. लेकिन सरकार इस बात का भी संज्ञान ले कि झारखंड में पढ़ रहे निजी स्कूलों के लाखों गरीब, दलित, आदिवासी पिछड़े वर्ग के बच्चे भी निश्चित रूप से झारखंड सरकार के ही बच्चे हैं और उन्हें भी सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन राशि मिलनी चाहिए.

वित्त मंत्री ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिया

दुबे ने वित्त मंत्री सह पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ रामेश्वर उरांव से आग्रह किया है कि पूरे झारखंड के बच्चे, चाहे वे निजी विद्यालय में पढ़ रहे हों या सरकारी विद्यालय में उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जाए. सरकार के पास एसडीएमआईएस के तहत उनके बारे में पूर्ण जानकारी है और झारखंड के निजी विद्यालय एसडीएमआईएस में उन बच्चों की जानकारी हर वर्ष सरकार को उपलब्ध कराते हैं. इसके लिए सरकार उन्हें परमानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) भी उपलब्ध करा चुकी है.अतः सरकार परमानेंट एजुकेशन नंबर प्राप्त सभी बच्चों तक यह सुविधा मुहैया कराये.इस पर वित्त मंत्री ने आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है.

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई थी पति की हत्या,धराया

संवाददाता।मेदिनीनगर

पांकी थाना पुलिस ने 24-25 जुलाई की रात भाई ने की भाई की हत्या मामले का खुलासा कर दिया है. इस मामले में षड़यंत्रकर्ता मृतक अजय की पत्नी अमृता देवी ही निकली जिसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अजय के हत्या की घटना को अंजाम दिया है. पुलिस ने अमृता देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है. इस संबंध में पार्टी थाना प्रभारी उत्तम कुमार ने बताया कि पांकी थाना अन्तर्गत बिजली ऑफिस के सामने एक घर में हत्या की घटना के सत्यापन के क्रम में यह बात प्रकाश में आया था कि दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा अजय राम पिता स्व० सुखलाल राम की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है. मृतक अजय राम की पत्नी अमृता देवी के फर्द बयान के आधार पर पांकी थाना कांड सं0-99/24 दर्ज कर उक्त घटना के त्वरित अनुसंधान के लिए एक टीम का गठन किया गया था. पांकी पुलिस निरीक्षक पूनम टोप्पो के नेतृत्व कांड के अनुसंधान के क्रम में यह बात प्रकाश में आई कि मृतक अजय राम की पत्नी अमृता देवी के द्वारा अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र के तहत अपने पति अजय राम की हत्या की घटना को अंजाम दिया गया

था. अमृता देवी ने भी अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में यह स्वीकार किया है कि अपने पति के घरेलू प्रताड़ना से तंग आकर करीब दो वर्ष पहले रंजीत नामक लड़के से प्रेम-प्रसंग हो गया था. रंजीत सिंह बिहार के पटना जिले का रहने वाला है और वह पांकी स्थित लालू मैदान में मेला लगाने आया करता था. अमृता देवी का घर लालू मैदान से लगा हुआ है और पीछे का रास्ता लालू मैदान में ही निकलता है. इसी कारण पानी लेने के बहाने उसका अमृता के घर आना-जाना होने लगा और दोनो का प्रेम-प्रसंग हुआ. इसी बीच मृतक अजय को इसकी भनक लगने पर अपनी पत्नी को और प्रताड़ित किया जाने लगा.

भारत की एकात्मता का परिचय है मन की बात : कर्मवीर सिंह

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों की प्रेरक गाथाएं ,जन प्रयास की चर्चा ,युवा शक्ति,नारी शक्ति का देश के विकास में योगदान, नई-नई तकनीक की खोज जैसे विषय प्रमुखता से समाहित होते हैं. अब देश की जनता कार्यक्रम की प्रतीक्षा करती है. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के साथ प्रदेश कार्यालय में महामंत्री व सांसद आदित्य साहू, मनोज सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय,विकास प्रीतम, विधायक विरांची नारायण,नारायण दास ने कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम को सुना.

चैंपियनशिप

द्वितीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 का हुआ भव्य समापन

शिवाजी राय पुरुष और महिला में अर्चिता डे ने जीता खिताब

संवाददाता।रांची

द्वितीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 का रविवार को समापन हुआ. रांची के गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे प्रतियोगिता में पुरूष एकल में बोकारो के शिवाजी राय ने अपने प्रतिद्वंद्वी रांची के सत्रुंजय चक्रवर्ती को 4-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया, वहीं महिला एकल में पूर्वी सिंहभूम की अर्चिता डे ने अपने ही जिले के सानिया बनर्जी को हराकर विजेता बनी. अंडर 19 बालिका वर्ग में अर्चिता डे ने धनबाद की सृजनी चक्रवर्ती को हराकर खिताब जीता. वही अंडर 19 बालक वर्ग में गढ़वा जिले के नीतीश मेहता ने हजारीबाग के प्रतीक अग्रवाल को हराया.

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण.

विजेता बनने से बेहतर है खिलाड़ी बनना : तीन दिवसीय प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया के जोनल अधिकारी असीम कुमार ने विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया. मौके पर उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिए. विजेता बनने से बेहतर खिलाड़ी बनना है. कहा कि खिलाड़ी को खेल से जुड़े रहना चाहिए. वहीं विशिष्ठ अतिथि झारखंड राज्य टीटी संघ के मुख्य संरक्षक जय कुमार सिन्हा , स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुलतार सिंह, हरमीत सिंह, परमजीत सिंह, डॉ. पवन चौधरी, राज्य संघ के महासचिव समरजीत सिंह, राज्य टी टी संघ के उपाध्यक्ष सैबाल गुप्ता, सहसचिव राकेश कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष नीरज कुमार, सुदीप्तो मुखर्जी, पार्थ सारथी और कमलेश दुबे ने भी विजेताओं को पुरस्कार बांटे. आयोजक ने सभी प्रायोजकों के साथ-साथ सभी रेफरीज की तारीफ करते हुए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी.

खास बातें

- अंडर 19 बालक वर्ग में गढ़वा जिले के नीतीश मेहता विजयी
- विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया गया

चंदवा में नए पल्ली पुरोहित का पदग्रहण

चंदवा । डाल्टनगंज धर्मप्रांत के बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास ने ख्रीस्त राजा पल्ली चंदवा में नए पल्ली पुरोहित फाबियानुस सिंदुरिया का पदग्रहण का समापन किया. इससे पहले विश्वासियों ने बिशप का जोरदार स्वागत किया. नाचते गाते गिरजा घर तक लाया गया. कार्यक्रम की शुरूआत विनती प्रार्थना से हुई. इस अवसर पर बिशप ने संदेश दिया कि पल्ली पुरोहित बिशप के कामों में सहयोग करती है. वे कैथोलिक कलिसिया का सेवा करते हैं. पद ग्रहण में सात संस्कार में से जिस संस्कार को प्रदान कर सकते हैं. उनको अधिकार के साथ विश्वासियों को देते हैं. इस प्रकार ख्रीस्त के मिशन कार्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलता है.

पेज एक का शेष

मुझे जो नई जिम्मेदारी मिली है...

अब राज्यपाल बना कर मेरे प्रति विश्वास व्यक्त किया है. इसके लिए पीएम मोदी का भी आभारी हूं, जिन्होंने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर भरोसा जताया है. बरेली से भाजपा से आठ बार सांसद रह चुके संतोष गंगवार, अटल बिहारी वाजपेयी और मोदी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया, लेकिन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी सभाओं के दौरान कहा था कि संतोष गंगवार को कुछ अलग से स्थान दिया जाएगा.

बरेली से आठ बार रहे सांसद, तीन बार केंद्र में मंत्री : बरेली संसदीय सीट 2024 के चुनाव में भी भाजपा के छत्रपाल गंगवार ने जीते. गंगवार का जन्म 1948 में हुआ और बरेली कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई के साथ ही एलएलबी की उपाधि हासिल कर 1984 में राजनीतिक जीवन की शरुआत की. उनसे पूछा गया कि वह राजनीति में कैसे आए तो उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान जेल जाना पड़ा. एक वर्ष जेल में काटने के बाद जब बाहर आया, तो सोचने का तरीका थोड़ा बदल गया. इसी बीच, थोड़ा समय बीतने के बाद जनता पार्टी की बरेली जिला कमेटी में महामंत्री का पद प्रस्तावित किया गया, तो मैंने स्वीकार कर लिया. पहला चुनाव 1984 में वह कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की पत्नी आबिदा बेगम से हार गए थे. इसके बाद 1989 में वह फिर से लोस चुनाव लड़े और जीत हासिल कर पहली बार सांसद बने. इसके बाद 1991, 1996, 1998, 1999, 2004 में लगातार जीत का सेहरा उन्हीं के सिर सजा. उनकी पहचान कुर्मी बिरादरी के प्रभावशाली नेता के रूप में है. हालांकि वह सभी वर्गों में लोकप्रिय हैं.

राज्यों के हित में निर्णय

आर्थिक तंगी के शिकार राज्यों के लिए सर्वोच्च अदालत का खनिज संबंधी निर्णय प्राणवायु की तरह है. झारखंड के लिए यह एक बड़ा उपहार जेसा है. आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है. देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है. साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है. दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है. इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है. निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है. ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं. निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था. जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततः देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिए हस्तक्षेप करना ही पड़ा. इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है. लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है. निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिए यह टकराव तथा विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं. इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं. इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं. निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं. इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है. विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है. इतना ही नहीं, कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है. जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है. यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ-राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था. झारखंड उन राज्यों में से एक है, जो केंद्र पर बकाए राशि के भुगतान के लिए मांग उठाता रहा है. इस बार के बजट में भी झारखंड को निराशा ही हाथ लगी है.

> निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिए यह टकराव तथा विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं. इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं.

सुभाषित

अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।
वल्मीकश्च सुमेरुः कृतप्रतिज्ञस्य धीरस्य॥

अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने वाले धीर व्यक्ति के लिए यह वसुधा (पृथ्वी) एक बगिया के समान होता है. समुद्र एक नहर के समान होता है. पाताल लोक एक मनोरंजन स्थल के समान होता है और सुमेरु पर्वत एक चींटी के घर के समान होता है. अतः मनुष्य को दृढ़प्रतिज्ञ एवं धीर-गम्भीर होना चाहिए.

बार-बार निशाने पर लोकसभा स्पीकर!

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी भी लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को वैसे ही टारगेट करते नजर आए, जैसे पहले राहुल गांधी और अखिलेश यादव को देखा जा चुका है.उन्होने स्पष्ट कर दिया कि कि स्पीकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बराबर व्यवहार नहीं करते. यह इंडिया ब्लॉक को एकजुट दिखाने की कोशिश है या फिर तृणमूल कांग्रेस का दिल्ली में दबदबा बनाये रखने का प्रयास?

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

अभिषेक बनर्जी तीसरी बार पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर से लोकसभा पहुंचे हैं, संसद में ये बताना नहीं भूलते कि वो 7 लाख से ज्यादा वोटों से चुनाव जीते हैं, लगे हाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम जरूर लेते हैं. वो प्रधानमंत्री मोदी की वाराणसी सीट पर जीत के अंतर की बात कर रहे हैं. तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी के भाषण में निशाने पर तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहते हैं, लेकिन बात-बात पर वे स्पीकर ओम बिरला को भी टारगेट करते हैं - वह भी राहुल गांधी और अखिलेश यादव की ही तरह मिसाल देकर साबित करने की कोशिश करते हैं कि स्पीकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बराबर व्यवहार नहीं करते. लोकसभा में अभिषेक बनर्जी और स्पीकर ओम बिरला के बीच हुई बहस फिलहाल काफी चर्चा में है और टीएमसी सांसद ने जिस तरह किसानों का जिक्र किया, उसमें इमरजेंसी को लेकर संसद में रखे गये मौन की तरफ इशारा था - यह संकेत देता है कि कुछ मुद्दों पर टीएमसी कांग्रेस के साथ है. अभिषेक बनर्जी के साथ भी स्पीकर ओम बिरला करीब करीब वैसे ही पेश आए, जैसे कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा या शशि थरूर के साथ. जब शपथ के बाद जय हिंद और जय संविधान बोलने पर थोड़ी बहस हो गई थी - और अभिषेक बनर्जी भी स्पीकर से वैसे ही उलझते दिखे, जैसे पिछले सत्र में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अखिलेश यादव. अब असल बात पर आते हैं-आम बजट पर चर्चा के दौरान अभिषेक बनर्जी ने 2016 की नोटबंदी का जिक्र करते हुए नाकाम बताया, तो स्पीकर ओम बिरला ने टोक दिया. ओम बिरला ने अभिषेक बनर्जी से कहा, 2016 के बाद तो 2019 के लोकसभा चुनाव भी हो गए... आप वर्तमान बजट पर बोलें. अभिषेक बनर्जी को भी शायद इसी तरह के मौके का इंतजार था. फिर तो वे स्पीकर को ही सुनाने लगे, कोई 60 साल पहले के जवाहरलाल नेहरू की बात करेगा तो आप कुछ नहीं बोलेंगे... मैं पांच साल पहले हुई नोटबंदी की बात करूंगा तो आप कहेंगे कि अभी की बात करो... यह नहीं चलेगा... बिप्लब देव 50 साल पहले के आपातकाल की बात करेंगे, लेकिन मैं बोलूंगा तो आपको चुभ रहा है.

पिछली बार, स्पेशल सेशन में स्पीकर के चुनाव के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्पीकर को उनकी कुर्सी तक बैठाने गये थे. राहुल गांधी ने उसी वाकये की याद दिला कर कहा था, स्पीकर सर, आपकी कुर्सी में दो व्यक्ति बैठे हैं... एक लोकसभा स्पीकर, जो भारतीय संघ के स्पीकर हैं, दूसरे ओम बिरला हैं... जब मोदी जी गए और आपसे हाथ मिलाया और जब मैंने हाथ मिलाया तो मैंने एक चीज पर गौर किया... जब मैंने आपसे हाथ मिलाया, तो आप सीधे खड़े रहे... जब मोदी जी ने हाथ मिलाया तो आप झुक गए. और वैसे ही स्पीकर को शुभकामनाएं देते देते सपा के नेता अखिलेश यादव ने भी कह दिया था, आप लोकतांत्रिक न्याय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में बैठे हैं... आपसे आशा है कि किसी जनप्रतिनिधि की आवाज को दबाई नहीं जाए... और न ही निष्कासन जैसी चीजें हमें ठेस पहुंचाएं... आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता है ही, लेकिन आपका अंकुश सत्ता पक्ष पर भी रहे... आपके इशारे पर सदन चले, इसका उल्टा न हो.

अभिषेक बनर्जी ने किसानों का भी मुद्दा उठाया, लोग सदन में ताली बजा रहे हैं... 700 किसान मारे गये, उनको मौत के घाट उतारा गया - और फिर भी, एक आदमी ने एक मिनट के लिए खड़ा होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी? साफ है, अभिषेक बनर्जी लोकसभा में स्पीकर की तरफ से इमरजेंसी की निंदा और दो मिनट का मौन रखे जाने के वाकए की याद दिलाने की कोशिश कर रहे थे. यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने अब 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित कर दिया है. किसानों की मौत का जिक्र आते ही सत्ता पक्ष के कुछ सांसदों ने विरोध किया तो अभिषेक बनर्जी उनकी तरफ इशारा करते हुए कहने लगे, आपके हाथ खून से सने हुए हैं. अभिषेक बनर्जी के मुंह से यह सुनते ही बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज फॉर्म में आ गईं, और कहने लगीं, इन्होंने हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत टिप्पणी की... और जिन शब्दों का इस्तेमाल किया उसके लिए इन्हें माफी मांगनी चाहिए और ये शब्द रिकॉर्ड से एक्सपंज कर देना चाहिए.

बता दें कि टीएमसी लोकसभा में कांग्रेस और सपा के बाद विपक्ष की बड़ी पार्टी है. दिल्ली में कांग्रेस के साथ साथ सपा भी अयोध्या की जीत के साथ धाक जमाने की कोशिश कर रही है - और अभिषेक बनर्जी के ताजा तेवर से टीएमसी की भी वैसी ही कोशिश लगती है. अभिषेक बनर्जी अगर ओम बिरला से भिड़ते हैं, तो भी निशाने पर तो पीएम नरेंद्र मोदी ही होते हैं. यही काम राहुल गांधी भी करते हैं और अखिलेश यादव भी - लेकिन अभिषेक बनर्जी सीधे सीधे प्रधानमंत्री मोदी को भी अलग से टारगेट करते हैं. लोकसभा में अभिषेक बनर्जी अपने भाषण में कोलकाता में एक फ्लाईओवर गिरने पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान की याद दिलाते हैं, उस समय मोदी जी ने कहा कि यह एक्ट ऑफ गॉड नहीं, एक्ट ऑफ फ्रॉड है. और फिर बाद के हादसों का नाम ले लेकर पूछने लगते हैं, जब गुजरात के मोरबी में पुल गिरा था तो वह क्या था... एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड? जब एयरपोर्ट की छत गिरी तो वह क्या था... एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड? जब पहली बारिश में अयोध्या में राम मंदिर की छत चूने लगी तो वह क्या था... एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड? और ऐसे ही रेल दुर्घटनाओं की याद दिलाते हुए भी अभिषेक बनर्जी ने सवाल उठाया... यह सब क्या था, एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड?

अभिषेक बनर्जी के भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने जम कर तालियां बजाईं. अभी तक विपक्ष संसद में एकजुट नजर आ रहा है, पहले की तरह बिखरा हुआ नहीं लगता. कृष्णानगर से टीएमसी सांसद महुआ बनर्जी के भाषण में भी राहुल गांधी के लिए हमारे नेता कहते हुए सुना गया था, लेकिन ममता बनर्जी के तेवर अभी तक सीधे तौर पर यह नहीं समझने देते कि वह इंडिया ब्लॉक में ही हैं या नहीं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

आहार की उच्छृंखलता

मनुष्य की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ है, आहार आवास और आवरण (वस्त्र). इन तीन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये ही मानव प्रकृति का दोहन करता है. लेकिन जब तक वह इनका अपनी जरूरतों तक सीमित उपभोग, संयमपूर्वक करता है तब तक प्रकृति उसकी सहयोगी बनी रहती है. लेकिन जब वह अपनी आवश्यकताओं का अतिक्रमण करने लगता है, उपयोग कम और व्यर्थ अधिक करने लगता है, तृष्णाधीन होकर संग्रह के माध्यम से वस्तुओं को अनावश्यक सड़न-गलन में झोंक देता है. संयम और अनुशासन को भूल, अनियंत्रित और स्वछंद भोग-उपभोग करता है. मानव की स्वयं की प्रकृति, विकृति में रूपांतरित हो जाती है, तब प्रकृति अपना सहयोग गुण तज देती है और मानव का अपना असंयम ही उसके अस्तित्व शत्रु साबित होता है और मानव को अपने आगे लाचार कर देता है. प्रकृति के कोप के आगे किसी का वश नहीं चलता. यदि गंभीरता पूर्वक विचार किया जाये तो आवश्यकताओं के अतिक्रमण के कारण हमारे समाज में अनेक अपराध और बुरे कर्म होते हैं, जिससे पूरा समाज प्रभावित होता रहता है. इसी अतिक्रमण के कारण मनुष्य का विवेक ध्वस्त हो जाता है और बुद्धि के वशीभूत होकर ऐसे कार्य कर बैठता है, जिसका दुष्परिणाम अंततः समाज और मानवता को झेलनी पड़ती है. यह अतिक्रमण विश्व में अराजकता और सभी प्रकार के अनर्थों का जनक है. प्रायः मनुष्य सर्वाधिक हिंसा और प्रकृति का विनाश अपनी आहार जरूरतों के लिए करता है. किन्तु अपने आहार-चुनाव में ही उसे सर्वाधिक संयम और अनुशासन की आवश्यकता होती है. ऐसा भी नहीं है कि इस प्रकार की अराजकता के शिकार दूसरे लोग ही होते हैं, बल्कि वह मनुष्य स्वयं भी उसी प्रकार उसका शिकार हो जाता है, जो उसके आश्रय में निरंकुश होकर ऐसे कृत्य करता रहता है. फुड प्वाजनिंग और जहरीली शराब से होनेवाला संहार उसी का द्योतक है. आज जंगलों की कटाई और पहाड़ों को ध्वस्त किये जाने के फलस्वरूप जो समस्याएं सामने आ रही हैं, उससे आज हर कोई अवगत है. पर्यावरण प्रदूषण और असंतुलन की समस्या ऐसी है, जिसने पूरे विश्व को चिंता की गर्त में झोंक दिया है, लेकिन इसके बावजूद सही दिशा में न तो चिंतन हो रहा है और न ही वैसे कार्य. दुखद पहलू यह है कि कथित प्रगतिशील, इन तीनों (आहार आवास और आवरण) में स्वतंत्रता-स्वच्छंदता के पक्षधर होते है और स्वांत संयम के घोर विरोधी. वे असंयमित भोग उपभोग को बल देते है. वे मानवीय तृष्णा की अगन ज्वाला को निरन्तर प्रदीप्त रखने का दुष्प्रचार करते है.

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस चूक के निहितार्थ

• देशांतर

पुष्परंजन

भारत में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी का स्टाफ लगभग 25 हज़ार है. उससे तीन गुना कम अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का स्टाफ है. मात्र 8 हज़ार. यूएस गवर्नमेंट एग्जीक्यूटिव की एक रिपोर्ट के अनुसार, '2021 में अमेरिकन सीक्रेट सर्विस में लगभग 7,600 कर्मियों की तैनाती थी, जून, 2024 तक 400 स्टाफ और जुड़े. वित्तीय वर्ष 2026 तक इस संख्या को लगभग 10,000 कर्मचारियों तक बढ़ाने की योजना है.' क्या स्टाफ की कम संख्या की वजह से वीवीआईपी सुरक्षा लचर रही, या फिर ये हैं ही वैसे? पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले के बाद से यह सवाल, अमेरिकी सोशल मीडिया पर ज़ेरे बहस रहा है. इंटेलिजेंस ब्यूरो के कर्मचारियों की संख्या बढ़ा भर देने से हमले रोके जा सकते हैं थे, तो महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या नहीं हुई होती. वर्ष 1967 की भुवनेश्वर चुनावी रैली को याद कीजिये, जब पत्थरबाज़ी में इंदिरा गांधी की नाक पर गंभीर चोट लगी. सूचना तंत्र मज़बूत होता, तो दो अक्तूबर, 1986 को राजघाट पर करमवीर सिंह नामक शख़्स तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर गोली नहीं चला पाता. वहीं 5 जनवरी, 2022 को फ़िरोज़पुर दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफ़िले में सुरक्षा चूक नहीं हुई होती. लेकिन सवाल है कि जब अमेरिका महफ़ूज़ नहीं है, तो दुनिया का कौन-सा हिस्सा सुरक्षित है? यह सवाल विक्रम-बेताल की तरह हमारे कंधों पर टंगा रहेगा. अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मज़बूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी. ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं, तो न तो जनता, और न ही कांग्रेस को इस बारे में ज़्यादा जानकारी मिली. चीटल ने स्वीकार किया कि ट्रम्प की रैली में हुई शूटिंग से हमारे एजेंट बेख़बर थे. अमेरिकी ख़ुफ़िया प्रमुख और आंतरिक मंत्रालय की चुप्पी ने भारत समेत दुनियाभर में अटकलों का बाज़ार गर्म किया था. भारतीय सोशल मीडिया के तुर्रम ख़ान, ख़म ठोक कर कहने लगे कि हो न हो, यह सारा कुछ ट्रंप का किया धरा है, जिससे चुनावी तस्वीर उनके पक्ष में बदल जाये.रिपब्लिकन इस पर अड़े हुए थे कि दो साल की अवधि में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने ट्रम्प के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अधिक एजेंटों और मैग्नेटोमीटर के लिए बार-बार अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया, बाहरी स्थानों के लिए अतिरिक्त स्नाइपर्स देने से भी मना किया था. मंगलवार को सीक्रेट प्रमुख पद से इस्तीफा देने से पहले चीटल ने कांग्रेस से कहा, 'जिस दिन यह काण्ड हुआ, जितना अनुरोध ट्रंप की तरफ से किया गया था, उन्हें दिया गया.' सोशल मीडिया इस घटना को लेकर दो खेमों में बंटा हुआ था. जो लोग पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा मानते थे, उन्होंने इसे एक फर्जी घटना बताकर खारिज कर दिया. एक्स और टेलीग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म, 'प्री-प्लांड' और 'मंचित किये जाने' वाले आरोपों के पोस्ट से भर गए. एलन मस्क तक ने एक्स पर सवाल कर दिया, 'एक स्नाइपर को पूरी राइफल किट के साथ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के सबसे नज़दीकी छत पर रेंगने की अनुमति कैसे दी गई?' अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की जो धाक समय-समय पर दुनियाभर में ज़माने की कोशिशें होती रही, ट्रंप कनपट्टी काण्ड से धराशायी हुई है. अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ 1 कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास के डलास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उनके हत्यारे का नाम था, ली हार्वे ओसवाल्ड, जो एक पूर्व अमेरिकी मरीन था. जेम्स अर्ल रे एक अनजान सा अमेरिकी भगोड़ा था, जिसने 4 अप्रैल, 1968 को मार्टिन लूथर किंग 'जूनियर' की हत्या कर दी थी. कैनेडी और किंग की हत्याओं के बाद कई लोगों को यह स्वीकार करने में कठिनाई हुई कि एक अकेला, परेशान, महत्वहीन व्यक्ति इतिहास बदल सकता है. 27 नवंबर, 2002 को 9/11 आयोग की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य विश्व इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमलों के सभी पहलुओं की जांच करनी थी. 9/11 आयोग की अध्यक्षता थॉमस कीन ने की थी, जिसमें पांच डेमोक्रेट और पांच रिपब्लिकन शामिल थे. 22 जुलाई, 2004 को 9/11 आयोग की रिपोर्ट जब आई, अमेरिकी जनता ने उसे निर्विवाद रूप से स्वीकार किया था. लेकिन, ट्रंप काण्ड पर जो आयोग बना है, उसके राजनीतिक निहितार्थ सीधा अमेरिकी मतदाताओं को प्रभावित करेंगे. क्या वह सर्वस्वीकृत होगा? **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मज़बूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी. ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं.

क्यों बढ़ रहा है यूपी भाजपा में असंतोष

• सियासत

प्रमोद जोशी

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जो सरकार पिछले सात साल से मजबूती के साथ खड़ी दिखाई पड़ रही थी, अब अचानक लड़खड़ाती नज़र आने लगी है. इसकी वजह है एक अरसे से पनप रहा असंतोष.. जो मौका देखकर अब बाहर आना चाहता है. लगता है कि पार्टी ने इस मसले को काफी गंभीरता लिया है. राज्य बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात से लगता है कि मामला काफी बढ़ गया है. लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने का सबसे बड़ा कारण था, उत्तर प्रदेश. पहली नज़र में यह साफ लगता है कि कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर है, अन्यथा ऐसे परिणाम नहीं आते. बहरहाल, दिल्ली में सरकार बनने के एक महीने बाद, पार्टी ने पराभव के कारणों को समझने के लिए अंतर्मंथन शुरू किया है तो अंतर्विरोध भी खुलने लगे हैं. बयानबाज़ी ज्यादा नहीं है, पर प्रतीकों में बातें तो हो ही रही हैं.पहली नज़र में दिखाई पड़ रहा है कि गुटबाज़ी गहराई पकड़ रही है. लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर पार्टी का अंतर्मंथन चल रहा है. इसी प्रक्रिया में यह असंतोष भी बाहर निकलकर आया है. पिछले रविवार को प्रदेश की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है' कहकर इन हलचलों को तेज कर दिया. शायद इसी वजह से मंगलवार को केशव मौर्य और पार्टी-अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातचीत के लिए अलग-अलग दिल्ली बुलाया गया. भीतर क्या बातें हुईं, इसे लेकर भी कयास हैं, पर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के हित में इस मसले पर बयानबाज़ी नहीं की जानी चाहिए. औपचारिक रूप से केंद्रीय नेतृत्व ने अभी तक कुछ कहा नहीं है.बहरहाल, केशव प्रसाद मौर्य ने नड्डा से मिलने के बाद फिर कहा, 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है.' ज़ाहिर है कि सरकार से उनका आशय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं. योगी जी के दोनों उपमुख्यमंत्री, यानी केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, इस वक्त एक साथ उनके खिलाफ खड़े नज़र आ रहे हैं. राज्य में पार्टी के भीतर की उमड़-घुमड़ काफी पहले से सुनाई पड़ रही है, पर अब वह खुलकर सामने आती जा रही है. इस खींचतान के समानांतर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सद्य-स्थापित एकता पहले से ज्यादा मजबूत होती जा रही है, क्योंकि उन्हें बीजेपी के भीतर के टकराव में अपने लिए बेहतर संभावनाएं नज़र आ रही हैं. इतना ही नहीं बीजेपी के सहयोगी दलों ने भी अपने स्वरों को मुखर करना शुरू कर दिया है. लोकसभा चुनाव में विफलता के कारण असंतुष्टों को विरोध व्यक्त करने का मौका मिला है. हैरत इस बात पर ज़रूर है कि केंद्रीय नेतृत्व ने समय रहते इस टकराव को पढ़ा नहीं या फिर यह माना जाए कि केंद्रीय नेतृत्व कुछ सोचकर कोई बड़ा फैसला नहीं करना चाहता है.वस्तुतः नेतृत्व को समझदारी के साथ पहले इस टकराव को टालना या कालीन के नीचे डालना होगा, फिर धीरे-धीरे परिवर्तन करना होगा. उसके साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश भेजना भी जरूरी है कि सरकार में उनकी बात सुनी जाएगी और उन्हें सम्मान मिलेगा. दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई बैठकों के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए लखनऊ में बैठक बुलाई. हाल हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के नौ विधायकों ने लोकसभा की सदस्यता प्राप्त करके अपने पद से इस्तीफा दे दिया. प्रदेश की फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझवां, मीरापुर, मिल्कीपुर, करहल, कटेहरी और कुंदरकी यानी नौ सीटें खाली हुई हैं. दसवीं सीट सीसामऊ सपा विधायक इरफान सोलंकी को अयोग्य करार दिए जाने से खाली हुई है. जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें से पांच पर समाजवादी पार्टी के विधायक थे, भाजपा के तीन और राष्ट्रीय लोक दल तथा निषाद पार्टी के एक-एक. यानी इंडिया गठबंधन और एनडीए की 5-5 सीटें हैं. अब दोनों गठबंधन अपने महत्व और वर्चस्व को साबित करने के लिए चुनाव में उतरेंगे. ऐसे में बीजेपी के भीतर से बर्तनों के खटकने की आवाज़ों का आना शुभ लक्षण तो नहीं है.पार्टी के सहयोगियों की आवाजें भी अब मुखर हो रही हैं. पिछले सोमवार को निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद ने कहा, गरीब को उजाड़ेंगे, तो वह हमें उजाड़ेगा राजनीति में. उन्होंने उत्तर प्रदेश की 'बुलडोज़र राजनीति' पर भी टिप्पणी की है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> पिछले रविवार को प्रदेश की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है' कहकर इन हलचलों को तेज कर दिया. शायद इसी वजह से मंगलवार को केशव मौर्य और पार्टी-अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातचीत के लिए अलग-अलग दिल्ली बुलाया गया.

मीडिया में अन्यत्र

वित्तीय स्पष्टता की आवश्यकता

केंद्र सरकार ने राजस्व के मोर्चे पर बेहतर हुई स्थिति का फायदा उठाते हुए चालू वर्ष के लिए कम राजकोषीय घाटा दर्शा कर अच्छा किया है. चालू वित्त वर्ष में घाटे को सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 4.9 फीसदी के बराबर रखने का लक्ष्य तय किया गया है जबकि अंतरिम बजट में यह लक्ष्य 5.1 फीसदी का था.सरकार ने 2021 में घोषणा की थी कि घाटे को 2025-26 तक कम करके जीडीपी के 4.5 फीसदी के स्तर तक लाया जाएगा. सरकार अगले वर्ष इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है. इस संदर्भ में वित्तीय बाजारों और विश्लेषकों को उम्मीद थी कि केंद्रीय बजट में मध्यम अवधि के लिए संशोधित राजकोषीय पथ घोषित किया जाएगा. बजट के बाद मीडिया से (इस समाचार पत्र समेत) बात करते हुए वित्त मंत्री ने तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सरकार खुद को खास लक्ष्यों में उलझाने के बजाय बदलते आर्थिक हालात के अनुसार कदम उठाना चाहती है. बहरहाल, सरकार को सलाह होगी कि वह और अधिक स्पष्टता प्रदान करे. साफ कहा जाए तो कर्ज पर ध्यान केंद्रित करना उचित है.वित्तीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम में उम्मीद जताई गई थी कि मार्च 2025 तक सामान्य सरकारी ऋण जीडीपी के 60 फीसदी तक सीमित रहे और केंद्र सरकार के ऋण का अनुपात 40 फीसदी रहे. बजट दस्तावेजों में राजकोषीय नीति को लेकर जो वक्तव्य दिए गए हैं उनके मुताबिक राजकोषीय घाटा केवल एक परिचालन लक्ष्य है.चालू वर्ष में केंद्र सरकार कर्ज के स्तर के जीडीपी के 56.8 फीसदी रहने के अनुमान को देखते हुए अंशधारकों के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि उन्हें पता रहे कि सरकार अगले करीब पांच साल में किस लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम कर रही है. यह जानना भी अहम होगा कि इस तय अवधि में कर्ज का वांछित स्तर पाने के लिए राजकोषीय घाटे को किस स्तर तक सीमित रखना होगा.ऐसे में मध्यम अवधि में घाटे का स्तर और कर्ज दोनों एक दूसरे से स्वतंत्र नहीं होंगे. विकास के इस मोड़.पर जब सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को निवेश के लिए धन जुटाने की आवश्यकता है, पारदर्शी और नियम आधारित राजकोषीय ढांचा मददगार साबित होगा. एफआरबीएम अधिनियम के पीछे भी यही विचार रहा है. एक नियम आधारित राजकोषीय ढांचा रेटिंग एजेंसियों के लिए भी मददगार होगा, क्योंकि वे उस आधार पर भारत का आकलन कर सकेंगी.राजकोषीय घाटे की भरपाई करने की अर्थव्यवस्था की क्षमता भी बातचीत से नदारद है. विशुद्ध पारिवारिक वित्तीय बचत 2022-23 में जीडीपी के 5.3 फीसदी के साथ कई दशकों के निचले स्तर पर आ गई.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कार्यवाही/कार्रवाई

पुलिस की सही कार्रवाई न्यायालय की कार्यवाही को आसान कर देती है. कार्रवाई और कार्यवाही दोनों शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, इसलिए इनके प्रयोग में अक्सर भूल हो जाती है. कई लोग कार्रवाई की जगह कार्यवाही और कार्यवाही की जगह कार्रवाई लिख देते हैं. संभवतः सुनने में एक जैसे लगने के कारण कार्रवाई और कार्यवाही दोनों का अर्थ समान समझ लिया जाता है, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है. ये दोनों ही शब्द कुछ विशेष प्रयोजनों के लिए रूढ़ हो चुके हैं. कार्रवाई का अर्थ अंग्रेजी में एक्शन होता है, वहीं कार्यवाही का अर्थ अंग्रेजी में प्रोसीडिंग. आपका कोई काम सरकारी कार्यालय में या कहीं और अटका पड़ा है तो आप संबंधित व्यक्ति से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा करते हैं, लेकिन आप सभा या गोष्ठी में हों तो वहां कार्यवाही होती है, कार्रवाई नहीं. कार्रवाई फारसी भाषा की संज्ञा है तो वहीं कार्यवाही संस्कृत की संज्ञा है. दोनों में अंतर को इस प्रकार समझा जा सकता है-संसद या विधानसभा के सदनों में जो कामकाज हुआ, उसे कार्यवाही कहते हैं और सरकार ने जो कदम उठाये या किसी मामले में एक्शन लिया, उसे कार्रवाई कहा जाता है. उदाहरण के लिए संसद की कार्यवाही दो घंटे के लिए ठप हो जाती है, लेकिन ठप करनेवालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पाती. अदालती कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश कर रहे एक युवक के खिलाफ अदालत ने तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया. इन उदाहरणों से इन दोनों शब्दों के अंतर को अच्छी तरह समझा जा सकता है. कार्रवाई और कार्यवाही दोनों शब्द सरकारी कागजों में अधिक देखने को मिलते हैं. समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों या न्यूज पोर्टलों पर अधिक दिखायी, सुनायी पड़ते हैं. अधिकतर लिखने, पढ़ने और बोलने वाले दोनों शब्दों को एक ही मानते हैं, लेकिन दोनों में जमीन और आसमान का अंतर है. कार्रवाई को कार्यवाही लिखना भारी भूल है, वहीं कार्यवाही को कार्रवाई लिखना अज्ञानता का द्योतक.

फर्जियों के पहाड़ पर बैठा आदमी

• तीर-तुक्का

नवेंदु उन्मेष

घर फर्जी, बाहर फर्जी. इधर फर्जी, उधर फर्जी. जिधर देखो, बस, फर्जी ही फर्जी. ऐसा लगता है कि हमारे देश का हर आदमी फर्जी चीजों के पहाड़ पर बैठा हुआ है. जिधर भी नजर दौड़ाइये हर तरफ फर्जी ही फर्जी नजर आता है. आप जो खा-पी रहे हैं उसमें मिलावट है, जिसे आप फर्जी सामान कहते हैं. यहां तक कि देश में कई नेता और अभिनेता भी फर्जी हैं. नेता फर्जी बातें करता है. अभिनेता डुप्लीकेट है यानी फर्जी है. जिस मोबाइल की सिम से आप बातें कर रहे हैं, हो सकता है कि वह भी फर्जी हो. आपके पास आने वाले कई कॉल भी फर्जी होते हैं. अगर आपने मिस्ड कॉल का उत्तर दिया तो आपके मोबाइल का बैलेंस गायब हो जाता है. फर्जी बैंक अधिकारी बनकर आपको साइबर अपराधी फोन करते हैं. अगर गलती से आपने अपना एटीएम नंबर बता दिया तो आपके बैंक का बैलेंस खाली हो जाता है. यहां तक कि फर्जी शराब पीकर लोग मौत को गले लगा लेते हैं. इलाज के लिए अस्पताल में गये तो वहां इलाज करने वाला डॉक्टर है या कंपाउंडर, आपको पता नहीं चलता है. यहां तक कि उसने जो दवा दी है, वह भी फर्जी हो सकता है. दवा तो खा रहे हैं, लेकिन फर्जी होने के कारण असर नहीं करता है. मिनरल वाटर के नाम पर फर्जी पानी सप्लाई की जाती है. यहां तक कि फर्जी आईएसआई का मार्का लगाकर फर्जी सामान बेचे जा रहे हैं. आप सोच रहे हैं सामान ठीक है, लेकिन कुछ दिनों के बाद आपको पता चलता है कि दुकानदार ने तो ज्यादा कमाई के चक्कर में आपको फर्जी सामान थमा दिया है. आपकी इच्छा विदेशों में नौकरी करने की होती है. आपने किसी विदेशी एजेंसी को एप्रोच किया. उसने कहा इतने रुपये लगेंगे. आप अपना घर-द्वार बेचकर एजेंसी वाले को इस लालच में पैसा देते हैं कि विदेश में जाकर कमाई करेंगे तो इससे अच्छा घर बना लेंगे. विदेश जाकर आपको पता चला कि आप घरेलू नौकर के रूप में काम कर रहे हैं. अगर आप अपने देश में नौकरी खोजने के लिए निकलते हैं तो पता चलता है कि फर्जी साक्षात्कार भी फर्जी कंपनी ने ली है. पैसे लेने के बाद आपको फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया है. नियुक्त किये जाने वाले दफ्तर में जाने पर आपको पता चलता है कि आपका नियुक्ति पत्र फर्जी है. फर्जी नियुक्ति पत्र रखने के कारण आपको हवालात भेज दिया गया है. संभव यह भी है कि थाने में नियुक्त पुलिस अधिकारी भी फर्जी हो. वह आपको छोड़ने के एवज में रुपये मांग रहा हो और आप भी कम चालाक नहीं हैं. आपके पास फर्जी एटीएम कार्ड है. आप एटीएम क्योस में गये वहां से फर्जी यानी नकली रुपये निकल गये. आपने उन फर्जी रूपयों को लाकर फर्जी पुलिस अधिकारी को थमा दिया और आप वहां से छूट गये.

सावन विशेष

भारतीय पंचांग का पांचवा महीना सावन या श्रावण मास कहलाता है. हिंदू धर्म में श्रावण मास का विशेष धार्मिक महत्व है. ये साल का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र महीना माना जाता है. सावन महीने में विशेष कर शिव और पार्वती की पूजा बहुत भक्ति और श्रद्धा से की जाती है. सावन मास इसलिए भी अति मनमोहक माना जाता है कि इस मास में वर्षा और हरियाली का बोलबाला रहता है, जिससे इसे पावस ऋतु भी कहा जाता है. इस वर्ष सावन की शुरुआत 22 जुलाई से हुई है और समापन 19 अगस्त को होगा. इस सावन मास की अन्य विशेषता ये है कि इस एक माह में कुल पांच सोमवार पड़ेंगे. सावन की शुरुआत सोमवार से हुई और समापन भी सोमवार से ही होगा.

सावन का महीना और शिव की आराधना

बाबा बैद्यनाथ हम आयल छी भिखरिया

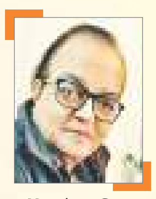

डॉ. हरेन्द्र सिन्हा
पुरातत्वविद

देवाधिदेव महादेव शिव सनातनियों के प्राचीनतम देवताओं में से एक माने जाते हैं और इस संबंध में हड़प्पा मोहनजोदड़ो की खुदाई में एक सील मिली थी जिस पर शिव की अनुकृति बनी हुई है, ऐसा माना जाता है. तो शिव का पुरातात्विक प्रमाण आज से लगभग पांच हज़ार साल पहले ही प्राप्त हो चुका है. यानी अत्यंत प्राचीन काल से ही शिव की पूजा हमारे देश में होती रही है.

थ ा.
ये ही

वैसे तो हिंदू धर्म में प्रत्येक माह देवी देवताओं की पूजा अर्चना की ही जाती है लेकिन सावन का महीना धार्मिक दृष्टिकोण से इसलिए ही भी बेहद खास माना जाता है क्योंकि यह पूरा माह देवाधिदेव महादेव को समर्पित है. शिव पुराण में भी इसकी चर्चा है कि सावन के माह में ही मुख्य रूप से शिव की आराधना होती है. लेकिन सावन के महीने में ही भगवान शिव का पूजन पूरे देश में धूमधाम से क्यूं किया जाता है, इसके पीछे कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं. इन मान्यताओं के अनुसार सावन के महीने में ही भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का प्याला पिया था. इस विष का ताप इतना तेज था कि इंद्र देवता ने बारिश करके उन्हें शीतल किया. इसीलिए सावन के महीने में बारिश होती है. यह भी मान्यता है कि माता पार्वती ने सावन माह में ही भगवान शिव को पति परमेश्वर के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी और तपस्या सफल होने पर उनसे विवाह भी किया कारण हैं कि शिव जी को सावन का महीना अत्यधिक प्रिय है.

इतना ही नहीं, यह भी कहा जाता है कि पहली बार भगवान शिव पृथ्वी लोक पर अपने ससुराल सावन के महीने में ही आए थे. ऐसे में लोग ऐसा मानते हैं कि सावन के महीने में हर साल भगवान शिव पृथ्वी पर आते हैं और सभी को अपना आशीष देते हैं.

यह भी माना जाता है कि भगवान शिव का देवी पार्वती के साथ पवित्र श्रावण मास में पुनर्मिलन हुआ था, इसीलिए जो महिलाएं श्रावण मास में भगवान से अच्छे पति के लिए प्रार्थना करती हैं, उन्हें अच्छे जीवनसाथी का आशीर्वाद मिलता है.

पुराणों के मुताबिक शिव जी को चढ़ाये जाने वाले उनके प्रिय फूल-पत्ते भी मुख्यतः बरसात में ही उगते हैं, इसलिए सावन में शिव पूजा की परंपरा बनी. इन फूल, फल, पत्तों में बेलपत्र, पीपल, शमी, केला, चंपा इत्यादि प्रमुख हैं, जो शिव पर मुख्यतः चढ़ाए

शिव की पूजा में एक और भी अनोखी बात है कि मानव रूप के अलावा शिव के प्रतीक रूप की भी पूजा की जाती है और वह प्रतीक है– शिवलिंग. शिव का अर्थ होता है – परम कल्याणकारी और लिंग का अर्थ है –सृजन. इस प्रकार शिवलिंग का अर्थ हुआ– शिव का प्रतीक. शिव के प्रतीक चिन्ह की पूजा प्रारंभ होने के संदर्भ में भी एक पौराणिक कथा बहुत प्रचलित है. सृष्टि के उत्पन्न होने के बाद भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी में इस बात को लेकर युद्ध होता रहा कि कौन ज्यादा शक्तिशाली है. इस दौरान आकाश में एक चमकीला पत्थर दिखा और आकाशवाणी हुई कि जो भी इस पत्थर का अंत ढूंढ लेगा, वही ज़्यादा शक्तिशाली माना जाएगा. भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी दोनों ही उस पत्थर का अंत ढूंढने में लग गए परंतु दोनों में से किसी को भी सफलता नहीं मिली. थक कर भगवान विष्णु ने हार मान ली. लेकिन ब्रह्मा जी ने सोचा कि अगर मैं भी हार मान लूं तो विष्णु ज्यादा शक्तिशाली कहलाएंगे, इसलिए ब्रह्मा जी ने कह दिया कि उनको पत्थर का अंत मिल गया है. इसी बीच फिर से आकाशवाणी हुई कि मैं शिवलिंग हूं और मेरी न तो कोई शुरुआत है न कोई अंत है. इसी समय भगवान शिव प्रकट हुए और तभी से शिवलिंग के रूप में भी शिवजी की आराधना शुरू हुई. आज भी पूरे सावन मास में शिवलिंग की पूजा देशभर में की जाती है.

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बैद्यनाथ धाम

झारखंड का बैद्यनाथ धाम एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ स्थान है. यहां भारत में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. इसी सावन माह में दुनिया भर से कांवर धारी भक्त झारखंड के देवघर यानी बैद्यनाथ धाम स्थित शिव मंदिर में जल चढ़ाने पहुंचते हैं. बैद्यनाथ धाम का ये ज्योतिर्लिंग कामना लिंग कहा जाता है, क्योंकि जन सामान्य का ऐसा विश्वास है कि यहां जल चढ़ाने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. देश के कुल 12 ज्योतिर्लिंगों में से ये नवें स्थान पर माना जाता है, जो शक्तिपीठ भी है. धार्मिक मान्यता के अनुसार स्वयं भगवान विष्णु ने इसकी स्थापना की थी. वैसे तो भक्त यहां पूरे साल दर्शन पूजा के लिए पहुंचते हैं, लेकिन सावन माह में यहां लाखों-लाख भक्त आते हैं और बिहार के सुल्तानगंज- अजगैबीनाथ से उत्तर वाहिनी गंगा का जल अपने कांवर के पात्र में भरकर, बोल बम का नारा लगाते हुए, करीब 140 किलोमीटर का पैदल सफर तय कर बैजनाथ धाम पहुंच, शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं. पिछले दिनों बैद्यनाथ धाम के शिव मंदिर का काफी विकास हुआ है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अधिकाधिक सुविधाएं देने की सुदृढ़ व्यवस्थाएं स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गईं हैं.

पाल काल से भी पुराना मंदिर

बैद्यनाथ धाम का प्राचीन शिव मंदिर कितना पुराना है, अधिकृत रूप से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है. लेकिन सामान्यतः लोगों का मानना है कि सातवीं शताब्दी में मूल मंदिर का निर्माण हुआ होगा. कुछ अन्य विद्वान उसे 4-5 सौ साल पुराना बताते हैं. लेकिन स्वयं लेखक द्वारा पूर्व में जब इस मंदिर का निरीक्षण किया गया था तो पाया गया कि यहां के मंदिरों में स्थापित की गई ब्लैक बसाल्ट पत्थरों की मूर्तियां अधिकांशतः पाल कालीन यानी आठवीं-दसवीं शताब्दी की अवश्य हैं. इसीलिए इतना तो अवश्य तय है कि पाल काल का ये शिव मंदिर अस्तित्व में था, तभी ये मूर्तियां यहां रखी गई होंगी. यहां कई प्राचीन अभिलेख भी हैं, जिनसे ये एहसास होता है कि मंदिर और भी पुराना होगा. लेकिन इस पर विस्तृत चर्चा फिर कभी अलग से की जाएगी.

शिव का नृत्य ब्रह्मांड, यही परम सत्य

आचार्य अजय मिश्रा

भगवान शिव का नटराज भी कहा जाता है और नृत्य की मुद्रा में भी उनकी अराधना की जाती है. नृत्य करती शिव की नटराज प्रतिमा दर्शाती है कि संसार गति से भरा है, और यहां का कण-कण नृत्य कर रहा है. शिव का नृत्य ही ब्रह्मांड है. इस नृत्य में गति है. यह भी कह सकते हैं कि इस गति में नृत्य है. परम सत्य तो यही है कि नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है. इसी गति को पाना प्रभु को पाना है. जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा. क्या है भोले बाबा के नृत्य के पीछे की कहानी, आइए जानें-

शिव के नटराज मुद्रा में होने की कथा का वर्णन हमें स्कंद पुराण में मिलता है. नटराज की मूर्ति देखें तो उनके पैरों तले कोई है. यह अपस्मरा नाम का राक्षस है. कहा जाता है कि अपस्मरा राक्षस बहुत अभिमान था. साथ ही अज्ञानी भी. शिव के नटराज मुद्रा में शिव आन्दित होकर मुस्कुराते हुए अपस्मरा पर चढ़कर नृत्य कर रहे हैं. क्यों मुस्कुरा रहे हैं शिव! वे क्रोधित हो कर भी तो राक्षस का वध कर सकते थे. पर आनंदित हैं. दरअसल पैरों तले अभिमान और अज्ञानता कुचला जा रहा है.

शिव पुराण में भी महादेव के नृत्य की चर्चा है. इस ग्रंथ में वर्णित है कि महादेव को जब क्रोध आता है, तो वो तांडव नृत्य करते हैं. शिव जी जब तांडव नृत्य करते हैं तो उस समय उनकी आंखें क्रोध से लाल हो जाती हैं और पूरा ब्रह्मांड कांपने लगता है. भगवान शिव ने तांडव उस समय किया था, जब मां सती अपने पिता द्वारा आयोजित यज्ञ में शामिल होने अपने मायके गई थीं. वहां उनके पिता ने शिव जी का अपमान किया और यह बात सती सहन नहीं कर पाईं. उन्होंने अपने को यज्ञाग्नि में दाह कर लिया.

महादेव को जब इस बात की जानकारी मिली, वे क्रोधित हो उठे. उन्होंने अपने गण वीरभद्र को भेजकर सती के पिता दक्षराज का सर धड़ से अलग कर दिया. इसके बाद सती को अपनी गोद मे उठाकर क्रोध में आकर शिव पूरे ब्रह्मांड में वे तांडव नृत्य करने लगे. शिव का ये रौद्र रूप देखकर सारे देवता, राक्षस, और

जब किसी तरह उनके शांत होने का उपाय नहीं सूझा तो सभी लोग ब्रम्हदेव के पास गए. ब्रह्म देव ने सभी को भगवान विष्णु के पास जाने का सुझाव दिया. जब वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे तो उन्होंने कुछ विचार कर कहा कि इस समय महादेव के सामने जाना उचित नही है. जब तक उनके गोद में मां सती का पार्थिव शरीर है, वो शांत नहीं होंगे. भगवान विष्णु अपने सुदर्शन चक्र से मां सती के पार्थिव शरीर को काटकर नीचे गिराने लगे. कहा जाता है कि मां शरीर का जो अंग कटकर पृथ्वी पर गिरा है वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई. जब मां सती

सदियों पुराना है श्रीनगर का शंकराचार्य मंदिर

280 सीढ़ियों पर चढ़ने के बाद होता विशाल शिवलिंग का दर्शन

रुणा रश्मि दीप्त

हिंदुस्तान का ताज, धरती का स्वर्ग आदि विशेषणों से सुशोभित जम्मू कश्मीर अपनी मनोहरी प्राकृतिक छवि के लिए तो विश्व भर में प्रसिद्ध है ही, साथ ही साथ यह अनेकानेक मान्यता प्राप्त प्राचीन सुप्रसिद्ध मंदिरों के लिए भी जाना जाता है. दूर-दूर से श्रद्धालु यहां ऊंचे पर्वत पर स्थित देवी देवताओं के दर्शन की खातिर आते हैं. उन अनेकानेक मंदिरों में से एक मंदिर है, श्रीनगर में स्थित शंकराचार्य मंदिर.

यह जम्मू कश्मीर के श्रीनगर शहर में गोपाल गिरी पर्वत पर स्थित एक अत्यंत ही प्राचीन शिव मंदिर है. यह मंदिर समुद्र तल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. इतनी अधिक ऊंचाई पर स्थित होने के कारण ही शहर के प्रत्येक कोने से इसका दर्शन दूर से ही हो जाता है.

जैसाकि स्थानीय लोगों ने बताया, इसका भ्रमण सर्वप्रथम आदि शंकराचार्य जी ने किया था, इसीलिए इस मंदिर को शंकराचार्य मंदिर के नाम से जाना जाता है. भक्तों का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण 200 ईसा पूर्व में मौर्य राजकुमार जलुका ने करवाया था.

वास्तुकला के हिसाब से भी यह मंदिर अत्यधिक महत्वपूर्ण है. यह कश्मीरी शिखर शैली की वास्तुकला का प्रतिनिधित्व करता है. भगवान शिव का यह मंदिर ज्येठेश्वर महादेव के नाम से भी लोकप्रिय है. चौकोर आकार के इस मंदिर में 20 फीट ऊंचा अष्ट कोनिया चट्टानी आधार और अष्टकोणीय स्तंभ है. इसमें एक तहखाना भी है जो मंदिर के निर्माण को सहारा देता है. मुख्य द्वार से मंदिर के सामने स्थित बाग तक पहुंचने के लिए 244 सीढ़ियां और फिर वहां से मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने के लिए और 36 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं. गर्भगृह में एक विशाल शिवलिंग है, इसी के दर्शन के लिए श्रद्धालु आते हैं. गर्भगृह के नीचे एक कमरा है जहां आदिगुरु शंकराचार्य विश्राम करते

थे. (ऐसा बताया गया) लेकिन दर्शनार्थियों का वहां जाना वर्जित है. गर्भगृह से नीचे उतरते हुए दूसरी तरफ कुछ दूरी पर गौरीकुंड है जो अभी पूर्णतया सूख चुका है. मंदिर भ्रमण के साथ ही साथ इतनी ऊंचाई से डल झील सहित पूरे श्रीनगर का नजारा अत्यंत ही मनमोहक होता है.

यह मंदिर, जहां श्रीनगर बस स्टेशन से मात्र करीब ढाई किलोमीटर की दूरी पर स्थित है वहीं रेलवे स्टेशन से 18 किलोमीटर दूर स्थित है. इसलिए सामान्य दर्शनार्थियों के लिए बस स्टेशन से ई-रिक्शा या ऑटो लेना सही रहता है, जबकि रेलवे स्टेशन से ऑटो या टेक्सी बेहतर साधन हैं.

जैसाकि हमारे कई अन्य प्राचीन मंदिरों के विध्वंस की गाथा भी हमने सुनी है, वैसा ही आचरण इसके साथ भी हुआ. किवदंती यह है कि सुल्तान सिकंदर ने मंदिर के शिवलिंग और कई अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को नष्ट कर दिया था. कुछ विनाश प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी हुआ. किंतु कालांतर में, विभिन्न शासकों ने भिन्न-भिन्न समय पर इस मंदिर का जीर्णोद्धार भी किया.

यह मंदिर शैव धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है. कैलाश पर्वत के समीप स्थित होने के कारण ही, भक्तों का ऐसा मानना है कि देवाधिदेव शिव की भक्ति का प्रचार प्रसार इसी क्षेत्र से आरंभ हुआ है. शिवरात्रि यहां का मुख्य पर्व है. ऐसी मान्यता है कि इसी क्षेत्र में महान संत आदि शंकराचार्य ने अपने सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक ग्रंथ 'सौंदर्य लहरी' की रचना की थी.

कुल मिलाकर धार्मिक प्रवृत्ति के श्रद्धालुओं के साथ

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ला विलेट में 'इंडिया हाउस' का किया गया उद्घाटन

ओलंपिक में भारत दोहरे अंक में पदक जीतने के लिए तैयार: नीता

वह दिन अब 'दूर नहीं' है जब भारत ओलंपिक की मेजबानी करेगा

ला विलेट में इंडिया हाउस के उद्घाटन के मौके पर नीता अंबानी, पीटी उषा, जय शाह व अन्य.

भाषा। पेरिस

खेल प्रशासक और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य नीता अंबानी ने कहा है कि टोक्यो ओलंपिक में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतने के लिए तैयार है. ला विलेट में 'इंडिया हाउस' के उद्घाटन के मौके पर 'पीटीआई' से विशेष बातचीत में उन्होंने यह भी कहा कि वह दिन अब 'दूर नहीं' है जब भारत ओलंपिक की मेजबानी करेगा.

पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी

की इच्छा की घोषणा की थी और देश के एक अरब 40 करोड़ लोगों के सपने को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने का संकल्प लिया था. नीता ने कहा, हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करने जा रहे हैं. हमारे खिलाड़ियों में से 47 प्रतिशत लड़कियां हैं. यह सब महिला शक्ति और हमारे युवा लड़के-लड़कियों के लिए है, हम उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं. मुझे उम्मीद है कि हम पहली बार पदक की संख्या को दोहरे अंक में देख पाएंगे. आगे बढ़ो भारत, भारत को गौरवांवित करो. पेरिस ओलंपिक के शानदार उद्घाटन समारोह के पूरी दुनिया का ध्यान खींचने के एक दिन बाद ओलंपिक में पहले कंट्री हाउस 'इंडिया हाउस' का उद्घाटन हुआ, जिसमें बीसीसीआई के सचिव जय शाह और आईओसी के अधिकारी और प्रशासक भी शामिल हुए.

नीता ने कहा, भारत आ गया है. अब समय आ गया है कि एथेंस में पहली बार जलाई गई ज्योति हमारी प्राचीन भूमि भारत के आकाश को रोशन करे. वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा. इंडिया हाउस के उद्घाटन पर यह हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए. पहली बार पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का अपना घर है. यह एक ऐसी जगह है जहा हम अपने खिलाड़ियों का सम्मान करेंगे, उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएंगे. यह विचार उनके दिमाग में कैसे आया यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जब मैं ब्राजील, कोरिया में शीतकालीन ओलंपिक और फिर टोक्यो गई थी तो हमारे पास इंडिया हाउस नहीं था. मुझे लगा कि एक करोड 40 लाख की जनसंख्या वाले भारत को अपना खुद का घर चाहिए.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. ऑस्ट्रेलिया	3	2	0	5
2. चीन	3	0	1	4
3. द. कोरिया	2	2	1	5
4. अमेरिका	1	2	2	5
17. भारत	0	0	1	1

पेरिस ओलंपिक में आज भारत

- **बैडमिंटन :** पुरुष युगल (ग्रुप चरण) : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बनाम मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल (जर्मनी) – दोपहर 12 बजे, महिला युगल (ग्रुप चरण) : अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो बनाम नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा (जापान) – दोपहर 12 :50 बजे, पुरुष एकल (ग्रुप चरण) : लक्ष्य सेन बनाम जूलियन कैरेगी (बेल्जियम) – शाम 5 :30 बजे
- **निशानेबाजी :** 10 मी. एयर पिस्टल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन : मनु भाकर और सरबजोत सिंह, रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा – दोपहर 12 :45 बजे, पुरुष ट्रैप क्वालीफिकेशन : पृथ्वीराज तोंडईमान– दोपहर 1 :00 बजे, 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल : रमिता जिंदल – दोपहर 1 :00 बजे, 10 मीटर एयर राइफल पुरुष फाइनल : अर्जुन बबूता – दोपहर 3 :30 बजे
- **हॉकी :** पुरुष पूल बी : भारत बनाम अर्जेंटीना– शाम 4 :15 बजे से.
- **तीरंदाजी :** पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल : तरुणदीप, धीरज बोम्मादेवरा, प्रवीण जाधव – शाम 6 :30 बजे
- **टेबल टेनिस :** महिला एकल (राउंड ऑफ 32) : श्रीजा अकुला बनाम जियान (सिंगापुर)– रात 11 :30 बजे

पेरिस ओलंपिक : मुक्केबाजी में भारतीय अभियान की शानदार शुरुआत

निकहत-प्रीति पवार प्री क्वार्टर फाइनल में

प्रीति ने वियतनाम की वो थी किम आन्ह को 5-0 से हराया

भाषा। पेरिस

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक में शानदार शुरुआत की. निकहत जरीन और प्रीति पवार पहला मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे. प्रीति पवार ने वियतनाम की वो थी किम आन्ह को सर्वसम्मत फैसले में हराकर पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता और पहली बार ओलंपिक खेलों में भाग ले रही प्रीति ने शनिवार को खेले गए मुकाबले में 5-0 से जीत हासिल करके मुक्केबाजी में भारतीय अभियान की शानदार शुरुआत की.

हरियाणा की इस 20 वर्षीय मुक्केबाज को बीमार होने के कारण ओलंपिक खेलों से कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। पहले राउंड में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और इस दौरान वियतनाम की मुक्केबाज उन पर हावी रही. भारत की मुक्केबाज ने इसके बाद हालांकि आक्रामक रवैया अपनाकर शानदार वापसी की और अगले दो राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया.

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, हमें बेहद खुशी है कि हमने जीत के साथ शुरुआत की. खेलों से पहले बीमार होने के बावजूद प्रीति न सिर्फ उससे उबरने में सफल रही, बल्कि उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और असाधारण साहस दिखाया. प्रीति का अगला मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया की दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मार्सेला येनी एरियास से होगा.

बलराज पंवार पुरुष एकल स्कल्स के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस । भारत के बलराज पंवार रविवार को पेरिस ओलंपिक में रेपेचेज दो में दूसरे स्थान पर रहते हुए नौकायन (रोइंग) की पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए. बलराज ने सात मिनट 12.41 सेकेंड का समय लिया और वह मानाको के क्वेंटिन एंटोगनेली से पीछे रहे जो सात मिनट 10:00 सेकेंड के समय से शीर्ष पर रहे. प्रत्येक रेपेचेज से शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं. पंवार पूरी

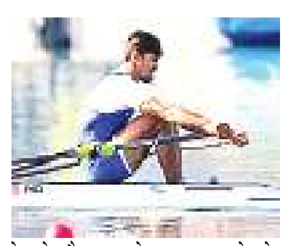

रेस के दौरान दूसरे स्थान पर बने रहे. उन्होंने 500 मीटर की दूरी को एक मिनट 44:13 सेकेंड, 1000 मीटर की दूरी को तीन मिनट 33:94 सेकेंड और फिर 1500 मीटर की दूरी को पांच मिनट 23:22 सेकेंड में पार किया. इसके बाद उन्होंने 2000 मीटर की दूरी की रेस सात मिनट 12.41 सेकेंड में पूरी की. शनिवार को बलराज इसी स्पर्धा में सात मिनट 07:11 सेकेंड के समय से चौथे स्थान पर रहे थे और रेपेचेज दौर में पहुंचे थे. रेपेचेज एक में स्लोवेनिया के इवान इसाक जवेगेल्ज और पैराग्वे के जेवियन इन्सफ्रान क्रमशः सात मिनट 6.90 सेकेंड और सात मिनट 8.29 सेकेंड के समय से शीर्ष दो स्थान पर रहे.

सिंधू ने आसान जीत से अभियान शुरू किया

पेरिस। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप एम के मैच में मालदीव की फातिमाथ अब्दुल रज्जाक के खिलाफ आसान जीत के साथ की. ओलंपिक में लगातार तीसरे पदक के लिए चुनौती पेश कर रही सिंधू और फातिमाथ के बीच का अंतर साफ नजर आया. भारतीय खिलाड़ी ने अपने से कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी को सिर्फ 29 मिनट में सीधे गेम में 21-9 21-6 से शिकस्त दी. शुरुआत में कुछ गलतियां करने के बाद सिंधू ने वापसी की और ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली.

कल्बर्ग पर आसान जीत से श्रीजा अगले दौर में

पेरिस। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने रविवार को स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ पेरिस ओलंपिक खेलों के राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया. डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली श्रीजा ने स्वीडन की खिलाड़ी को 30 मिनट में 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से पराजित किया. भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन अगले तीन गेम में उन्हें थोड़ा संघर्ष करना पड़ा. तीसरे गेम में एक समय स्कोर 7-5 था, लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाकर कल्बर्ग को कोई मौका नहीं दिया.

निकहत ने जर्मनी की मैक्सी क्लोएट्जर को 5-0 से हराया

पेरिस। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को यहां जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. इस 28 साल की गैरवरीय मुक्केबाज ने यहां 'नॉर्थ पेरिस एरेना' अंतिम 32 दौर के मुकाबले में जर्मनी की मुक्केबाजी के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की. निकहत के सामने गुरुवार को खेल जाने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों और मौजूदा फ्लाईवेट विश्व चैंपियन चीन की वू यू की चुनौती होगी. शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू को पहले दौर में बाई मिली है. ओलंपिक में पदार्पण कर रही निकहत पदक की मजबूत दावेदार है।क्लोएट्जर के खिलाफ अपने मुकाबले में वह अच्छी शुरुआत करने में विफल रही.

एकल में खेलने को लेकर सुनिश्चित नहीं : नडाल

पेरिस। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं कि वह पेरिस ओलंपिक में एकल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे या नहीं. कार्लोस अल्काराज के साथ जोड़ी बनाकर पहले दौर का युगल मैच जीतने के बाद उन्होंने कहा कि वह पदक के साथ स्वदेश लौटने के सर्वोत्तम अवसरों के लिए सबसे चतुराई भरा फैसला करना चाहते हैं. नडाल ने कहा, कल, मुझे नहीं पता कि क्या होने वाला है. मुझे नहीं पता कि मैं खेलूंगा या नहीं. वहीं, नडाल के मैनेजर बेनिटो पेरेज-बेरबाडिलो ने कहा है कि 22 बार का यह ग्रैंड स्लैम चैंपियन रविवार को पेरिस ओलंपिक में टेनिस एकल स्पर्धा में खेलेगा. नडाल 38 साल के हैं और पिछले दो सत्र में कई चोटों से जूझ रहे हैं.

पोलैंड का पत्रकार निलंबित

वारसॉ। पोलैंड के सरकारी प्रशासक ने उस टेलीविजन पत्रकार को निलंबित कर दिया है, जिसने ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान जॉन लेनन के 'इमेजिन' के प्रदर्शन को साम्यवाद का दर्शन कहकर प्रतिक्रिया दी थी. राष्ट्रीय प्रशासक टीवीपी ने बयान जारी करके कहा कि पत्रकार और खेल कमेंटेटर, प्रेज़ेमिस्लाव बाबियार्ज़ को वर्तमान ओलंपिक खेलों के दौरान काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. लेनन के गीत में स्वर्ग या नर्क, किसी देश या संपत्ति की कल्पना करने का आह्वान किया गया था. बाबियार्ज़ ने शुक्रवार शाम को पेरिस में सीन नदी के किनारे भव्य उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, दुर्भाग्य से यह साम्यवाद का दर्शन है. उनकी इस टिप्पणी से पोलैंड में विवाद पैदा हो गया था जिसके कारण सरकारी प्रसारक को इस पत्रकार को निलंबित करना पड़ा.

महिला तीरंदाजी टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

पेरिस। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम पेरिस ओलंपिक में रविवार को क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से 0-6 से हार गई. अपना चौथा ओलंपिक खेल रही दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और भजन कौर की तिकड़ी 51-52, 49-54, 48-53 से हार गई. अंकिता और दीपिका ने बेहद खराब प्रदर्शन किया जबकि भजन ने अच्छा स्कोर बनाया. तीरंदाजी में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली टीम को दो अंक मिलते हैं. ड्रॉ पर दोनों टीमों को एक एक सेट प्वाइंट मिलता है. भारत क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर रहने पर क्वाफा में पहुंचा था.

जल गुणवत्ता की चिंता से सीन नदी में ट्रायथलॉन आयोजन रद्द

एजेंसी। पेरिस

पेरिस की सीन नदी की जल गुणवत्ता को लेकर चिंताएं 2024 ओलंपिक में भी जारी हैं और मुख्य ट्रायथलॉन स्पर्धा से पहले रविवार को यहां होने वाले ट्रायथलॉन आयोजन को रद्द कर दिया गया. आयोजकों ने कहा कि उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण करने वाले अधिकारियों के बीच जल गुणवत्ता को लेकर हुई बैठक के बाद रविवार सुबह होने वाले ट्रायथलॉन के तैराकी चरण के सामंजस्य कार्यक्रम को रद्द कर दिया. इसमें विश्व ट्रायथलॉन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ शहर के और क्षेत्रीय अधिकारी भी शामिल थे. खराब जल गुणवत्ता के कारण सीन में तैराकी पर एक सदी से भी अधिक समय से प्रतिबंध लगा हुआ है. आयोजकों ने सीन को इन खेलों के लिए तैयार करने में 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया है. सरकार ने कहा है कि नदी इतनी साफ होगी कि इसमें ट्रायथलॉन के तैराकी चरण और मैराथन तैराकी स्पर्धा सहित अन्य स्पर्धाएं आयोजित की जा सकेंगी. जून के आरंभ में दैनिक जल गुणवत्ता परीक्षणों में बैक्टीरिया के असुरक्षित स्तर का पता चला जिसके बाद हाल ही में स्थिति में सुधार हुआ. पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने ओलंपिक प्रतियोगिताओं के शुरू होने से दो सप्ताह से भी कम समय पहले नदी में डुबकी लगाई जिससे यह दिखाने का वादा पूरा हुआ कि लंबे समय से प्रदूषित जलमार्ग तैराकी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने के लिए पर्याप्त रूप से साफ है.

ओलंपिक के कारण जीवन लौट आया है 'चैरियोट्स ऑफ फायर' स्टेडियम में

भाषा। पेरिस

पिछले 50 वर्षों से गुमनामी में रहा प्रसिद्ध यवेस-डू मनोइर स्टेडियम की पेरिस ओलंपिक खेलों के कारण फिर से रंगत लौट आई है और फ्रांस की राजधानी के उत्तर पश्चिम में स्थित उपनगर कोलंबस का यह स्टेडियम अब ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों से गुलजार है. यह वही स्टेडियम है, जहां हेरोल्ड अब्राहम और एरिक लिडेल का चैरियोट्स ऑफ फायर का पल सामने आया था.

यह स्टेडियम पेरिस ओलंपिक 1924 का मुख्य केंद्र था. तब यहां उद्घाटन समारोह से लेकर कई अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी. वर्तमान ओलंपिक खेलों में यह

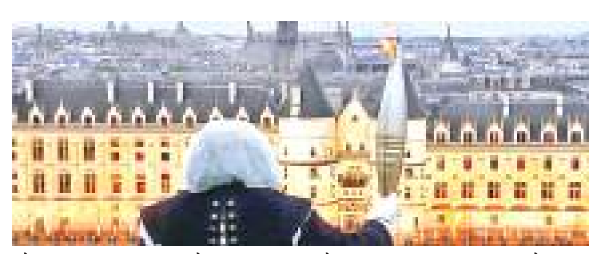

स्टेडियम हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा हूं. यह ओलंपिक 1924 का एकमात्र स्थल है जिसका उपयोग एक सदी बाद किया जा रहा है. इसे चैरियोट्स ऑफ फायर स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है. यह अब्राहम और लिडेल की ब्रिटिश जोड़ी की भागीदारी वाली मशहूर फर्राटा दौड़ की पृष्ठभूमि थी, जिसे 1981 की फ़िल्म में प्रमुख रूप से दर्शाया गया था. यह वही स्टेडियम है, जिसका उपयोग दूसरे विश्व युद्ध के दौरान नजरबंदी शिविर के रूप में किया गया था. इस स्टेडियम का कई बार नवीनीकरण किया गया और 1972 में पार्क डेस प्रिंसेस (फुटबॉल स्टेडियम) की स्थापना तक यह पेरिस में एक प्रमुख खेल केंद्र था लेकिन उसके बाद यह गुमनामी में खो गया.

नाइजीरिया की मुक्केबाज डोपिंग के कारण ओलंपिक से निलंबित

एजेंसी। पेरिस

नाइजीरिया की मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया है. अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार अफ्रीकी खेलों की लाइटवेट चैंपियन ओगुनसेमिलोर का गुरुवार को परीक्षण किया गया था और उनके मूत्र में फ़्यूरोसेमाइड पाया गया है. फ़्यूरोसेमाइड एक मास्किंग एजेंट है जो अन्य दवाओं की उपस्थिति को छिपा सकता है. एजेंसी के अनुसार ओगुनसेमिलोर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और वह ओलंपिक में भाग नहीं ले सकती हैं. इस 22 वर्षीय मुक्केबाज को 60

किग्रा भार वर्ग में चौथी वरीयता दी गई थी तथा उन्हें अपना पहला मुकाबला सोमवार को खेलना था. ओगुनसेमिलोर ने पिछले साल अपने वजन वर्ग में अफ्रीकी खेलों का खिताब जीता था. उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीता था. वह डोपिंग के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर होने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं. इससे पहले शुक्रवार को इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन का परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था.

टी20 क्रिकेट श्रीलंका की टीम ने फाइनल मैच में भारत को आठ विकेट से हराया

भारत को हरा श्रीलंका बना महिला एशिया कप चैंपियन

भाषा। दाम्बुला

हर्षिता समरविक्रमा और कप्तान चमारी अटापट्टू की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंद में 87 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में रविवार को यहां भारत को आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया. भारत को छह विकेट पर 165 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 167 रन बनाकर यादगार जीत दर्ज की. भारतीय टीम की इस हार में खराब गेंदबाजी के साथ बेहद लचर क्षेत्ररक्षण का भी हाथ रहा. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने समरविक्रमा का आसान कैच

टपकाया जिन्होंने 51 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और दो छक्के की मदद से 69 रन बनाये. चमारी ने 43 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को हावी होने का मौका नहीं दिया. कप्तान के आउट होने के बाद समरविक्रमा ने कविशा दिलहारी के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंद में 73 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया. विजयी छक्का लगाने वाली दिलहारी ने 16 गेंद की नाबाद पारी में 30 रन बनाये. दिलहारी ने इससे पहले गेंदबाजी में प्रभावित करते हुए 36 रन देकर दो विकेट चटकाये थे. भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 47 गेंद की अपनी पारी 10 चौके की मदद से 60 रन की पारी खेल बड़े स्कोर की नींव रखी.

लक्ष्य का बचाव करते हुए भारत ने दूसरे ओवर विष्मी गुणारत्ने (01) को रन आउट कर पहली सफलता हासिल की. चमारी पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा उन्होंने शुरू से ही आक्रामर रवैया अपनाये रखा. रेणुका और दीप्ति के ओवर में चौके जड़ने के बाद श्रीलंका की कप्तान ने छठे ओवर में तनुजा कंवर के खिलाफ दो छक्के और चौका लगाकर ओवर से 16 रन बटोरे. पावर प्ले के बाद श्रीलंका स्कोर एक विकेट पर 44 रन हो गया. उन्हें दूसरे छोर से समरविक्रमा का अच्छा साथ मिला. जिन्होंने सातवें और आठवें ओवर में दीप्ति शर्मा (30 रन पर एक विकेट) और राधा यादव के खिलाफ चौके लगाये. चमारी ने 10वें ओवर में रेणुका के खिलाफ चौका जड़ 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने 12 ओवर में दीप्ति के खिलाफ दो चौके जड़ भारतीय खेमे की निराशा को बढ़ाया लेकिन भारत की इस अनुभवी हरफनमौला ने श्रीलंकाई कप्तान को बोल्ड कर वापसी करने का मौका दिया.

गेंदबाजों के कप्तान हैं सूर्यकुमार यादव : अक्षर

भाषा। पालेकल

भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि टी20 टीम के नव नियुक्त कप्तान सूर्यकुमार यादव गेंदबाजों के कप्तान हैं, क्योंकि वह उन्हें अपनी रणनीति के अनुसार चलने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं. अक्षर ने इसके साथ ही कहा कि श्रीलंका के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला में भारतीय टीम बल्लेबाजी में अधिकतम संयोजन आजमाने की कोशिश करेगी. सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ शनिवार को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 43 रन से जीत दर्ज करके शानदार शुरुआत की. अक्षर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली श्रृंखला में सूर्या भाई (कप्तान) के साथ खेला था. मैं जानता था कि वह गेंदबाजों के

कप्तान हैं. वह आपको अपनी रणनीति पर अमल करने की पूरी छूट देते हैं. जब भी आपकी गेंद पर शॉट लगता है तो वह आपके पास आकर कहते हैं कि यह अच्छी गेंद थी. वह आपको सलाह देते रहते हैं. एक खिलाड़ी के रूप में मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं. अक्षर पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की टी20 श्रृंखला में भी सूर्यकुमार की कप्तानी में खेले थे. भारत ने यह श्रृंखला 4-1 से जीती थी. उन्होंने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की श्रृंखला में भी उनकी कप्तानी में खेला था. वह हमेशा गेंदबाजों का हौसला बढ़ाते रहते हैं. भारत ने टी20 विश्व कप में ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा था, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में वह सूर्यकुमार के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे. अक्षर ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम इस तरह से तैयार किया गया था जिससे टीम दाएं हाथ और बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन का अधिकतम उपयोग कर सके. हमारे टीम में बाएं हाथ से चार और दाएं हाथ के भी चार बल्लेबाज हैं. अगर क्रीज पर बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाज का संयोजन रहता है तो फिर गेंदबाजों के लिए अपनी लाइन और लेंथ बनाए रखना मुश्किल होता है.

ब्रीफ खबरें

प्रताड़ना का आरोप बेटी-दामाद गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के इशाकचक थाना क्षेत्र के बरहपुरा मोहल्ले में रविवार को प्रताड़ना के मामले को लेकर पुलिस ने बेटी और दामाद को हिरासत में ले लिया है. दामाद और बेटी अपने ससुर के साथ वर्षों से रह रहे हैं. इस दौरान बेटी और दामाद ससुर के पैसे पर ही ऐश मौथ किया करते थे. उसके बावजूद ससुर के साथ मारपीट करने का वीडियो जब वायरल हुआ तो मोहल्ले वालों के द्वारा मामले की सूचना स्थानीय थाने को दी गई. पुलिस ने बेटी और दामाद को हिरासत में लिया.

प्राचीन मंदिर से छह अष्टधातु की मूर्ति चोरी

पूर्वी चंपारण। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में बीती रात एक प्राचीन मंदिर से चोरो ने अष्टधातु से निर्मित राम जानकी की मूर्ति चोरी कर ले गए. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है. घटना सुगौली के भटहां टिकुलिया रामजानकी मठ की है. मठ के महंत ने रविवार को बताया कि वह मंदिर के बाहर सो रहे थे. सुबह में जब मंदिर में पूजा करने के लिए गए तो देखा कि सभी भगवान का मूर्ति गायब है. मंदिर के बाहर के गेट में ताला बंद था, चोर छत पर बाहर से चढ़ सीढ़ी के गेट में लगी ताला तोड़कर अंदर घुसे और चोरी की घटना को अंजाम दिया है.

बाइक घुसी चाय दुकान में, एक की मौत

किशनगंज। जिले के डेरामारी हाट के समीप एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर राहगीर को ठोकर मारते हुए चाय की दुकान में घुस गईं, जिससे मौके पर दुकान में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच व्यक्ति घायल हो गए. घायलों में बाइक चालक व उस पर बैठे एक व्यक्ति के अलावा चाय दुकानदार व दो अन्य ग्राहक शामिल है. पुलिस व ग्रामीणों के द्वारा घायलों को इलाज के लिए किशनगंज सदर अस्पताल भेजा गया. मृतक डेरामारी पंचायत के ग्वालडांगी निवासी अजय लाल सिंह है. वह घर से डेरामारी हाट आया था.

कचड़ा संग्रह केंद्र को लेकर महादलित परिवार का प्रदर्शन

संवाददाता। भागलपुर

जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र के बोरगांव दरियापुर में मनरेगा विभाग द्वारा कचड़ा संग्रह केंद्र बनाए जाने को लेकर रविवार को महादलित परिवार ने जमकर विरोध करते हुए हंगामा किया. घटना की जानकारी मिलते ही जदयू अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष महेश दास ने महादलित परिवारों से मुलाकात की.

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि चारों तरह सभी जाति धर्म के लोग रहते हैं. यहां मनरेगा के द्वारा बिना स्थल जांच किये जमीन चिह्नित कर

कचड़ा संग्रह केन्द्र बनाया जा रहा है. कचड़ा संग्रह केंद्र बनने से यहां के लोगों को तरह तरह की बीमारी उत्पन्न हो सकती है. हम लोग भूमिहीन परिवार हैं. हमारी पुश्तें इस जमीन पर रह रहे हैं. हमलोगों को सरकार के द्वारा तीन डीसमील जमीन रहने के लिए दिया गया है लेकिन अंचल के द्वारा अबतक तीन डीसमील जमीन का पर्चा नहीं दिया गया है. इसके लिए जिला पदाधिकारी, अंचल पदाधिकारी को लिखित आवेदन देने पर भी अबतक कोई भी कार्यवाही नहीं होने पर किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं. जदयू अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष महेश दास ने कहा कि इसके लिए मनरेगा पदाधिकारी एंव अंचल पदाधिकारी से बातचीत कर सारी समस्या का निदान जल्द किया जाएगा.

बिना काम कराए पंचायत निधि से 12.50 लाख का हुआ भुगतान

संवाददाता। नवादा

जिले के एक पंचायत में बिना काम किए 12.50 लाख रुपये का भुगतान हो गया. कैग की रिपोर्ट ने इस घोटाले का खुलासा हुआ है. मामला नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड के बुधुआ पंचायत का है. यहां बिना काम किए 12.50 लाख रुपये का पेमेंट किया गया. रविवार को जानकारी मिलते ही नवादा जिले का अधिकारियों में हड़प्पा मच गया. कैग की रिपोर्ट के मुताबिक, पंचायत में वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2021-22 के दौरान नाला निर्माण और सड़क निर्माण के नाम पर 15.93 लाख रुपये का काम होना था.

बिना काम हुए जूनियर इंजीनियर ने बना दी रिपोर्ट : बिहार विधानसभा में बीते दिन पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि जूनियर इंजीनियर ने काम हुए बिना ही 13.05 लाख रुपये के काम की नापी रिपोर्ट बना दी. इसी के आधार पर मई से जुलाई 2020 के बीच अभिकर्ता को 12.50 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया. कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पंचायत के मुखिया और तत्कालीन सचिव ने बिना काम की जांच किए ही भुगतान कर दिया.

अपसड़ व भवानी बिगहा गांव के बगीचे में पुलिस ने की छापेमारी

लोन दिलाने के नाम पर ठगी करते 11 अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। नवादा

बैंक से कर्ज दिलाने के नाम पर ठगी करनेवाले 11 साइबर अपराधी को साइबर पुलिस ने रविवार को धर दबोचा. गिरफ्तार साइबर अपराधियों से साइबर पुलिस पूछताछ कर रही है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से लैपटॉप, दर्जनों मोबाइल, कई पन्नों का कस्टमर डाटा बरामद किया गया है. बताया जाता है कि वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसड़ व भवानी बिगहा गांव के बगीचे से करीब 20-25 की संख्या में बैठे साइबर अपराधी धनी फाइनेंस प्राइवेट कंपनी सहित विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से सस्ते दर पर लोन दिलाने की नाम पर ठगी कर रहे थे. इसी सूचना पर एसपी के निर्देश पर साइबर पुलिस उपाधीक्षक प्रिया ज्योति के नेतृत्व में एसआइटी गठित कर साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गयी. एसआइटी की सूचना पर बगीचे की घेराबंदी कर साइबर अपराधियों को पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन, पुलिस को देख भागने लगे. इनमें से पुलिस ने खदेड़कर लगभग 11 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है.

कुछ मौके पाकर साइबर अपराधी फरार हो गये .

गिरफ्तार अपराधियों के पास कई लेपटॉप, दर्जनों एंड्रॉयड मोबाइल व कई पन्नों की कस्टमर डाटा बरामद की गयी है. ऐसे साइबर पुलिस उपाधीक्षक प्रिया ज्योति फिलहाल कुछ बताने से परहेज कर रही है. साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है. गौरतलब है कि वारिसलीगंज, काशीचक, शाहपुर व पकरीबरावां तथा नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के गांव इलाके में साइबर अपराधियों की दुकान गांव के बाहर बगीचे में सजती है.

तनिष्क शोरूम लूट का बंगाल के मालदा से कनेक्शन, लुटेरों के जूते-चप्पल मिले

पूर्णिया। तनिष्क के शोरूम में हुई बड़ी लूट की घटना का खुलासा करते हुए एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने कहा है कि हम लोग जल्द ही लुटेरों के पास पहुंच जाएंगे . जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स अलग-अलग टीमों में काम कर रही है . अब तक मिले सूत्रों के अनुसार लुटेरे पुलिस को चकमा देने के लिए ऐसे रास्ते का प्रयोग भागने के लिए किया, जिसमें सीसीटीवी की कमी हो . उन्होंने बताया कि पुलिस ने पूर्णिया के बेलौरी में एक सुनसान स्थान सपनी के पास एक चप्पल एक जूता और डब्बा तथा जले हुए कपड़े बरामद किया है . उनके अनुसार लूटेरों ने यहां पर अपने पुराने कपड़े को जला दिया है . यह लोग लूट की घटना को अंजाम देने के बाद वहां से पंचमुखी मंदिर फिर रामबाग होते हुए कप्तान पुल उसके बाद बेलौरी होते हुए भागे हैं . सूचना अनुसार इन लोगों ने पहले कई दिनों से रेकी की है उसके बाद इस लूट की घटना को अंजाम दिया है . इन लोगों ने भागने का सेफ रास्ता सोनौली होते हुए मनिहारी के हसनगंज फिर बंगाल के मालदा को चुना . पुलिस के अनुसार विशेष जानकारी जुटाना के बाद दो लोगों को डिटेन किया गया है . इन लोगों पर लाइनर की भूमिका निभाने की शंका है . 26 जुलाई को हुए इस बड़ी लूट की घटना के बाद 27 जुलाई रात्रि तक हुए लूट के सामानों के मिलान के बाद तनिष्क शोरूम की ओर से बताया गया है कि लगभग 3 करोड़ 70 लाख का सामान लुटा गया है .

कारगिल शहीद के परिजन सम्मानित

संवाददाता। पूर्वी चंपारण

एनसीसी के ग्रुप मुख्यालय मुजफ्फरपुर से पहुंचे अधिकारियो ने रविवार को मोतिहारी शहर के राजाबाजार स्थित 25 बिहार बटालियन एनसीसी कार्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानो के परिजनो को सम्मानित किया गया. मौके पर एसएसबी 71वीं बटालियन के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे.समारोह में पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिले के कारगिल युद्ध मे शहीद 14 जवानो के परिवारजनों को सम्मानित किया गया. समारोह में 25 बिहार बटालियन एन.सी.सी.के

कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रदीप कुमार सिंह(सेना मेडल)ने उन वीर शहीदो के पत्नी और उनके परिवारजनों का स्वागत किया जिनके पतियों और पुत्रों ने कारगिल के कठिन युद्घ में अपने अपने प्राणों की आहुतियां देकर देश की सीमाओं की रक्षा की थी.उन शहीद सैनिकों की बहादुरी के कारनामे भी बताए गए और यह कहा गया कि राष्ट्र सदैव उन बलिदानियों की कुर्बानी को याद रखेगा.राष्ट्र उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता रहेगा.

इस अवसर पर सैनिकों की बलिदान गाथा को सुनकर उन परिवारों के सीने गर्व से चौड़े हो गए और आंसुओं की बरसात भी होती रही. इसके पश्चात कमान्डेंट एस. एस.बी.,प्रफुल्ल कुमार सिंह एवं कमांडिंग ऑफिसर एन.सी.सी.प्रदीप कुमार सिंह द्वारा सभी वीर नारियों की कृतज्ञ राष्ट्र एवं नागरिकों की ओर से स्मृति स्वरूप भेंट और उपहार प्रदान किया गया.इस अवसर पर बटालियन द्वारा हाई टी का भी आयोजन शहीदो के परिजनो के सम्मान में किया गया.

350 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज। जिले के महानंदा पुल के पास गुप्त सूचना के आधार पर ठाकुरगंज पुलिस और एसएसबी 19वीं वाहिनी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 350 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ टू मंगलेश कुमार सिंह ने आज बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पुल के पास ब्राउन के कारोबारी मौजूद है. इसके बाद तत्काल एक टीम को गठित किया गया और एसएसबी 19वीं वाहिनी के साथ मिलकर आरोपियों को पकड़ लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अब्दुल कलाम और हबीबुर रहमान के रूप में की गई है.

व्यवसायी की गोली मार कर हत्या

बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े घटना को दिया अंजाम

संवाददाता। पूर्वी चंपारण

जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े एक व्यवसायी की गोली मार कर हत्या कर दी.बताया जा रहा है,कि व्यवसायी अपने भतीजा के साथ स्कूटी पर सवार होकर बाजार जा रहे थे. घटना में उसका भतीजा बाल बाल बचा है. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

घटना पिपरा थाना क्षेत्र के बेदीबन मधुबन गांव में घटित हुआ है.मृतक रामायण साह नेपाल की राजधानी काठमांडू में हार्डवेयर का बड़ा व्यवसायी था. पिता की मौत हो जाने के बाद वह घर आया था, कल पिता का अंतिम संस्कार करने के बाद रविवार को स्कूटी से अपने भतीजा के साथ बाजार जा रहा था, इसी बीच बाइक सवार अपराधियो ने उसे दो गोली मारी, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई है.वहीं, पीछे बैठे भतीजे ने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई. घटना के पीछे की वजह अब तक सामने नहीं आयी है. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पिपरा थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने मामले की जांच शुरू कर दी है. साथ ही घटना के पीछे की वजह पता करने में जुटे हैं.

कारोबार

महिंद्रा होलिडेज : बुकिंग 85 % रहने की उम्मीद

नयी दिल्ली। महिंद्रा होलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) को चालू वित्त वर्ष में अपने सदस्यों की ओर से कमरों की बुकिंग 85 प्रतिशत के स्तर पर रहने की उम्मीद है. कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज भट्ट ने कहा है कि कम अवधि की छुट्टियों की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच हम सतत बुकिंग की उम्मीद कर रहे हैं. कंपनी ने पहली तिमाही में अपने रिजॉर्ट्स में करीब 90 प्रतिशत की बुकिंग दर्ज की है, लेकिन दूसरी तिमाही कुछ नरम रह सकती है.

बीते सप्ताह मूंगफली में सुधार देखा गया

नयी दिल्ली। आम बजट से पहले देश में सूरजमुखी तेल सहित बाकी खाद्य तेलों का जरूरत से कहीं अधिक आयात होने की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट रही. आपूर्ति की कमी के बीच उच्च आयवर्ग के उपभोक्ताओं की मांग निकलने की वजह से मूंगफली के दाम मजबूती दर्शाते बंद हुए. केंद्रीय बजट में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाये जाने की उम्मीद में आयातकों ने सभी खाद्य तेलों का जरूरत से अधिक आयात किया .

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ दो को

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दो अगस्त को खुलेगा. कंपनी ने कहा है कि वह आईपीओ से प्राप्त राशि के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल अपने सेल विनिर्माण संयंत्र की क्षमता विस्तार और शोध एवं विकास (आरएंडी) गतिविधियां बढ़ाने पर करेगी. आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री छह अगस्त को बंद होगी. एंकर (बड़े) निवेशक एक अगस्त को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगी. कंपनी आईपीओ के तहत 5,500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करेगी.

अडानी समूह की पेट्रो रसायन परियोजना 2026 तक चालू होगी

भाषा। नयी दिल्ली

अडानी समूह दिसंबर, 2026 तक चार अरब अमेरिकी डॉलर की पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) परियोजना के पहले चरण को चालू करने के साथ पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतरेगा. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों ने कहा कि यह क्षेत्र ऐसा है जिसमें घरेलू मांग और आपूर्ति में काफी अंतर है. पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी)- दुनियाभर में बनाया जाने वाला तीसरा सबसे सामान्य सिंथेटिक प्लास्टिक पॉलिमर है. इसका उपयोग रेनकोट, शॉवर कर्टेन, खिड़की के फ्रेम, इनडोर प्लंबिंग के लिए पाइप, चिकित्सा उपकरण, तार और केबल इन्सुलेशन, बोतल, क्रेडिट कार्ड और फ्लोरिंग जैसे उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है. भारत की सालाना पीवीसी मांग लगभग 40 लाख टन है लेकिन घरेलू उत्पादन क्षमता केवल 15 लाख टन है. इस वजह से मांग और आपूर्ति में काफी अंतर रहता है. खपत बढ़ने के साथ यह अंतर और बढ़ेगा. अदाणी समूह इस क्षेत्र में उतरकर लाभ उठाना चाहता है.

समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज गुजरात के मुंदड़ा में एक पेट्रोरसायन 'क्लस्टर' स्थापित कर रही है. मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि कंपनी का इरादा इस क्लस्टर के अंदर 20 लाख टन सालाना क्षमता वाला पीवीसी संयंत्र लगाने का है. इस संयंत्र को कई चरणों में स्थापित किया जाएगा. इसका शुरुआती चरण दिसंबर, 2026 तक चालू होने की उम्मीद है. इस दौरान संयंत्र की उत्पादन क्षमता सालाना 10 लाख टन की होगी. समूह ने पिछले साल मार्च में इस परियोजना को रोक दिया था. समूह ने कहा था कि वित्तीय संसाधन जुटने तक उसने प्रमुख उपकरण खरीद और साइट निर्माण गतिविधियों को बंद करने का फैसला किया है. इसके बाद अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट में अदाणी समूह की कंपनियों पर वित्तीय और लेखांकन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था.

हालांकि, अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था लेकिन यह रिपोर्ट आने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी. इसके बाद समूह ने वापसी के लिए रणनीति बनाई. इसके तहत उसने इक्विटी के रूप में पांच अरब डॉलर और कर्ज के रूप में इससे दोगुनी राशि जुटाई. साथ ही उसने अपने कुछ कर्ज का भुगतान किया. बाजार का भरोसा फिर कायम होने के बाद अदाणी समूह ने पेट्रोरसायन संयंत्र पर काम फिर शुरू किया. सूत्रों ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में ऋणदाताओं का गठजोड़ इस परियोजना का वित्तपोषण कर रहा है.

विदेश जाने के लिए कर चुकता प्रमाण पत्र मामले को लेकर सरकार का स्पष्टीकरण

बड़ी चूक के मामलों के लिए ही है प्रस्ताव

भाषा। नयी दिल्ली

विदेश जाने के लिए कर चुकता प्रमाणपत्र को अनिवार्य करने के बजट प्रस्ताव पर सोशल मीडिया में आक्रोश के बाद सरकार ने रविवार को स्पष्ट किया कि प्रस्तावित संशोधन सभी के लिए नहीं है. सरकार ने कहा कि ये प्रस्ताव केवल वित्तीय अनियमितताओं के आरोपियों या बड़े बकायदारों के लिए है

और उन्हें ही इस तरह की मंजूरी लेनी होगी.

वित्त मंत्रालय ने वित्त विधेयक, 2024 में काला धन अधिनियम, 2015 का संदर्भ उन अधिनियमों की सूची में जोड़ने का प्रस्ताव किया है, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को कर चुकता प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए अपनी देनदारियों को चुकाना होगा. मंत्रालय ने बयान में कहा, प्रस्तावित संशोधन में सभी निवासियों को कर चुकता प्रमाणपत्र लेने की जरूरत नहीं है.

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 230 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को कर चुकता प्रमाणपत्र हासिल करने की जरूरत नहीं है. केवल कुछ व्यक्तियों के मामले में ही ऐसा करना जरूरी है. मंत्रालय ने कहा कि आयकर विभाग ने 2004 की अधिसूचना के जरिये स्पष्ट किया है कि कर चुकता प्रमाणपत्र केवल कुछ परिस्थितियों में भारत में रहने वाले व्यक्तियों को लेना होगा. ऐसे मामलों में, जहां व्यक्ति गंभीर वित्तीय अनियमितताओं में शामिल है.

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 94,151 करोड़ पर

नयी दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून, 2024 में समाप्त तिमाही में पांच गुना होकर 94,151 करोड़ पर पहुंच गया है. एक साल पहले समान तिमाही में यह आंकड़ा 18,358 करोड़ रुपये था. मजबूत आर्थिक माहौल, सरकार की अनुकूल राजकोषीय नीतियां, निवेशकों का भरोसा और शेयर बाजारों में तेजी के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड को लेकर आकर्षण बढ़ा है. एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, जून में उद्योग के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 59 प्रतिशत बढ़कर 27.68 लाख करोड़ रुपये हो गईं.

नियम सख्त बनाने पर काम कर रहा है डीपीआईआईटी

तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई नियम और सख्त होंगे

भाषा। नयी दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तंबाकू क्षेत्र में प्रचार-प्रसार की गतिविधियों पर रोक और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को और सख्त करने के प्रस्ताव पर काम कर रहा है. एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनियां इस बारे में नियमों को 'दरकिनार' करने की कोशिश कर रही हैं, जिसके मद्देनजर सरकार एफडीआई नियमों को सख्त करना चाहती है. फिलहाल तंबाकू के सिगार, चुरूट, सिगारिलो और सिगरेट के विनिर्माण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर रोक है. हालांकि, तंबाकू क्षेत्र में किसी तरह के प्रौद्योगिकी सहयोग में एफडीआई की अनुमति है. इसमें फ्रेंचाइजी के लिए लाइसेंस, ट्रेडमार्क, ब्रांड नाम और प्रबंधन अनुबंध शामिल हैं. अधिकारी ने कहा, तंबाकू में एफडीआई प्रतिबंधित है, और क्षेत्र की प्रचार-प्रसार गतिविधियों को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता है. ऐसे उत्पादों का प्रचार करके कुछ कंपनियां एक ऐसी तंत्र बनाने की कोशिश करती हैं जहां तस्करी बढ़ती है. उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस मुद्दे पर विभिन्न मंत्रालयों के विचार जानने के लिए एक मसौदा नोट जारी किया है. अधिकारी ने कहा कि प्रचार गतिविधियों में प्रॉक्सी विज्ञापन, विभिन्न तरीकों से ब्रांड प्रचार और ब्रांड के बारे में जागरूकता पैदा करना शामिल है.

अधिकारी ने कहा, हम कह रहे हैं कि तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई प्रतिबंधित है और इसकी प्रचार गतिविधियों पर भी रोक लगाई जानी चाहिए.

विश्लेषकों की राय | 31 को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों की घोषणा करेगा

तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

भाषा। नयी दिल्ली

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय, कंपनियों के तिमाही नतीजे, वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की कारोबारी गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी. विश्लेषकों ने यह राय जताई है.

उनका कहना है कि निवेशक आगे के संकेतकों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान और कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव पर भी नज़र रखेंगे. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, इस सप्ताह सभी का ध्यान वैश्विक संकेतकों... विशेषरूप से अमेरिकी बाजारों पर रहेगा. अमेरिकी फेडरल

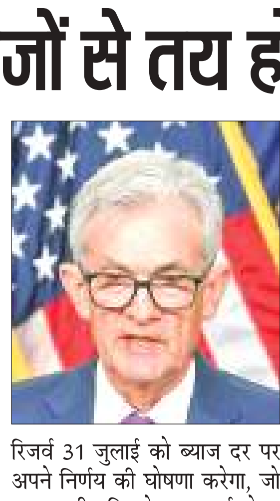

रिजर्व 31 जुलाई को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा, जो बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा. बाजार इस साल ब्याज दर में संभावित कटौती की उम्मीद कर रहा है. इसके अलावा अमेरिका और चीन के अन्य व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी सभी की नजर रहेगी. घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे महत्वपूर्ण रहेंगे. सप्ताह के दौरान कई बड़ी कंपनियां जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी.

इस सप्ताह गेल, अदाणी पावर, बैंक ऑफ बड़ौदा, बीएचईएल, कोल इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, टाटा स्टील, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी. मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा. सप्ताह के दौरान भारत के बुनियादी ढांचा उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे. इनके अलावा चीन के विनिर्माण पीएमआई आंकड़े, बीओई (बैंक ऑफ इंग्लैंड) का ब्याज दर पर निर्णय, अमेरिकी गैर-कृषि रोजगार के आंकड़े और फेडरल रिजर्व की प्रेस कॉन्फ्रेंस बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आगे चलकर घरेलू बाजार की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों से प्रभावित होगी. इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ इंग्लैंड की नीतिगत बैठक, अमेरिका के रोजगार के आंकड़े और यूरो क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बाजार को दिशा देंगे. पिछला सप्ताह बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहा.

एफपीआई ने जुलाई में अबतक शेयरों में 33,600 रु करोड़ डाले

भाषा। नयी दिल्ली

नीतिगत सुधार जारी रहने की उम्मीद, सतत आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार में 33,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है. हालांकि, सरकार द्वारा बजट में वायदा और विकल्प व्यापार (एफएंडओ) और इक्विटी निवेश से पूंजीगत लाभ पर कर में बढ़ोतरी के बाद एफपीआई ने पिछले तीन कारोबारी सत्रों (24-26 जुलाई) में शेयरों से 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है. बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार इस साल विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है. हालांकि, कुछ घटनाक्रमों की वजह से मासिक आधार पर इनमें कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है. बजाज फिनसर्व एएमसी के सीआईओ निमेश चंदन ने कहा, भारतीय शेयर बाजार और ऋण या बॉन्ड बाजार इस वर्ष अनुकूल स्थिति में हैं. इससे देश में विदेशी प्रवाह आकर्षित होना चाहिए. हालांकि, माह-दर-माह आधार पर इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है.

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (26 जुलाई तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 33,688 करोड़ रुपये का निवेश किया है. इससे पहले जून में शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश आया था. एफपीआई ने चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे. मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, आर्थिक रूप से भारत मजबूत स्थिति में है. इसके अलावा कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं.

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने टोक्यो के एडोगावा स्थित फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया, कहा

गांधी का अहिंसा का शाश्वत संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक जितना 80 साल पहले था

एजेंसी। टोक्यो

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी का यह शाश्वत संदेश संघर्ष, ध्रुवीकरण और रक्तपात देख रही दुनिया पर आज भी लागू होता है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए. जयशंकर ने यह टिप्पणी टोक्यो के एडोगावा स्थित फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण करते समय की. जयशंकर 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए लाओस से दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को जापान पहुंचे. जयशंकर ने कार्यक्रम के दौरान गांधी के शाश्वत संदेशों पर बात की. उन्होंने कहा, 'मैं आज यह कहना चाहता हूं कि जब हम दुनिया में इतना संघर्ष, इतना तनाव, इतना ध्रुवीकरण, इतना खून-खराबा देख रहे हैं, तो गांधी जी का यह संदेश बहुत महत्वपूर्ण है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग, युद्ध का युग नहीं होना चाहिए. यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना 80 साल पहले था.' जयशंकर ने कहा, 'उनका (गांधी का) दूसरा संदेश स्थिरता, जलवायु अनुकूलन, हरित विकास, हरित नीतियों के संदर्भ में है. गांधी जी सतत विकास के मूल पैगंबर थे.' उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीने के सबसे बड़े समर्थक थे. विदेश मंत्री ने कहा, 'इसलिए गांधी जी का संदेश केवल सरकारों के लिए नहीं है, बल्कि इसे हर किसी को अपने निजी जीवन में अपनाना चाहिए. यह एक ऐसी चीज है, जिसे हम (अगली पीढ़ियों को) आगे पहुंचाते हैं. गांधी जी निश्चित रूप से समावेशिता के समर्थक थे और इसी चीज को हम आज भारत और दुनिया भर में देख रहे हैं.'

गांधी के बिना भारत को स्वतंत्रता के लिए और लंबा संघर्ष करना पड़ता

विदेश मंत्री ने कहा कि गांधी के बिना भारत को स्वतंत्रता के लिए शायद और लंबा संघर्ष करना पड़ता या वह किसी अलग दिशा में चला जाता. जयशंकर ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता ने वास्तव में पूरी दुनिया को उपनिवेश मुक्त कर दिया, यह एक 'बहुत महत्वपूर्ण घटना' का प्रारंभिक बिंदु था. उन्होंने कहा, 'जब भारत आजाद हुआ, एशिया के अन्य हिस्से आजाद हुए, अफ्रीका आजाद हुआ, लातिन अमेरिका आजाद हुआ... आज जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, दुनिया बदल रही है, यह बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रही है, जी-7 जी-20 बन गया है, तो एक तरह से यह सब गांधी जी द्वारा अतीत में किए गए कार्यों का परिणाम है.'

जयशंकर व ब्लिंकन ने टोक्यो में क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की. दोनों नेताओं ने टोक्यो में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात की. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'टोक्यो में आज विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर बहुत अच्छा लगा. हमारा द्विपक्षीय एजेंडा लगातार आगे बढ़ रहा है. क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई. 'क्वाड' विदेश मंत्रियों की कल होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं.' भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी.

चीन ने ताइवान में सम्मेलन में हिस्सा न लेने का दबाव बनाया

बीजिंग। चीन के राजनयिक कम से कम छह देशों के नेताओं पर ताइवान में प्रस्तावित चीन केंद्रित सम्मेलन में हिस्सा न लेने का दबाव बना रहे हैं. बैठक में भाग लेने की योजना बना रहे नेताओं ने यह जानकारी दी. बोलिविया, कोलंबिया, स्लोवाकिया, उत्तर मैसेडोनिया, बोस्निया एवं हर्जेगोविना और एक अन्य एशियाई देश (जिसने नाम उजागर करने से इनकार कर दिया) के नेताओं ने कहा कि उनके पास (ताइवान में होने वाली) बैठकों के संबंध में संदेश और फोन कॉल आ रहे हैं, जिसमें उनसे पूछा जा रहा है कि क्या वे ताइवान की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

चीन में भूस्खलन से 11 लोगों की हुई मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने से एक मकान ढह गया, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई. चीनी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली. चीन की डिजिटल न्यूज वेबसाइट ''द पेपर'' में प्रकाशित खबर में बताया गया है कि एक अन्य घटना में, चीन के शंघाई में तूफान के कारण एक पेड़ के गिर जाने से एक कंपनी के प्रतिनिधि की मौत हो गई. अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि चीन में ये मौतें संभवतः उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'गेमी' के कारण हुई.

ममता का 'अपमान' अच्छा नहीं : राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि नयी दिल्ली में एक दिन पहली हुई नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'अपमान' लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है. राउत ने पत्रकारों से कहा कि राज्यों के कई मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है और किसी मुख्यमंत्री का माइक्रोफोन बंद करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है. केंद्र द्वारा दिया जाने वाला धन भारत के लोगों का है. इसे विभिन्न करों के रूप में इकट्ठा किया जाता है. महाराष्ट्र को क्या मिला...

मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है और दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही एक करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि आरोपी विदेश में रह रहे दो मादक पदार्थ तस्करों के लिए काम कर रहे थे. यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पंजाब पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है.

कार्यक्रम में भगदड़ से सात लोगों की हुई मौत

किन्शासा। कांगो की राजधानी किन्शासा में शनिवार रात एक संगीत कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. किन्शासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि मशहूर गायक माइक कलमबाई राजधानी के मध्य में स्थित स्टेड डेस मार्टियर्स स्टेडियम में आयोजित संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दे रहे थे, तभी वहां भगदड़ मच गई. अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि स्टेडियम में भगदड़ कैसे मची. उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है.

नेताजी के पड़पौत्र की प्रधानमंत्री से अपील

कोलकाता। महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के पड़पौत्र चंद्र कुमार बोस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 18 अगस्त तक जापान के रेंकोजी से 'नेताजी के अवशेष' वापस लाने की अपील की. उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले पर केंद्र सरकार की ओर से एक अंतिम बयान आना चाहिए, ताकि नेताजी के बारे में 'झूठी कहानियों' पर विराम लग सके. बोस ने कहा कि राजग सरकार द्वारा रिपोर्ट जारी करने के बाद यह स्पष्ट है कि 'नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945' को ताइवान में एक विमान दुर्घटना में हुई थी.

आईएस कोचिंग सेंटर में तीन अभ्यर्थियों की मौत के बाद गम व गुस्सा

जिम्मेदार कौन? दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत के बाद छात्रों में गुस्सा है. छात्रों ने इलाके में विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. एक यूपीएससी अभ्यर्थी ने कहा, "हमारी मांग है कि इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. यहां बेसमेंट में खुली ये सभी चीजें अवैध रूप से संचालित की जा रही हैं और सुरक्षा के भी कोई उपाय नहीं हैं इसलिए इन सभी चीजों को रोका जाना चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए." प्रदर्शन की खबर मिलने के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों से एडिशनल डीसीपी सचिन शर्मा मिलने पहुंचे. उन्होंने ने कहा, "तीन लोगों की मौत हुई है. हम कुछ भी क्यों छिपाएंगे? हम आपको आश्वासन देते हैं कि कानूनी तौर पर जो भी संभव होगा हम करेंगे. जांच जारी है." वहीं सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी एम हर्षवर्द्धन ने बताया कि इस मामले में कोचिंग इंस्टीट्यूट और इमारत के मैनेजमेंट के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की गई है. जांच जारी है और किसी भी दोषी को बख़्शा नहीं जाएगा. इस बीच, राव आईएएस स्टडी सर्कल ने बयान जारी कर कहा है कि देश की सेवा करने की तैयारी कर रहे होनहार युवाओं को खोने से हम बहुत दुखी हैं. घटना की जांच में सहयोग करने को प्रतिबद्ध हैं.

प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने पहुंचीं मालीवाल

प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भी घटनास्थल पहुंचीं थीं. आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा, "बच्चे बहुत दु:खी हैं और बहुत गुस्से में हैं. 12 घंटे से ज्यादा हो गए हैं लेकिन अभी तक न दिल्ली सरकार के कोई मंत्री या दिल्ली की मेयर आई हैं, कोई अधिकारी नहीं आया है. इन बच्चों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है. मैं मानती हूं कि ये मौत कोई आपदा नहीं है बल्कि ये हत्या है, जितने भी दिल्ली सरकार के बड़े-बड़े लोग हैं उन पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए. जितने बच्चों की मौत हुई है उनके घर पर जाकर 1 करोड़ का मुआवजा देना चाहिए.

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा यह मानव निर्मित त्रासदी

दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाक़े के कोचिंग सेंटर में हुए हादसे पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सवाल उठाए हैं. पवन खेड़ा ने कहा है कि क्या दिल्ली में कानून अपना काम कर रहा है? पवन खेड़ा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, "बेसमेंट में पानी भरने की वजह से तीन बच्चों की जान चली गई. यह प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह मानव के द्वारा बनाई गई त्रासदी है." "दिल्ली में दूसरे राज्यों से पढ़ने के लिए बच्चे आते हैं. लेकिन क्या यह देखा जा रहा है जो ये कोचिंग सेंटर चल रहे हैं इनका ढांचा क़ानूनी तौर पर सही है? पानी के निकलने का क्या प्रबंधन है. क्या एमसीडी इन सब को देख रहा है." पवन खेड़ा ने कहा, "ये वो सवाल हैं जो कि इस हादसे के इर्द-गिर्द घूम रहे हैं.

ज़िम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए: मेयर शैली

दिल्ली नगर निगम की मेयर शैली ओबेरॉय ने कहा है कि राजेंद्र नगर इलाक़े में हुए हादसे के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. शैली ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, मैंने एमसीडी कमिश्नर को दो आदेश दिए हैं. पहला दिल्ली में जितने भी कोचिंग सेंटर एमसीडी के अंतर्गत आते हैं और वो नियमों के ख़िलाफ़ चल रहे हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए." "दूसरा आदेश ये है कि अगर एमसीडी का कोई भी अधिकारी इस मामले के लिए ज़िम्मेदार है तो उस पर भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए." शैली ओबेरॉय ने कहा, "इस बिल्डिंग का कम्पलीशन सर्टिफिकेट 2021 में मिला था. इसमें साफ साफ लिखा था कि बेसमेंट का इस्तेमाल स्टोरेज और कार पार्किंग के लिए होगा.

गोलान पहाड़ियों पर घातक हमले के बाद इसराइल की जवाबी कार्रवाई

हिज़बुल्लाह के सात ठिकानों पर हमला

- शनिवार को गोलान पहाड़ियों में फुटबॉल की पिच पर रॉकेट हमले में 12 बच्चे व किशोर मारे गए थे
- इस हमले के बाद क्षेत्र में पैदा हुई व्यापक संघर्ष की आशंका, पीएम ने दी थी बदला लेने की चेतावनी

एजेंसी। अवीव

इसराइली एयर फोर्स ने कहा है उसने गोलान पहाड़ियों पर रॉकेट हमले के जवाब में लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है. इसराइल के क़ब्ज़े वाली गोलान पहाड़ियों में फुटबॉल की एक पिच पर रॉकेट हमले में 12 बच्चे और किशोर मारे गए थे. इसराइल ने कहा है कि हमला हिज़बुल्लाह ने किया है, जबकि हिज़बुल्लाह ने इससे इनकार किया है. रविवार की सुबह इसराइली सेना ने कहा कि उसने लेबनान के काफी अंदर हिज़बुल्लाह के सात ठिकानों पर हमला किया है. अभी ये पता नहीं चल पाया है कि इस हमले में कितने लोग हताहत हुए हैं. 7 अक्टूबर 2023 के बाद इसराइल की उत्तरी सीमा पर किया गया ये हमला मौतों के लिहाज़ से सबसे घातक था. इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हिज़बुल्लाह को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी. इसके कुछ ही घंटे बाद इसराइल ने हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमला बोल दिया. इजराइल नियंत्रित 'गोलन हाइट्स' में शनिवार को हुए हमले से क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है. इजराइली सेना ने कहा है कि 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि हिजबुल्ला ने इस हमले से सभी हदें पार दी हैं और हमारी प्रतिक्रिया से यह बात समझ आएगी. हम उस पल के करीब पहुंच रहे हैं, जब हमें एक पूर्ण युद्ध का सामना करना पड़ेगा.'

हिजबुल्ला का हमले से इनकार करना असामान्य बात

वहीं हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि समूह 'इस बात से साफ इनकार करता है कि मजदल शम्स पर उसने हमला किया.' हिजबुल्ला का हमले से इनकार करना असामान्य बात है. इस हमले से पहले शनिवार को सीमा पार हिंसा हुई थी, जिसमें हिजबुल्ला ने उसके तीन लड़ाकों के मारे जाने की बात कही थी. हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि यह हिंसा कहां हुई. इजराइल की सेना ने कहा कि उसकी वायुसेना ने सीमावर्ती गांव कफर किला में हिजबुल्ला के हथियार डिपो को निशाना बनाया. हमले के समय वहां आतंकवादी मौजूद थे. इजराइल पर हुए घातक हमले के बाद नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री जल्द से जल्द अमेरिका से स्वदेश लौट रहे हैं. उनके कार्यालय ने कहा कि वह इजराइल पहुंचने के बाद सुरक्षा कैबिनेट की बैठक करेंगे. एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक जिहान सफादी ने 'चैनल 12' को बताया कि मृतकों में पांच छात्र शामिल हैं. इजराइली सेना ने कहा कि उसके विश्लेषण के अनुसार, रॉकेट दक्षिणी लेबनान के चेबा गांव के उत्तर में स्थित क्षेत्र से दागा गया था.

बड़ी संख्या में सरकार समर्थक सैनिकों को मारने का दावा

बमाको। माली के तुआरेग बहुल उत्तर क्षेत्र में विद्रोही गुटों ने अल्जीरिया से लगी सीमा के पास भीषण लड़ाई में बड़ी संख्या में सरकार समर्थक सैनिकों और 'वैगनर ग्रुप' के लड़ाकों को मारने का दावा किया है. 'वैगनर ग्रुप' भाड़े पर सैनिकों की भर्ती करने वाला रूस का निजी सैन्य संगठन है. सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में नष्ट हुए वाहनों के पास माली के कई सैनिकों और श्वेत पुरुषों के शव बिखरे नजर आ रहे हैं. विद्रोही गुटों का यह दावा माली की सेना की ओर से शुक्रवार रात जारी एक बयान के बाद आया है, जिसमें विद्रोहियों के हमले में दो सैनिकों के मारे जाने, 10 अन्य के घायल होने और दो बख्तरबंद गाड़ियों तथा दो पिकअप ट्रक के नष्ट होने की जानकारी दी गई थी. बयान में सेना ने लगभग 20 विद्रोहियों को मार गिराने और उनके कई वाहनों को नष्ट करने का दावा भी किया था. हालांकि, दोनों पक्षों में से किसी के भी दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है. स्वतंत्रता-समर्थक सीएसपी-डीपीए गठबंधन के प्रवक्ता मोहम्मद एल्माउलौद रमादान ने एक बयान में कहा कि तिनजावातेन गांव के बाहरी इलाके में दो दिन तक चली भीषण लड़ाई में विद्रोहियों ने "माली के सैनिकों और रूस के निजी सैन्य संगठन के लड़ाकों की पूरी टुकड़ी को करारी शिकस्त दी."

कांवड़ यात्रियों के लिए दिल्ली मेरठ मार्ग पर यातायात पाबंदी

एजेंसी। गाजियाबाद

पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात पाबंदी लगाने के साथ ही सुरक्षा बढ़ा दी है. यह कदम एक दिन पहले एक कार द्वारा सड़क पर कुछ कांवड़ियों को कथित तौर पर टक्कर मारने की घटना के बाद उठाया गया है. यह जानकारी पुलिस ने दी. गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि मोदीनगर के कादराबाद गांव से गाजियाबाद जिले के हर प्रवेश बिंदु- मेरठ रोड तिराहा, मोहन नगर, लोनी रोड, लिंक रोड, उत्तर प्रदेश-दिल्ली सीमा से दिलशाद गार्डन तक सड़क पर वाहनों के प्रवेश को रोकने के इंतजाम किए गए हैं. मिश्रा ने कहा, "इस यातायात योजना को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और यातायात पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरतेगी. मिश्रित आबादी के निकास बिंदु पर, उस क्षेत्र के नागरिक समाज के स्वयंसेवक पुलिस की मदद करेंगे और क्षेत्र में किसी भी अप्रिय गतिविधि की सूचना देंगे." शनिवार को, एक कार से कथित तौर पर टकराने से गुस्साये कांवड़ियों ने चालक को गाड़ी से बाहर निकाला और उसकी पिटायी की. उन्होंने कार को भी कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया था. मिश्रा ने बताया कि घटना के समय कार मालिक नौबहार सिंह (40) भी वाहन में मौजूद था, जो मुरादनगर का रहने वाला है. चालक कथित तौर पर नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था.

एसईसीएल अधिकारी का शव खदान की हौद में मिला

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक खदान में बारिश का पानी भर जाने के बाद लापता हुए 'साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड' (एसईसीएल) के एक अधिकारी का शव रविवार को 16 घंटे की तलाश के बाद बरामद किया गया.इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि एसईसीएल के सहायक प्रबंधक (खनन) जितेंद्र नागरकर (41) शनिवार को शाम करीब साढ़े चार बजे कुसमुंडा कोयला खदान में लापता हो गए थे. अधिकारी ने कहा कि नागरकर और पांच अन्य लोग खदान की हौद में पानी के बहाव के रास्ते में फंस गए. उन्होंने बताया कि सभी ने खदान के ऊपरी हिस्से की तरफ आने की कोशिश की. अधिकारी ने कहा कि पांच लोग तो बाहर आ गए लेकिन नागरकर बह गए थे.

प्राधिकारियों ने पारंपरिक पूजा के बाद बारिश के मौसम में पहली बार महानदी में पानी छोड़ा

हीराकुंड बांध से बाढ़ का पानी छोड़ा, 7 जिलों में हाई अलर्ट

एजेंसी। भुवनेश्वर

हीराकुंड बांध के प्राधिकारियों द्वारा महानदी में इस मौसम में पहली बार बाढ़ का पानी छोड़े जाने के बाद ओडिशा सरकार ने रविवार को सात निचले जिलों के जिलाधिकारियों को 'हाई अलर्ट' पर रहने और लोगों को नदी के किनारे न जाने के लिए सतर्क करने का निर्देश दिया. बांध प्राधिकारियों ने पारंपरिक पूजा के बाद द्वार संख्या सात को खोला और उसके बाद अन्य द्वार भी खोले गए. कुल 20 द्वार तीन चरणों में खोले जाएंगे, ताकि ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के बीच अतिरिक्त पानी को बाहर निकाला जा सके. सुबह छह बजे हीराकुंड का जलस्तर 616.93 फुट था, जबकि जलाशय की क्षमता 630 फुट है. जलाशय में पानी का प्रवाह 3,16,000 क्यूसेक था, जबकि बाहर छोड़े जा रहे पानी का प्रवाह 40,126 क्यूसेक था. राज्य सरकार ने एक बयान में कहा, 'संबलपुर, सोनपुर, नयागढ़, पुरी, कटक, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा के जिलाधिकारियों को निचले इलाकों के लोगों को महानदी के किनारे न जाने के लिए सचेत करने को कहा गया है. जानवरों को भी नदी के करीब जाने की अनुमति नहीं होगी.'

तमिलनाडु : मुख्यमंत्री का मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने का निर्देश

चेन्नई। कर्नाटक से अधिक मात्रा में पानी आने के कारण सलेम स्थित मेट्टूर बांध के तेजी से भर जाने के मद्देनजर तमिलनाडु सरकार ने रविवार को राज्य के कावेरी डेल्टा जिलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए जलाशय से पानी छोड़ने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन, शीर्ष अधिकारियों और अन्य लोगों ने शिरकत की. आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, कावेरी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण कर्नाटक ने 1.48 लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा है, जिससे मेट्टूर बांध का जलस्तर 109.20 फुट तक पहुंच गया है. बांध का अधिकतम जलस्तर 120 फुट है. उम्मीद है कि अगले तीन दिन में कर्नाटक पानी छोड़ना जारी रखेगा.

फैसला सपा प्रमुख ने विस अध्यक्ष को लिखा पत्र, कमाल अख्तर मुख्य सचेतक नियुक्त

माता प्रसाद पांडेय उप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय नेता प्रतिपक्ष होंगे. यह पद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सांसद चुने जाने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की वजह से रिक्त हुआ है.

सोमवार को विधानसभा सत्र की कार्यवाही शुरू होने से एक दिन पूर्व रविवार को अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को भेजे एक पत्र में माता प्रसाद पांडेय (82) को नेता प्रतिपक्ष बनाये जाने का अनुरोध किया. सपा ने पत्र सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर पोस्ट किया है. यादव द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गये पत्र के मुताबिक माता प्रसाद पांडेय विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, महबूब अली-अधिष्ठाता मंडल, कमाल अख्तर-मुख्य सचेतक और राकेश कुमार उर्फ आर के वर्मा-उप सचेतक होंगे. लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे. उन्होंने कन्नौज संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद (मैनपुरी जिले की) करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था. यादव की जगह अब विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और सपा के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे.

पार्टी के एक नेता ने बताया कि यादव ने सिद्धार्थ नगर जिले की इटवा सीट से सपा विधायक पांडेय को विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने पर अपनी मुहर लगा दी है. इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तय करने के लिए पार्टी विधायकों की बैठक हुई, जिसमें पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को नेता प्रतिपक्ष का चयन करने के लिए अधिकृत किया गया.

विधानसभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं पांडेय

ब्राह्मण समाज से आने वाले पांडेय उत्तर प्रदेश विधानसभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं और सातवीं बार विधायक हैं. पांडेय पहली बार 1980 में फिर 1985 और 1989 में विधायक बने. इसके बाद 2002, 2007 और 2012 में पांडेय लगातार चुनाव जीतने में कामयाब रहे. हालांकि साल 2017 में वह पराजित हो गये लेकिन 2022 में वह फिर इटवा से विधायक निर्वाचित हुए. पांडेय 1990-1991 के बीच मुलायम सिंह यादव की कैबिनेट में चिकित्सा और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रहे. 2002-2004 के बीच मुलायम की सरकार में उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया और उन्हें श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का प्रभार दिया गया. पांडेय पहली बार 2004-2007 के बीच उप्र विधानसभा के अध्यक्ष बने और 2012-17 के बीच फिर से इस पद पर रहे. अधिष्ठाता मंडल बनाये गये महबूब अली-अमरोहा, मुख्य सचेतक कमाल अख्तर-मुरादाबाद जिले के कांठ और सचेतक आरके वर्मा प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं.

विकलांगता के प्रति दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव : चंद्रचूड़

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विकलांगता के प्रति हमारे दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया है. बेंगलुरु में शनिवार को 'इंडिया एक्सेसिबिलिटी समिट एंड स्टेट डिसेबिलिटी कमीशनर्स कॉन्क्लेव' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बदलाव प्रशिक्षण, सार्वजनिक बैठकों और नीति-निर्माण से आया है. सीजेआई ने कहा, 'विकलांगता के प्रति हमारे दृष्टकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया है. प्रशासनिक अधिकारियों की प्रशिक्षण अकादमियों में विकलांगता के बारे में संवेदनशीलता पैदा करने वाला समर्पित मॉड्यूल है. कुछ राज्यों में राज्य आयुक्त सेवाओं की उपलब्धता में सुधार लाने और लोगों के वास्तविक अनुभवों के आधार पर नीति-निर्माण के लिए सार्वजनिक बैठकें कर रहे हैं.' न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि निशक्त जनों के लिए पहुंच, स्वायत्तता, समान भागीदारी हासिल करने से पहले एक लंबा रास्ता तय करना है. उन्होंने कहा, 'हमें अभी भी लैंगिकता, शहरी-ग्रामीण विभाजन और विकलांगता के प्रकारों की विभिन्न अंतर्विभाजक असमानताओं के आधार पर विकलांग व्यक्तियों के सटीक आंकड़ों की आवश्यकता है.' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सरकारी और निजी संस्थानों में निशक्त जनों की भर्ती तेजी से बढ़ रही है, लेकिन कार्यस्थल की स्थितियां धीरे-धीरे ही ठीक हो रही हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)